THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 30 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.14 2080 बुधवार, 19 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अजित पवार ने ट्विटर अकाउंट से एनसीपी का झंडा हटाया

भाजपा को समर्थन देने की अटकलों पर बोले-मैं पूरी तरह से एनसीपी के साथ हूं और रहूंगा

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। एनसीपी नेता और शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने पार्टी छोड़ने की अटकलों को खारिज कर दिया है। अजित ने कहा, बेवजह गलतफहमी फैलाई जा रही हैं। किसी विधायक का हस्ताक्षर नहीं लिया गया है।

भाजपा के साथ जाने की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। जब तक जान में जान है तब तक एनसीपी से जुड़ा रहूंगा। चाहो तो एफिडेविट पर लिख कर दे दूं!

इधर, एनसीपी चीफ शरद पवार ने भी भतीजे के भाजपा के साथ जाने की खबरों को सिर्फ अटकलें बताया। उन्होंने कहा कि इस बारे में सिर्फ मीडिया में बात हो रही है। पार्टी को मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए अजित चुनाव में व्यस्त हैं। इस बीच, अजित ने फेसबुक और ट्विटर अकाउंट से एनसीपी का बैनर हटा दिया है। ऐसा कहा जा रहा है कि अजित के साथ एनसीपी के 40 विधायक हैं। इस बीच पार्टी के ही तीन विधायक माणिक कोकाटे, सुनील शेलके और अन्ना बनसोड खुलकर अजित पवार के समर्थन में आ गए हैं। तीनों विधायकों ने कहा कि अजित जो भी फैसला लेंगे, हम उनके साथ खड़े रहेंगे।

भारत-चीन सीमा के आखिरी गांव में जुटे 600 बौद्ध

तवांग, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सीमा पर बसे आखिरी गांव जेमिथांग में गोरसम स्तूप में नालंदा बौद्ध धर्म पर राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। इसे चीन को भारत और बौद्ध अनुयायियों की ओर से संदेश के रूप में देखा जा रहा है। चीन ने 15 दिन पहले चीन ने अरुणाचल की 11 जगहों के नाम बदले थे।

तवांग जिले में नालंदा बौद्ध परंपरा के तहत बुद्धिस्ट नेशनल कॉन्फ्रेंस हुई। जिसमें सीएम पेमा खांडू ने शिरकत की। उन्होंने इसे दुर्लभ और ऐतिहासिक बताया।

इस कॉन्फ्रेंस में रिनपोछे, गेहेस, खेनपोस के प्रतिनिधि और सभी हिमालयी राज्यों हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर (पद्दार-पांगी), सिक्किम, उत्तर बंगाल (दार्जिलिंग, डोर, जयगांव और कलिम्पोंग), डेंसा दक्षिण भारत मठ और अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों जैसे तूतिंग, मेचुका, ताकसिंग और अनिनी से 35 प्रतिनिधि शामिल हुए।

गुजरात सरकार बताए दोषियों को पहले क्यों छोड़ा : सुप्रीम कोर्ट

आज बिलकिस के साथ हुआ, कल किसी और के साथ हो सकता है

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलकिस बानो गैंगरेप मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से दोषियों को समय से पहले रिहा करना का कारण पूछा। कोर्ट ने कहा कि आज यह बिलकिस के साथ हुआ, कल किसी के साथ भी हो सकता है।

जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की बेंच मामले की सुनवाई कर रही है। बेंच ने मंगलवार को सुनवाई में कहा कि जब समाज को बड़े पैमाने पर प्रभावित करने वाले ऐसे जघन्य अपराधों में छूट देने पर विचार किया जाता है, तो सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए शक्ति का प्रयोग किया जाना चाहिए।

केंद्र ने राज्य के फैसले से सहमति जताई है, इसका मतलब यह नहीं है कि राज्य को अपना दिमाग लगाने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा, अगर सब कुछ कानून के मुताबिक हुआ है तो इसमें छिपाने को क्या है? मामले में अगली सुनवाई 2 मई को दोपहर 2 बजे होगी।

बता दें कि गुजरात सरकार ने मामले के 11 दोषियों को पिछले साल समय से पहले रिहा कर दिया है। सरकार के इस फैसले के खिलाफ बिलकिस ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। 28 मार्च को जस्टिस केएम जोसेफ और जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने गुजरात सरकार को दोषियों को छूट देने वाली रिलेवेंट फाइलों के साथ तैयार रहने का निर्देश दिया था। इससे पहले दिसंबर 2022 में मामले की सुनवाई करने वाली बेंच से जज बेला माधुर्य त्रिवेदी ने अपना नाम अलग कर लिया था। इसी वजह से सुनवाई टाल दी गई थी।

दाखिल की थीं दो याचिकाएं

बिलकिस बानो ने 30 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में दो याचिकाएं दाखिल की थीं। पहली याचिका में 11 दोषियों की रिहाई को चुनौती देते हुए उन्हें तुरंत वापस जेल भेजने की मांग की थी।

वहीं, दूसरी याचिका में कोर्ट के मई में दिए आदेश पर फिर से विचार करने की मांग की थी, जिसमें कोर्ट ने कहा था कि दोषियों की रिहाई पर फैसला गुजरात सरकार करेगी। इस पर बिलकिस ने कहा कि जब केस का ट्रायल महाराष्ट्र में चला था फिर गुजरात सरकार फैसला कैसे ले सकती है? इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट में कुछ जनहित याचिकाएं दाखिल कर दोषियों की रिहाई पर फिर विचार करने की मांग की गई थी। ये याचिकाएं नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वीमेन, पत्रकार रेवती लाल और टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने दाखिल की थीं। गुजरात में गोधरा कांड के बाद 3 मार्च 2002 को दंगे भड़के थे। दंगों के दौरान दाहोद जिले के लिमखेड़ा तालुका में रंधिकपुर गांव में उग्र भीड़ बिलकिस बानो के घर में घुस गई।

15 अगस्त को रिहा किए गए थे रेप के दोषी

बानो की वकील शोभा गुप्ता ने नई बेंच बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट से कई बार अपील की। नई बेंच बनाने की बार-बार अपील करने पर सीजेआई भड़क गए थे। उन्होंने कहा था कि मामले में जल्द सुनवाई नहीं होगी, परेशान न करें। इसके बाद 22 मार्च को कोर्ट ने बताया कि नई बेंच सुनवाई के लिए तैयार है।

दरअसल, 2002 के गोधरा कांड के दौरान बिलकिस बानो से रेप और उसके परिवार के लोगों की हत्या के दोषियों को पिछले साल 15 अगस्त को समय से पहले रिहा कर दिया गया था। इसी के खिलाफ बानो ने 30 नवंबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

एलजी की चिट्ठी : केजरीवाल से कहा-आरोप झूठे और अपमानजनक, सबूत दें वरना कानूनी कार्रवाई

नई दिल्ली,18 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर वीके सक्सेना ने बिजली सब्सिडी रोकने के आरोपों पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चिट्ठी लिखी है। सक्सेना ने लिखा कि ये आरोप झूठे, अपमानजनक और मानहानि वाले हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार सबूत पेश करे। एलजी ने कहा कि अगर सबूत नहीं दिए तो वे केजरीवाल और आप नेताओं पर कानूनी कार्रवाई करेंगे।

दिल्ली की ऊर्जा मंत्री आतिशी और स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने वीके सक्सेना पर आरोप लगाए हैं कि वे दिल्ली सरकार की पावर सब्सिडी प्रोग्राम की फाइलें रोक कर बैठे हैं। इसकी वजह से यह प्रोग्राम लेट हो रहा है। मंत्रियों ने कहा कि एलजी पावर सब्सिडी रोकने की कोशिश कर रहे हैं। वीके सक्सेना ने लिखा, मैं ये पत्र लिखकर आपसे उन सभी झूठे और निराधार आरोपों को लेकर जवाब मांगना चाहता हूं, जो आप, आपकी सरकार और पार्टी के लोग मुझ पर लगा रहे हैं। आप अच्छी तरह जानते हैं कि मैं हमेशा से गरीबों को पावर सब्सिडी दिए जाने के पक्ष में रहा हूं और इस बात को मैंने कई बार सार्वजनिक तौर पर साफ किया है। कई मौकों पर कई फाइलों में भी मैंने इस बात को दर्ज किया है। आपकी तरफ से जो आरोप लगाए गए हैं, वे सिर्फ राजनीतिक फायदों के लिए लोगों का ध्यान भटकाने के लिए हैं। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि आप इन आरोपों को सच साबित करने के लिए कोई पेपर या कम्युनिकेशन पेश करें। करीब एक महीने पहले आतिशी ने कहा था कि केजरीवाल सरकार की राज्य के किसी भी उपभोक्ता के लिए बिजली सब्सिडी बंद करने की कोई योजना नहीं है।

अमेरिका के मिनी पंजाब में गुरुद्वारे में चली गोलियां, जांच के बाद 17 सिख गिरफ्तार

वाशिंगटन,18 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में सैकरामेंटो में स्थित गुरुद्वारे समेत 11 स्थानों पर गोलीबारी की घटनाओं की कई एजेंसियों द्वारा की गई जांच के बाद 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। समें ज्यादातर स्थानीय सिख समुदाय के सदस्य हैं। उनके पास से एके-47 राइफल और मशीनगन बरामद की गई हैं। ये गिरफ्तारियां 20 से अधिक स्थानों पर छापेमारी के दौरान की गई हैं। उत्तरी कैलिफोर्निया के कानून प्रवर्तक अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि इन समूहों के सदस्य स्टॉकटन में एक गुरुद्वारे में 27 अगस्त 2022 को हुई गोलीबारी में तथा 23 मार्च 2023 को सैकरामेंटो में एक अन्य गुरुद्वारे में की गई गोलीबारी में शामिल थे।

दो लोगों को लगी थी गोली :

उन्होंने बताया कि स्टॉकटन की घटना में पांच और सैकरामेंट की घटना में दो लोगों को गोली लगी थी। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रोब बोंटा, युबा सिटी पुलिस प्रमुख ब्रायन बेकर और सट्टर काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी जेनिफर डुप्रे ने सोमवार को बताया कि रविवार को उत्तरी कैलिफोर्निया में 20 स्थानों पर तलाशी वारंट की तामील कराने के लिए बड़े पैमाने पर चलाए गए अभियान के दौरान 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें से ज्यादातर स्थानीय सिख समुदाय के सदस्य हैं।

ऑपरेशन ब्रोकन सॉर्ड :

डुप्रे ने कहा कि पुलिस ने एके-47 राइफलें, पिस्तौल और एक मशीनगन समेत 42 बंदूकें जब्त की हैं। उन्होंने ने प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार किए गए दो लोग माफिया के सदस्य हैं और भारत में हत्या के कई मामलों में वांछित हैं। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल ने बताया कि गिरफ्तार लोग प्रतिद्वंद्वी आपराधिक गिरोह का हिस्सा हैं और वे कई हिंसक घटनाओं के लिए कथित रूप से जिम्मेदार हैं।

समलैंगिकों के विवाह को मान्यता देने का मामला

समाज में स्वीकार्यता बढ़ी है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाली याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई शुरू की। वहीं, केंद्र सरकार अपनी आपत्ति पर जोर दे रही है कि क्या अदालत इस प्रश्न पर सुनवाई कर सकती है या पहले इस पर अनिवार्य रूप से संसद में चर्चा करायी जाएगी।

चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ और जस्टिस एस.के. कौल, जस्टिस एस.आर. भट, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने मामले की सुनवाई शुरू की। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि प्रारंभिक आपत्ति की प्रकृति और गुण-दोष इस बात पर निर्भर करता है कि याचिकाकर्ता का क्या कहना है और अदालत उनका पक्ष जानना चाहती है। मेहता ने पीठ से कहा कि याचिकाकर्ता अपना पक्ष रख सकते हैं और उनके द्वारा जतायी प्रारंभिक आपत्ति पर भी राय रख सकते हैं। मंगलवार की सुनवाई के बाद बुधवार दोबारा पीठ सुनवाई के लिए बैठेगी।

केंद्र सरकार अपनी प्रारंभिक आपत्ति पर जोर दे रही थी कि क्या अदालत इस प्रश्न पर सुनवाई कर सकती है या पहले इस पर अनिवार्य रूप से संसद में चर्चा करायी जाएगी। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सीजेआई ने कहा कि मुझे माफ करिएगा श्रीमान सॉलिसिटर, हम फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि अदालत पहले याचिकाकर्ताओं का पक्ष सुनेगी। उन्होंने कहा आप हमें बता नहीं सकते कि हम कैसे कार्यवाही का संचालन करेंगे। मैंने अपनी अदालत में कभी इसकी अनुमति नहीं दी है। इस पर मेहता ने कहा कि वह ऐसा कभी नहीं करते हैं। मेहता ने कहा, यह बहुत संवेदनशील मामला है जिस पर आप प्रारंभिक दलीलों पर गौर करेंगे और फिर मुझे कुछ वक्त देंगे। हमें विचार करना पड़ सकता है कि इस बहस में आगे भाग लेने के लिए सरकार का क्या रुख होगा।

बगैर राज्यों के याचिका सुनवाई योग्य नहीं :

तुषार मेहता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट जिस मामले पर सुनवाई कर रही है, वह वास्तव में विवाह का सामाजिक-कानूनी संबंध बनाने को लेकर है जो सक्षम विधायिका का कार्य क्षेत्र है। उन्होंने कहा, जब विषय समवर्ती सूची में है तो हम एक राज्य के इस पर सहमत होने, दूसरे राज्य के इसके पक्ष में कानून बनाने और किसी तीसरे राज्य के इसके खिलाफ कानून बनाने की संभावना से इनकार नहीं कर सकते। इसलिए राज्यों की अनुपस्थिति में ये याचिकाएं विचार करने योग्य नहीं रहेंगी, यही मेरी प्रारंभिक आपत्तियों में से एक है।

टीएमसी नेता मुकुल रॉय लापता

बेटे का दावा-दिल्ली के लिए रवाना हुए थे, अब संपर्क नहीं हो पा रहा

कोलकाता, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता मुकुल रॉय लापता हो गए हैं। उनके बेटे शुभ्रांशु रॉय ने यह दावा किया है। उन्होंने बताया कि रॉय का सोमवार शाम से कोई पता नहीं है। उनसे संपर्क भी नहीं हो पा रहा है। शुभ्रांशु ने बताया कि रॉय सोमवार शाम को इंडिगो की फ्लाइट (6ई-898) से दिल्ली के लिए निकले थे। उन्हें रात 9.55 बजे तक दिल्ली लैंड होना था, लेकिन अब उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। कल शुभ्रांशु ने कोलकाता के एनएससीबीआई एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में इसे लेकर शिकायत भी दर्ज कराई थी। बेटे ने कहा कि है उनके पिता की मानसिक हालत ठीक नहीं है। सभी को उन पर राजनीति करने से बचना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुकुल रॉय की रविवार को उनके बेटे से बहस हुई थी, जिसके बाद से वो कथित तौर पर गायब हो गए हैं। इसके अलावा रॉय स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का भी सामना कर रहे हैं। फरवरी में अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी पत्नी कृष्णा रॉय का निधन हो गया था। साल 2017 में मुकुल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामा था। हालांकि, 2021 में पश्चिम बंगाल में भाजपा के चुनाव हारने के बाद पार्टी के नेता मुकुल रॉय अपने बेटे शुभ्रांशु के साथ टीएमसी में शामिल हो गए थे।

बिहार में शराबबंदी विफल : सुशील मोदी

पटना, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जहरीली शराब पीने से मरने वाले परिजनों को चार लाख रुपये मुआवजे की घोषणा के बाद मंगलवार को भाजपा के नेता सुशील मोदी ने दूषित शराब पीने से हुए दिव्यांगों को भी 2 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग कर दी। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कानून में इसका प्रावधान तक है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मोदी ने कहा कि जो पिएगा, वह मरेगा जैसी टिप्पणी के लिए मुख्यमंत्री को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के दबाव में अंततः मुख्यमंत्री को झुकना पड़ा और मुआवजे की घोषणा करनी पड़ी।

भाजपा नेता ने कहा कि सरकार ने शराबबंदी के बाद जहरीली शराब पीने के 30 मामलों में 196 मृत्यु की बात स्वीकार कर रही है जबकि सरकार वर्ष 2019, 2020 में शून्य मृत्यु की बात कह रही है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि मरने वालों की संख्या 500 से ज्यादा है।

गोल्डन टैंपल में लड़की को रोकने में खालिस्तान की एंट्री

आतंकी पन्नू का सेवादार को 5 लाख रुपये देने का ऐलान, कहा- पंजाब नहीं है भारत का हिस्सा

अमृतसर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में गोल्डन टेंपल के अंदर एक लड़की को घुसने से रोके जाने के मामले में अब खालिस्तान की एंट्री हो गई है। खालिस्तान समर्थक प्रतिबंधित आतंकी संगठन, सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने लड़की को रोकने और 'ये पंजाब है, इंडिया नहीं' कहने वाले एसजीपीसी के सेवादार को पांच लाख रुपये देने का ऐलान किया है। इससे जुड़ा वीडियो एसएफजे के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने जारी किया। पन्नू ने कहा कि लड़की को गोल्डन टेंपल से बाहर निकालने वाले सेवादार सर्बजीत सिंह को 5 लाख रुपये दिए जाएंगे। पन्नू ने कहा कि पंजाब भारत का हिस्सा नहीं है, यह मैसेज सीधे गोल्डन टेंपल से आ गया है। इसका ऐलान सेवादार सर्बजीत सिंह जैसे एक सिख ने किया है। जो तिरंगा भारतीय हुकूमत ने वर्ष 1984 में गोल्डन टेंपल के ऊपर चढ़ाया था, अब वह गोल्डन टेंपल के अंदर नहीं जा सकता। सर्बजीत ने हर सिख के मन की ये बात भारतीय हुकूमत तक पहुंचा दी है।

आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने 29 मार्च को पंजाब के सभी जिलों में डीसी ऑफिस पर फहरा रहे तिरंगे झंडे उतारकर वहां खालिस्तानी झंडे फहराने की धमकी भी दी है। पन्नू ने कहा कि 29 अप्रैल 1986 को अकाल तख्त के पूर्व जत्थेदार गुरबचन सिंह मानोचाहल ने खालिस्तान बनाने का ऐलान किया था। उनके इसी ऐलान को पूरा करने के लिए सभी जिलों में डीसी ऑफिस में खालिस्तानी झंडे फहराए जाएंगे। इस बीच जिस लड़की को गोल्डन टेंपल में जाने से रोका गया, उसका एक और वीडियो सामने आया है। इसमें लड़की के चेहरे पर तिरंगा नहीं दिख रहा। इस वीडियो में कहा जा रहा है कि लड़की के परिवार के सदस्यों की जेब से प्रतिबंधित सामग्री मिली।

कांग्रेस विधायक के काफिले पर नक्सली हमला

जिला पंचायत सदस्य की गाड़ी पर लगी गोली, नुक्कड़ सभा कर लौट रहे थे

बीजापुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर से कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी के काफिले पर नक्सलियों ने हमला किया है। बताया जा रहा है कि जिस वाहन में जिला पंचायत सदस्य पार्वती कश्यप बैठीं थीं, उस वाहन पर गोलियां लगी हैं। सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। इस हमले के संबंध में अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामला गंगालूर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, विधायक विक्रम मंडावी, जिला पंचायत सदस्य समेत कांग्रेसी नेता गंगालूर गए हुए थे। यहां मंगलवार को साप्ताहिक हाट बाजार में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया था। लौटते वक्त पदेड़ा गांव के नजदीक नक्सलियों ने चलते वाहनों पर फायरिंग की। हालांकि, सभी वाहन वहां से सुरक्षित निकल गए हैं।

काफिले में करीब 10 से 15 गाड़ियां

दरअसल, विधायक विक्रम मंडावी पिछले कई दिनों से अपने विधानसभा क्षेत्र में अंदरूनी इलाकों का दौरा कर रहे हैं। मंगलवार को जब वे नक्सल प्रभावित गांव गंगालूर में नुक्कड़ सभा में शामिल होने गए तो नक्सलियों ने उनपर हमला करने का प्लान बनाया। लौटते वक्त नक्सली पदेड़ा गांव के पास सड़क के किनारे घात लगाए बैठे थे। जैसे ही विधायक का काफिला गुजरा नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। इस काफिले में करीब 10 से 15 गाड़ियां थी। जिले के अधिकांश कांग्रेस नेता, जन प्रतिनिधि सब मौजूद थे। हालांकि, वक्त रहते सारी गाड़ियां निकल गई।

लेकिन जिला पंचायत सदस्य की गाड़ी में गोली लग गई। इस फायरिंग में सभी बाल-बाल बचे हैं। ऐसा बताया जा रहा है कि, यदि वाहनों को वहां से गुजरने थोड़ा और वक्त लगता तो माओवादी ढलती शाम में काफिले को एंबुश में फंसा लेते।

25 मई 2013 को बस्तर के दरभा थाना क्षेत्र के झीरम से कांग्रेस के तमाम सीनियर नेता एक सभा करके लौट रहे थे। उसी दौरान शाम के वक्त ही नक्सलियों ने इसी प्रकार से कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला किया था। बस्तर में नक्सलियों का टीसीओसी (टैक्टिकल काउंटर अफेंसिव कैंपेन) चल रहा है।

मक्का और भारत दोनों में इस बार साथ मनाई जाएगी ईद

दोस्त सऊदी अरब के साथ बने संयोग

रिया, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। ईद -उल-फितर यानी रमजान के महीने का आखिरी दिन। ईद का जश्न पूरी दुनिया में बड़े जोर-शोर से मनाया जाता है। इस बार ऐसी संभावना है कि भारत में ईद उसी दिन मनाए जाए जिस दिन सऊदी अरब में इसका जश्न होगा। ईद किस दिन होगी इसका फैसला चांद देखकर होता है और मिडिल ईस्ट में गुरुवार को चांद नजर आने के आसार कम हैं। ऐसे में भारत और सऊदी अरब में हो सकता है कि एक ही दिन ईद का त्योहार मनाए जाने की उम्मीद काफी बढ़ गई है।

चांद देखना होगा मुश्किल : इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमी सेंटर के अनुसार, अधिकांश मीडिल ईस्ट देशों में गुरुवार को शव्वाल के महीने का आधा चांद नंगी आंखों या दूरबीन से देखा जाना लगभग असंभव है। यहां तक कि ब्रिटिश सरकार की रिपोर्ट बताती है कि गुरुवार को मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और यूनाइटेड किंगडम (यूके) से आधा चांद देखे जाने की संभावना नहीं है। इन खबरों के आधार पर कहा जा सकता है कि सऊदी अरब और बाकी मिडिल ईस्ट देशों में ईद-उल-फितर शनिवार, 22 अप्रैल, 2023 को मनाए जाने की संभावना है। सऊदी अरब के सर्वोच्च न्यायालय ने खाड़ी देश के सभी मुसलमानों को गुरुवार की शाम को शव्वाल के महीने के लिए आधा चांद की तलाश करने की अपील की है। वहीं दूसरी ओर, भारत में शनिवार या रविवार को ईद-उल-फितर मनाने की संभावना है। हालांकि अगर शुक्रवार को चांद नजर आता है तो ईद-उल-फितर शनिवार को मनाई जाएगी। सऊदी अरब में 13 अप्रैल से ईद की छुट्टियां हो गई हैं। छुट्टियां ईद के साथ ही खत्म हो जाएंगी। अगर इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमी सेंटर और ब्रिटिश सरकार की भविष्यवाणी सच हो जाती है और भारत में शुक्रवार को चांद नजर आता है तो भारत और सऊदी अरब के एक ही दिन ईद-उल-फितर मना सकते हैं।

एनसीपी में दरार को लेकर संजय राउत की प्रतिक्रिया

बोले- सबसे ज्यादा भ्रम फैला रहे सीएम, सुप्रिया सुले के बयान पर कही ये बातें

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर उथल-पुथल के कयास लगाए जा रहे हैं। माना जा रहा है कि एनसीपी चीफ शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार के बीच फिर से दूरियां बढ़ गई हैं। सूत्रों की मानें तो एनसीपी के 40 एमएलए अजित पवार के साथ हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में राज्य में बड़ी सियासी उठापटक देखने को मिल सकती है। इस बीच, अजित पवार के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं। इसे लेकर उद्धव गुट के शिवसेना सांसद संजय राउत ने बयान दिया है। राउत ने कहा कि एनसीपी के 20-25 विधायकों के जाने से पार्टी नहीं टूटती। संजय राउत ने कहा, मैंने 'रोकटोक' में भी यही लिखा था कि जैसे हमें और हमारे पार्टी के नेताओं को ईडी और सीबीआई के जरिए परेशान किया गया और पार्टी तोड़ी गई, वही एनसीपी के साथ किया जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए राउत ने कहा, जो बातें छप रही हैं, इस तरह की खबर बीजेपी प्लांट कर रही है कि 40 विधायक अजित पवार के साथ जा रहे हैं। हम लगातार उनके संपर्क में हैं। अजित पवार और शरद पवार में काफी अच्छे संबंध हैं। नागपुर से लेकर अभी तक वो हमारे संपर्क में हैं।

अगले 15 दिनों में दिल्ली और महाराष्ट्र में होंगे दो बड़े राजनीतिक विस्फोट

सुप्रिया सुले के बयान से मची खलबली

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी का जोड़ अब रिसता नजर आने लगा है। ये बातें इसलिए उठने लगी हैं क्योंकि बीते कई दिनों से एनसीपी के टॉप नेताओं के बयान आने वाले भूचाल की आहट दे रहे हैं। पहले एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने प्रधानमंत्री मोदी और सावरकर की तारीफ की। इसके बाद खबर आई की अजित पवार और अमित शाह की मुलाकात हुई है। सूत्रों ने यहां तक दावा किया कि एनसीपी के 13 विधायक बीजेपी के संपर्क में हैं और अब सुप्रिया सुले ने सीधे-सीधे कह दिया कि आने वाले दिनों में बड़े राजनीतिक विस्फोट होने वाले हैं।

एक विस्फोट दिल्ली और दूसरा महाराष्ट्र में होगा

एनसीपी प्रमुख शरद पवार की बेटी और सांसद सुप्रिया सुले ने एक बयान देकर महाराष्ट्र की सियासत में खलबली ला दी है। सुले ने कहा है कि आने वाले 15 दिनों में दो बड़े राजनीतिक विस्फोट होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि एक विस्फोट दिल्ली और दूसरा महाराष्ट्र में होगा। हालांकि ये विस्फोट कैसे होने वाले हैं, इसके बारे में उन्होंने नहीं बताया है। सुले का ये बयान ऐसे वक्त में सामने आया है जब अजित पवार के बीजेपी में जाने के कयास लगाए जा रहे हैं।

अजित पवार के बीजेपी में जाने की अटकलों पर क्या कहा

बता दें कि उद्धव गुट के नेता के बयान के बाद ये अटकलें तेज हो गई हैं कि अजित पवार बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। इसी को लेकर जब सुप्रिया सुले से ये सवाल पूछा गया कि अजित पवार बीजेपी में शामिल होंगे या नहीं? इसपर सुले ने कहा, यह बात दादा से पूछो, मेरे पास गॉसिप के लिए समय नहीं है। जनप्रतिनिधि के रूप में मेरे पास बहुत काम है, इसलिए मुझे इसकी जानकारी नहीं है। लेकिन मेहनत करने वाला नेता हो तो अजित दादा को हर कोई चाहेगा, इसलिए ऐसे बयान दिए जाते हैं।

एनसीपी के 13 विधायक बीजेपी के संपर्क में!

इससे पहले कल खबर आई थी कि महाविकास आघाड़ी के सूत्रों ने दावा किया है कि शरद पवार की पार्टी एनसीपी के 13 विधायक बीजेपी के संपर्क में हैं। यह सभी विधायक बीजेपी ज्वाइन करने का विचार कर रहे हैं। इन विधायकों पर एनसीपी छोड़ने के लिए दबाव डाला जा रहा है। सूत्रों ने कहा था कि शरद पवार ने इन विधायकों को मनाने की कोशिश की लेकिन अबतक बात बन नहीं पाई है।

जस्टिस तरलोक सिंह चौहान हिमाचल हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

शिमला, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। वरिष्ठ न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। इस संबंध में कानून और न्याय मंत्रालय की ओर से अधिसूचना जारी हो गई है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सबीना की सेवानिवृत पर जस्टिस तरलोक सिंह चौहान 20 अप्रैल से कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। जस्टिस तरलोक सिंह चौहान को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। जस्टिस तरलोक सिंह चौहान का जन्म 9 जनवरी 1964 को तहसील रोहड़ू में हुआ था। इन्होंने अपनी शिक्षा बिशप कॉटन स्कूल शिमला से की और स्कूल कैप्टन भी रहे। डीएवी कॉलेज चंडीगढ़ से ऑनर्स के साथ स्नातक और उसके बाद पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ से कानून में डिग्री प्राप्त की। 1989 में वे हिमाचल प्रदेश बार काउंसिल के साथ एक वकील के रूप में नामांकित हुए और लाला छबील दास वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ वकालत शुरू की। इन्होंने हिमाचल हाईकोर्ट में कानून की सभी शाखाओं में अभ्यास शुरू किया। वे बिजली बोर्ड और राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के कानूनी सलाहकार भी रहे है। इन्होंने बोर्डों, निगमों, वित्तीय संस्थानों, सार्वजनिक और निजी कंपनियों, शैक्षिक संस्थानों और सहकारी समितियों आदि सहित विभिन्न विभागों के मामलों की पैरवी की है।

एमसीडी में मेयर के लिए फिर होगी जंग, आप के बाद अब भाजपा ने उतारा प्रत्याशी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव में भाजपा ने प्रत्याशी उतारने को लेकर मंगलवार को स्थिति स्पष्ट कर दी है। पार्टी की ओर से इस बार शिखा राय को मेयर पद का उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा के इस एलान के बाद माना जा रहा है कि मेयर चुनाव एक बार फिर रोचक हो सकता है। इससे पहले प्रत्याशी घोषित करने और न करने को लेकर भाजपा में सोमवार देर रात तक मंथन चलता रहा। इस दौरान भाजपा के ज्यादातर पदाधिकारी मेयर व उप मेयर प्रत्याशी उतारने के पक्ष में थे, जिसके बाद आज यह एलान किया गया है। बता दें कि मंगलवार नामांकन का आखिरी दिन है। इसलिए पांच बजे से पहले संभावना है कि भाजपा अपने प्रत्याशियों के नामांकन कर दे। गौरतलब है कि पिछली बार भाजपा ने रेखा गुप्ता को मेयर और कमल बांगड़ी को उप मेयर प्रत्याशी बनाया था।

गर्मी में इंसान ही नहीं पशु-पक्षी भी हलकान

ओडिशा में लू लगने से 8 चमगादड़ों की मौत

जाजपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। भीषण गर्मी और लू का असर अब इंसानों पर ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों पर भी खूब पड़ रहा है। लू के थपड़ों से जानवर भी परेशान हैं और पक्षियों की तो मौत होने के मामले सामने आने लगे हैं। ताजा मामला ओडिशा के जाजपुर जिले के एक गांव का सामने आया है जहां पर 'लू' जैसे हालात के कारण कम से कम 8 चमगादड़ों की मौत हो गई है। बाकी चमगादड़ों पर पानी का छिड़काव कर उनको बचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस बाबत वन विभाग के अधिकारी ने जानकारी दी है। अधिकारी ने बताया कि धर्मशाला प्रखंड अंतर्गत कबातबंधा गांव में पिछले कुछ दिनों से अत्यधिक गर्मी के कारण चमगादड़ों की मौत हो रही है। इस गांव में चमगादड़ों की बहुतायत है और स्थानीय लोग इनको सौभाग्य का प्रतीक मानते हैं। स्थानीय वन अधिकारी मोहम्मद शाकिर हुसैन ने सोमवार को कहा कि ग्रामीणों ने हमें सूचित किया कि गर्मी की वजह से चमगादड़ मर रहे हैं जिसके बाद हम गांव पहुंचे। हम पिछले कुछ दिनों से चिलचिलाती गर्मी से बचाने के लिए उन पर पानी का छिड़काव कर रहे हैं।

मौसम में सुधार होने तक जारी रहेगा छिड़काव

उन्होंने कहा, 'चमगादड़ रात में जागते हैं और दिन में पेड़ों से लटकते हैं। चूंकि चमगादड़ दिन के समय गर्मी के सीधे संपर्क में होते हैं, इसलिए उन पर इसका ज्यादा असर होता है।' हुसैन ने कहा कि कबातबंधा में चमगादड़ों पर पानी का छिड़काव तब तक जारी रहेगा जब तक कि मौसम में सुधार नहीं हो जाता। कबातबंधा के एक ग्रामीण केशब चंद्र साहू ने कहा कि हम चमगादड़ों की रक्षा कर रहे हैं क्योंकि हम उन्हें पवित्र मानते हैं। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, उत्तरी ओडिशा के मयूरभंज जिले के बारीपदा शहर में अधिकतम तापमान सामान्य से 6.1 डिग्री सेल्सियस अधिक 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह शहर राज्य का सबसे गर्म स्थान रहा।

बौध और नुआपाड़ा में 43.5 डिग्री तापमान

इसके अलावा, बौध और नुआपाड़ा में अधिकतम तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस, झारसुगुड़ा में 43.4 डिग्री सेल्सियस, तलचर और संबलपुर में 43.2 डिग्री सेल्सियस, टिटलागढ़ और अंगुल में 43.1 डिग्री सेल्सियस, बोलांगीर में 43 डिग्री सेल्सियस, कटक में 41.6 डिग्री सेल्सियस और भुवनेश्वर में अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग के मुताबिक, राज्य के पश्चिमी, दक्षिणी, आंतरिक और तटीय भागों में गर्मी का प्रकोप रहा। गंजम, पुरी, जगतसिंहपुर और संबलपुर के जिला कलेक्टरों को लिखे पत्र में, विशेष राहत आयुक्त ने कहा कि आईएमडी द्वारा जारी मिड-डे बुलेटिन के अनुसार, इन जिलों में एक या दो स्थानों पर 19 अप्रैल की सुबह साढ़े आठ बजे तक 'लू' की स्थिति बनी रहने की संभावना है। हालांकि, प्रचंड गर्मी के बीच, आईएमडी ने अनुमान लगाया है कि ओडिशा में कई स्थानों पर अगले 5 दिनों में गरज के साथ छींटे पड़ेंगे।

मुंबई के स्क्रैप कंपाउंड में लगी भीषण आग

तेल के ड्रम और प्लास्टिक की वजह से उठ रहीं भीषण लपटें

मंडला, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के मंडला के एक कबाड़ गोदाम में भीषण आग लग गई। ये आग मानखुर्द इलाके में लगी है। आग की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गईं। आग लपटें इतनी ऊंची उठ रही हैं कि इसे दूर से ही देखा जा सकता है। हालांकी कबाड़ गोदाम में लगी आग के कारणों का अबतक पता नहीं चल पाया है। लेकिन इस भीषण आग से लाखों का माल जलकर खाक हो गया है। मुंबई फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट ने बताया कि मानखरुद इलाके में स्क्रैप कंपाउंड में लगी आग लेवल 3 की है। हालांकि राहत की बात ये है कि इस आग में अभी तक कोई हताहत नहीं हुआ है। मुंबई के दमकल विभाग ने बताया कि मानखुर्द इलाके में आग की सूचना तड़के 3 बजकर 07 मिनट पर मिली थी।

बंगाल में जलाए गए सरकारी दस्तावेज

जांच के लिए सीबीआई और ईडी के अधिकारी पहुंचे, घटना पर रहस्य बरकरार

कोलकाता, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल इस समय शिक्षक भर्ती घोटाले से जूझ रहा है। इस बीच खबर है कि दक्षिण 24 परगना के भांगड़ इलाके में एक बड़े मैदान में कुछ सरकारी दस्तावेजों को रहस्यमयी तरह से जलाने की घटना सामने आई है। जमीन पर बिखरे बड़े-बड़े दस्तावेजों में लगी आग से अचानक लपटें उठती देखी गईं। घटना की सूचना मिलते ही जांच के लिए सीबीआई और ईडी के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। बता दें कि सीबीआई और ईडी दोनों एजेंसियां वर्तमान में एसएससी नौकरी घोटाले से संबंधित विभिन्न मामलों की जांच कर रही हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह दस्तावेज इसी से संबंधित हैं या नहीं। फिलहाल सीबीआई और ईडी के अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं। घटना देर रात की बताई जा रही है। सीबीआई अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि जितने दस्तावेज जलाए गए हैं क्या उनमें उपरोक्त भ्रष्टाचारों का कोई सुराग तो नहीं है।

मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने आग बुझाई और आधे जले दस्तावेजों को निकालने की कोशिश की। कई दस्तावेज अधजली अवस्था में बरामद किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जलाए गए दस्तावेज 2008-2010 के हैं। फिलहाल दस्तावेज किस चीज के हैं इस पर रहस्य बना हुआ है। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या किसी भ्रष्टाचार को छिपाने की कोशिश की जा रही है? मालूम हो कि सीबीआई ने शिक्षक भर्ती घोटाले मामले में अभी तक तृणमूल कांग्रेस के तीन विधायक सहित कई नेताओं को गिरफ्तार किया है।

बिहार में गर्मी ने तोड़ा रिकॉर्ड

तापमान पहुंचा 44 डिग्री अगले चार दिनों के लिए हीटवेव का अलर्ट

पटना, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के जिलों में भीषण गर्मी पड़ रही है जिससे आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। आईएमडी के अनुसार, पटना हवाईअड्डे पर आज का तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। लोग भीषण गर्मी से परेशान हैं। पटना में एक स्थानीय ने कहा, पटना में लू शुरू हो गई है। तापमान लगातार बढ़ रहा है और दिन में काम करना मुश्किल हो रहा है। वहीं, डॉक्टरों का कहना है कि लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। बिहार में पिछले 5 दिनों से हीट वेव और लू चल रही है। दिन में धूप तेज हो रही है और गर्म हवा 12 से 19 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है। पछुआ और उत्तर पश्चिम की तरफ से गर्म हवा की वजह से जलन महसूस हो रही है। पूर्णिया में भीषण गर्मी ने 10 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और यहां अप्रैल के दूसरे हफ्ते में ही तापमान 41 डिग्री के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग ने मंगलवार को पटना, बांका, जमुई, नवादा, औरंगाबाद, सुपौल में लू को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग ने कहा है कि अगले चार दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा।

अगले चार दिनों तक चलेगी गर्म हवाएं

वहीं, पूर्वी पश्चिम चंपारण, सीवान, छपरा, भागलपुर, बक्सर, मुंगेर, खगड़िया समेत 23 जिलों में अगले 48 घंटे तक हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है और कहा गया है कि इस दौरान अधिकतम तापमान 44 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि 22 अप्रैल से बिहार के सभी हिस्सों में मौसम में सुधार दिखाई देगा। बिहार के 14 जिलों में कल यानी सोमवार को दिन का तापमान 43 डिग्री दर्ज किया गया था। वहीं बिहार की राजधानी पटना सहित गया, रोहतास, शेखपुरा, खगड़िया, बांका और नवादा जिले में दिन में 12 से 3 बजे के बीच तापमान 44 डिग्री से अधिक रिकॉर्ड किया गया। लोग भीषण गर्मी से परेशान रहे।

बेंगलुरु में पानी की पाइप लाइन के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरकर 2.5 साल के बच्चे की मौत, एफआईआर दर्ज

बेंगलुरु, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। बेंगलुरु में प्रशासनिक स्तर पर एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। पानी की पाइप लाइन बनाने के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरकर 2.5 साल के बच्चे की मौत हो गई है। पानी की पाइप लाइन के लिए बनाई गई साइट के आसपास कोई उचित चेतावनी संकेत या बैरिकेड्स नहीं थे, जिसकी वजह से बच्चा पानी से भरे गड्ढे में गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। इस मामले में इंजीनियर और ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

जानकारी के मुताबिक मगादी में बैंगलोर जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) द्वारा पानी की पाइपलाइन बिछाने के लिए गड्ढा खोदा गया था जिसमें गिरने से 2.5 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई है। इसके बाद बीडब्ल्यूएसएसबी के इंजीनियर व ठेकेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

जम्मू-कश्मीर: पूर्व उप मुख्यमंत्री निर्मल सिंह की पत्नी को राहत

फिलहाल नहीं गिराया जाएगा विवादित बंगला

जम्मू, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह की पत्नी ममता सिंह को फौरी राहत मिल गई है। उनका विवादित बंगला फिलहाल नहीं गिराया जाएगा। विशेष न्यायाधिकरण, जम्मू (द्वितीय पीठ) ने जम्मू विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर से जारी बंगले तोड़ने के आदेश को रद्द कर दिया है। न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी राजीव गुप्ता ने तकनीकी आधार पर नोटिस को रद्द करते हुए निर्देश दिया कि भवन निर्माण उपनियमों के उल्लंघन के लिए अपीलकर्ता ममता सिंह के खिलाफ नए सिरे से कार्रवाई करने के लिए जेडीए की बिल्डिंग ऑपरेशन कंट्रोलिंग अथॉरिटी (बीओसीए) स्वतंत्र होगी। जम्मू-कश्मीर कंट्रोल ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशंस एक्ट 1988 की धारा 7 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का सख्ती से पालन करके ऐसा करना होगा। पीठासीन अधिकारी ने कहा कि अपीलकर्ता को कारण बताओ नोटिस जारी करने के दौरान जेडीए कानूनी प्रक्रियाओं के अनुपालन में विफल रहा है।

यह प्रक्रियाएं भवन निर्माण उपनियमों के उल्लंघन के खिलाफ वैधानिक अभ्यास के साथ आगे बढ़ने के लिए अनिवार्य शर्त है। मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ एडवोकेट आरके गुप्ता ने अपीलकर्ता ममता सिंह की ओर से दलीलें पेश कीं। कहा कि जेएंडके कंट्रोल ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशंस एक्ट, 1988 की धारा 7 (1) के तहत अपीलकर्ता को कभी भी कारण बताओ नोटिस नहीं दिया गया कि क्यों न उनके द्वारा किया गया निर्माण हटा दिया जाए। स्पेशल ट्रिब्यूनल ने जेडीए के रिकॉर्ड को देखने के बाद पाया कि धारा 7(1) के तहत नोटिस 30 अक्टूबर 2021 को दिया गया था। जिस तरह से नोटिस दिया गया, उसमें सेवारत अधिकारी का विवरण और जिस व्यक्ति को यह दिया गया था, उसका उल्लेख नहीं किया गया। यहां तक कि फाइल में कार्यवाहियों का ब्यौरा भी दर्ज नहीं किया गया। जेडीए की तरफ से अधिवक्ता आदर्श शर्मा ने कहा कि यह बंगला नियमों का उल्लंघन करके बनाया गया है। दोनों तरफ की दलीलों पर विचार करने के बाद न्यायिक सदस्य राजीव गुप्ता ने तकनीकी आधार पर ममता सिंह द्वारा दायर की गई अपील को स्वीकार कर लिया, जिसमें जेएंडके कंट्रोल ऑफ बिल्डिंग ऑपरेशन एक्ट की धारा 7 (1) के तहत जारी कारण बताओ नोटिस को गलत बताया।

शाइस्ता परवीन की वायरल चिट्ठी में सनसनीखेज खुलासा

योगी के मंत्री पर साजिश रचने का आरोप

प्रयागराज, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन के नाम से एक चिट्ठी सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। चिट्ठी में सनसनीखेज खुलासा किया गया है। आरोप है कि प्रदेश सरकार के काबीना मंत्री पर ओर से की गई साजिश के तहत उमेश पाल की हत्या कराई गई। महापौर का पद अपने कब्जे में रखने के मकसद से कबीना मंत्री की ओर से साजिश रची गई है। प्रयागराज पुलिस भी मंत्री के दबाव में काम कर रही है। इसके साथ ही आरोप लगाया है कि प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा और एसटीएफ के एडीजी अमिताभ यश विरोधियों से मेरे पति की और देवर की हत्या की सुपारी लिए बैठे थे।

रेल हादसे में पति की मौत के एक महीने बाद पत्नी ने लगा ली फांसी, सीने से लगा रखी उसकी तस्वीर

शहडोल, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कहते हैं कि लव बर्ड्स के जोड़े में एक की मौत हो जाए तो दूसरा भी अधिक दिन जीवित नहीं रहता। ऐसा ही कुछ हुआ है शहडोल में। रेल हादसे में पति की मौत के एक महीने बाद पत्नी ने भी फांसी लगाकर जान दे दी। इस दौरान पति की तस्वीर अपने सीने से लगाए रखी। मामला शहडोल जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के दर्शीला चौकी अंतर्गत कोलमी छोट गांव का। एक महिला ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस का कहना है कि सुभद्रा चौधरी, उम्र-32 वर्ष, का पति अनिल महाराष्ट्र में मजदूरी करता था।

मेरे बैग में बम है, दिल्ली एयरपोर्ट पर मचा हड़कंप

सिक्योरिटी चेकिंग से गुस्साए शख्स ने दी धमकी

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी चेक के दौरान एक शख्स अक्रामक हो गया और उसने एयरलाइन कर्मचारियों को बताया कि उसके बैग में बम है। यह घटना 11 अप्रैल को हुई, जब शिव के रूप में पहचाने जाने वाले व्यक्ति को पश्चिम बंगाल के बागडोगरा के लिए गो फर्स्ट फ्लाइट (जी8-157) लेनी थी। एयरलाइन कर्मचारियों द्वारा दर्ज कराई गई एक शिकायत के अनुसार, जब उसे सेकेंडरी लेडर प्वाइंट पर जांच के लिए अपना बैग खोलने के लिए कहा गया, तो वह अक्रामक हो गया और उसने बताया कि उसके बैग के अंदर बम है। एफआईआर में कहा गया है, एयरलाइन स्टाफ ने यात्री से विनम्रता से पूछा कि क्या वह कोई प्रतिबंधित सामान ले जा रहा है, लेकिन वह और भी आक्रामक हो गया और दावा किया कि उसके बैग में बम है। एयरलाइन के कर्मचारियों ने तब मानक प्रक्रिया का पालन किया और शिव को फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया। सीआईएसएफ के कर्मचारियों को सूचित किया गया। उन्होंने यात्री से पूछताछ की। इस दौरान उसने एयरलाइन कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की धमकी भी दी। शिकायत में कहा गया है, यात्री को उसके चेक-इन सामान के साथ उतार दिया गया और उसे स्थानीय पुलिस स्टेशन ले जाया गया। पुलिस ने तब आरोपी यात्री के खिलाफ मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू की।

भर्ती घोटाले में जुड़ा टीएमसी के एक और विधायक का नाम, एचसी ने तापस साहा के खिलाफ दिया सीबीआई जांच का आदेश

कोलकाता, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला में एक के बाद एक सत्ताधारी दल टीएमसी के नेताओं के नाम जुड़ रहे हैं. मुर्शिदाबाद के बरन्या से तृणमूल विधायक जीवन कृष्ण साहा के गिरफ्तारी के बाद अब एक और विधायक का नाम भ्रष्टाचार से जुड़ा है. नदिया के तेहट्ट से तृणमूल विधायक तापस साहा पर गंभीर आरोप लगे हैं. उन आरोपों के आधार पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए उनके खिलाफ सीबीआई जांच का आदेश दिया है. पुलिस ने उनसे जुड़े दस्तावेज जमा करने का निर्देश दिया गया है. बता दें कि दावा है आरोपी विधायक के खिलाफ कुछ दस्तावेज मिले हैं, जिसके चलते सीबीआई इस मामले को हाथ में लेना चाहती है. इसी मामले की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने जांच का आदेश दिया है. कलकत्ता हाईकोर्ट ने एमएलए तापस साहा के खिलाफ दिया सीबीआई जांच का आदेश मामले की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस राजा शेखर मंथा ने सीबीआई जांच के आदेश दिया. उन्होंने आईओ को पंद्रह दिन के भीतर इस केस के सारे दस्तावेज सीबीआई को देने का निर्देश दिया. उन्होंने अपने आदेश में कहा, "जांच तब भी स्थानांतरित की जा सकती है, जब जांच की जा रही व्यक्ति राज्य में कोई प्रभावशाली व्यक्ति हो. इस मामले में पहले ही बहुत देर हो चुकी है. उन्होंने कहा," सिर्फ इतना ही नहीं जांच जरूरी है, बल्कि पारदर्शी जांच की भी जरूरत है, ताकि लोगों का भरोसा राज्य की जांच एजेंसियों पर हो, लेकिन एक ही केस को दो जांच एजेंसियों को देने से जटिलता और बढ़ जाएगी. भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है. कुछ रसूखदार लोगों को सीबीआई पहले ही जेल भेज चुकी है. शेष अभियुक्तों के बयानों से न्यायालय मुख्य अभियुक्त की भूमिका पर संदेह नहीं छोड़ सकता है."

विधायक तापस साहा पर लगा है 5 करोड़ की धांधली का आरोप

नदिया के तृणमूल विधायक तापस साहा के खिलाफ रोजगार दिलाने के नाम पर 5 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में कलकत्ता उच्च न्यायालय में मुकदमा दायर किया गया था. सोमवार को जस्टिस राजशेखर मंथा की कोर्ट में मामले की सुनवाई में सीबीआई ने कहा कि उन्हें भर्ती में भ्रष्टाचार के पुख्ता सबूत वाले दस्तावेज मिले हैं. उन्होंने न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की पीठ से कहा कि केंद्रीय खुफिया एजेंसी को नदिया में तेहट्ट विधायक की नियुक्ति में हुए भ्रष्टाचार की जांच करनी चाहिए. तृणमूल के इस विधायक का नाम दमकल विभाग समेत राज्य के कई सरकारी विभागों में शामिल रहा है. राज्य पुलिस की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने मामले की जांच शुरू की है.आरोप है कि इस मामले में तृणमूल विधायक के अलावा तीन अन्य लोगों के नाम शामिल थे. जबकि शेष तीन को गिरफ्तार कर लिया गया था, अदालत ने सवाल किया कि विधायक तापस साहा को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: नम्र बनो तो लोग नमन करते हुए सहयोग देंगे

पिछले दस वर्षों में हैदराबाद में जैव विविधता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई : केटीआर

नगरपालिका के अधिकारियों को विभिन्न श्रेणियों में हरित पुरस्कार मिलेंगे

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी व नगरपालिका मंत्री के. तारकरामा राव को आज हैदराबाद शहर जैव विविधता सूचकांक (सीटी जैव विविधता सूचकांक) नानकरंगुडा में हैदराबाद ग्रोथ कॉरिडोर कार्यालय में जारी किया गया।

हैदराबाद भारत का एकमात्र ऐसा शहर बन गया है जिसके पास एक शहर के लिए विशेष रूप से जैव विविधता सूचकांक रिपोर्ट तैयार की गई है। इससे पहले वर्ष 2012 में एक बार (सीओपी11 मीटिंग), हैदराबाद और कोलकाता ने 2017 में एक बार सिटी बायोडायवर्सिटी इंडेक्स बनाया था। हालाँकि, मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार, हैदराबाद दूसरी बार जैव विविधता सूचकांक बनाने वाला नवीनतम शहर बन गया है।

यह जैव विविधता सूचकांक शहर में जैव विविधता के संरक्षण, निगरानी और विकास के लिए इतना उपयोगी होगा कि इसे जैव विविधता के क्षेत्र में सिंगापुर के योगदान की मान्यता में सिंगापुर इंडेक्स कहा जाता है। शहर जैव विविधता सूचकांक 23 कारकों को मापता है जैसे क्षेत्र में चल रहे जैव विविधता संरक्षण प्रयास, इस क्षेत्र में स्थानीय सरकारों का समर्थन और जैव विविधता वृद्धि के लिए दिशानिर्देश कुल 23 विषयों के लिए अधिकतम 92 अंक आवंटित किए जाएंगे। इस जैव विविधता सूचकांक के लिए जीएचएमसी द्वारा किए गए नवीनतम अध्ययन में, इसने 92 अंकों में से 57 अंक प्राप्त किए। लेकिन 2012 में शहर में हुए जैव विविधता सूचकांक अध्ययन में उसे केवल 36 अंक मिले। पिछले दस वर्षों में, जैव विविधता को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा की गई कई पहलों के कारण हैदराबाद शहर ने जैव विविधता सूचकांक में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि हैदराबाद में, जिसे झीलों के शहर के रूप में जाना जाता है, लगभग दो हजार हेक्टेयर में फैले 1350 से अधिक जल निकाय, 1600 हेक्टेयर में फैले प्राकृतिक रॉक फॉर्मेशन (रॉक फॉर्मेशन) और शहर में दो राष्ट्रीय उद्यान (हरिनी वनस्थली) केबीआर के साथ) शहर की जैव विविधता में बहुत योगदान देता है। इसके अलावा, यह पाया गया है कि हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय और आईसीआरआईएसएटी जैसे संस्थानों के विशाल परिसर जैव विविधता के केंद्र हैं।

इस प्रकार, हैदराबाद शहर के प्राकृतिक जैव विविधता संसाधनों की रक्षा करके, शहर के जैव विविधता सूचकांक में बेहतर रैंक हासिल करने का अवसर है। इस रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद में पौधों की 1305 प्रजातियाँ हैं, जबकि शहर में 577 क्षेत्रीय पौधों की प्रजातियाँ और 728 अन्य क्षेत्रीय पौधों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं। रिपोर्ट से पता चला कि ड्रैगनफलीज़ (ओडोनेट्स) की 30 प्रजातियाँ, तितलियों की 141 प्रजातियाँ, मकड़ियों की 42 प्रजातियाँ, मछलियों की 60 प्रजातियाँ, उभयचरों की 16 प्रजातियाँ, सरीसृपों की 41 प्रजातियाँ, पक्षियों की 315 प्रजातियाँ और स्तनधारियों की 58 प्रजातियाँ हैं। इस अवसर पर मंत्री के तारक रामा राव ने हैदराबाद शहर के लिए विशेष रूप से जैव विविधता सूचकांक रिपोर्ट तैयार करने वाले अधिकारियों को बधाई दी। इस अवसर पर, केटीआर ने कहा कि वास्तव में विश्व स्तरीय शहर बनने के लिए विकास की प्रक्रिया में जैव विविधता सबसे महत्वपूर्ण कारक है। केटीआर ने कहा कि जब लिव-लेट-लाइव की भावना के आधार पर शहरीकरण किया जाता है, तभी हम प्रकृति के साथ सद्भाव से रह सकते हैं।

केटीआर ने अपना विश्वास व्यक्त किया कि हरिता हरम, तालाबों के संरक्षण और मजबूती, वनीकरण और शहरी फेफड़े के स्थानों जैसे विकास कार्यक्रम, जो पहले से ही तेलंगाना सरकार द्वारा किए जा चुके हैं, शहर की जैव विविधता और जैव विविधता के लिए बहुत फायदेमंद रहे हैं।

शहर और उसके आसपास भी भविष्य में वृद्धि होगी। केटीआर ने कहा कि हैदराबाद के साथ-साथ कई शहरों को इस श्रेणी में पहले ही पुरस्कार मिल चुके हैं। हालांकि, इसे और आगे ले जाने की जरूरत को देखते हुए मंत्री ने सुझाव दिया कि शहरी विकास विभाग को जैव विविधता को बढ़ाने के लिए पंचवर्षीय कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस मनाया जाएगा और लोगों में जैव विविधता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि 5 जून को शहरों में हरियाली बढ़ाने वाले नगर पालिकाओं और उनके कर्मचारियों को विशेष हरित पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

बालिका से छेड़खानी के आरोपी को सजा मिलने पर सीपी ने टीम की सराहना की

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी के बंजाराहिल्स पुलिस थाना क्षेत्र के डीएवी स्कूल बाल छेड़छाड़ (पॉक्सो एक्ट केस) के आरोपी को फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट द्वारा 20 साल की अवधि के लिए दोषी ठहराया गया था। मंगलवार को पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने जांच अधिकारियों और कोर्ट ड्यूटी अधिकारियों, एसएचई टीमों के अधिकारियों को उनके असाधारण कार्य और समर्पण के लिए सराहा है। आपराधिक न्याय प्रणाली के सभी अंगों के ठोस प्रयासों के कारण अभियुक्तों को रिकॉर्ड समय में दोषी ठहराया गया। वर्ष18 अक्टूबर, 2022 को बंजाराहिल्स पुलिस को पीड़िता की मां ने आरोपी आरोपी दो महीने से उसकी बेटी का यौन शोषण कर रहा था। आरोपी पीड़िता को डिजिटल क्लास रूम में ले गया और यौन शोषण किया उसके साथ दुर्व्यवहार किया। यह पूरी घटना स्कूल में प्रिंसिपल शिवराजू माधवी की लापरवाही से हुई। पुलिस ने तुरंत चालक और प्रिंसिपल के खिलाफ मामला दर्ज किया और घंटों के भीतर आरोपी को पकड़ लिया। 19 गवाहों का हवाला देकर पूरी जांच महज 34 दिनों में पूरी कर ली गई। आईओ ने विशेष न्यायालय के समक्ष आरोप पत्र दायर किया, जिसने आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा चलाया। 18 अप्रैल, 2023 को, एचएसीए भवन, हैदराबाद में न्यायालय (बलात्कार और पास्को के लिए फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट) ने आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ फैसला सुनाया। आरोपी बीमाना रजनी कुमार को दोषी ठहराया गया और पांच हजार रुपये के जुर्माने के साथ 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। शी टीमों और भरोसा टीम ने पीड़िता की काउंसलिंग की, उसे दिलासा दिया और पूरे परीक्षण के दौरान आईओ, अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया। सिटी पुलिस चीफ सीवी आनंद ने पी. रुक्मिणी, एसएचई टीमों की इंस्पेक्टर , लीगल काउंसलर कल्पना, काउंसलर राधारानी और सपोर्ट पर्सन धरणी. बी मनोज कुमार, एसआई बंजाराहिल्स, कोर्ट ड्यूटी, समन अधिकारी के.नरेश कुमार, एस.रामुलु, वेंकट कृष्णा, एम.ए.बेग, वी.वेंकटेश, अक्कुला रेड्डी और सरकारी वकील प्रताप रेड्डी की सराहना की। पूरे परीक्षण की जोएल डेविस, डीसीपी वेस्ट जोन की देखरेख में आईओ नरेंद्र (एसएचओ, बंजाराहिल्स) द्वारा बारीकी से निगरानी की गई थी। सिरिशा राघवेंद्र और अन्य अधिकारी उपस्थित थी।

राज्य में जमीनों पर कब्जा कर रहे बीआरएस नेता : रघुनंदन

भाजपा विधायक ने लगाया सनसनीखेज आरोप

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक एम. रघुनंदन राव ने आज आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के नेता राज्य में जमीन हड़प रहे हैं और कहा कि उनके द्वारा किए गए भूमि अतिक्रमण की कोई सीमा नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के नेताओं ने राज्य की विभिन्न परियोजनाओं से संबंधित भूमि पर भी कब्जा कर लिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य के कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने परियोजना की भूमि पर कब्जा कर लिया है और उस पर तीन फार्म हाउस बनाए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्री ने कृष्णा नदी के किनारे सरकारी जमीन के एक टुकड़े पर कब्जा कर लिया और अपना फार्म हाउस बना लिया। उन्होंने कहा कि मंत्री ने वानापर्ती जिले के चंदूर मंडल में 160 एकड़ जमीन पर एक फार्म हाउस बनाया है। उन्होंने दावा किया कि मंत्री ने 60 एकड़ जमीन अपने नाम करा ली है और उस पर कब्जा कर चारदीवारी बना दी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मंत्री ने दीवार को जमीन से छह मीटर नीचे से बनाया है।

उन्होंने मांग की कि सीएम केसीआर अपने कैबिनेट सहयोगी के खिलाफ कार्रवाई करें। राव ने आरोप लगाया कि चंदूर मंडल का तहसीलदार कार्यालय उस समय आग की चपेट में आ गया जब मंत्री अपना फार्म हाउस बना रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस ने अभी तक इस घटना में चार्जशीट दाखिल नहीं की है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मंत्री ने आरडीएस परियोजना के लिए अधिग्रहित भूमि के एक टुकड़े पर एक और फार्म हाउस बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की आदिवासी मंत्री सत्यवती राठौड़ ने सभी तांडों के लिए सड़कें बनाने की उनकी दलीलों का जवाब नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक के सभी थानों को सड़कों के निर्माण के लिए अनुसूचित जाति उपयोजना धन आवंटित किया गया था।

हरिता-वनालू में लक्ष्यों को हासिल किया जाना चाहिए : शांति कुमारी

सीएस ने अधिकारियों को सिंचाई भूमि में हरियाली बढ़ाने के निर्देश दिए

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि आगामी हरित हरम कार्यक्रम के दौरान, सिंचाई विभाग से संबंधित भूमि में हरियाली बढ़ाने के लिए गतिविधियों को डिजाइन किया जाना चाहिए। मुख्य सचिव ने मंगलवार को यहां बीआरके भवन में संबंधित विभागों व वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हरित हरम की तैयारियों व व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार सिंचाई विभाग के अंतर्गत सभी रिक्त क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जाये। सिंचाई, पंचायत राज और वन विभाग के अधिकारियों को स्वच्छ ऑक्सीजन प्रदान करने के लिए सम्पदा वनालु (संपदा वन) बनाने, हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ आसपास के गांवों के लोगों का समर्थन करने के लिए फलदार पेड़ लगाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि स्थल निरीक्षण, स्थानीय अनुकूलन के साथ वृक्ष प्रजातियों की पहचान और रोपण के बाद उनके संरक्षण उपायों के लिए पूर्व योजना के लिए तीन विभागों के क्षेत्र स्तरीय अधिकारियों के साथ जिलेवार विशेष टीमों का गठन किया जाना चाहिए। नहरों के किनारे सिंचाई परियोजनाओं के समीप खाली स्थानों को चिन्हित करने के साथ ही सभी नहरों के किनारे पौधरोपण के सुरक्षात्मक उपाय किये जायें। इसी प्रकार जहां भी उपलब्ध हो वहां ब्लॉक वृक्षारोपण किया जाए और आसपास के गांवों के लोगों और किसानों का भी सहयोग लिया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाना सभी की जिम्मेदारी है कि एक बार लगाए गए पौधे अच्छी तरह से विकसित हों। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि हरित हरम के दौरान वृहद स्तर पर पौधरोपण किया जाए। उन्होंने वन भूमि में किए गए हरिता वनालु वृक्षारोपण कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में पीसीसीएफ आरएम डोबरियाल, प्रमुख सचिव पंचायत राज संदीप कुमार सुल्तानिया, आयुक्त पीआर एंड आरडी हनुमंत राव, विशेष आयुक्त वीएसएनवी प्रसाद और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बूढ़ी मां की सेवा करने में असमर्थ व्यक्ति ने कर दी हत्या

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक शख्स ने अपनी मां की गला दबाकर हत्या कर दी और उसे बोझ समझकर दफना दिया। चौंकाने वाली घटना तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में हुई। पुलिस के अनुसार, चिन्ना बलय्या नाम के व्यक्ति ने बीमार और बिस्तर पर पड़ी अपनी मां ई. बालव्वा (80) की कपड़े के टुकड़े से गला दबाकर हत्या कर दी और बाद में उसे दफना दिया। कुछ दिन पहले बलैया ने सदाशिव नगर में अपने पड़ोसियों को बताया कि उसकी मां लापता हो गई है। उसने दावा किया कि जिस कमरे में वह रह रही थी, वह बाहर से बंद था।

हालाँकि, एक स्थानीय जनप्रतिनिधि को उनके संस्करण के बारे में संदेह हुआ। मंडल परिषद प्रादेशिक समिति (एमपीटीसी) के सदस्य बैरैय्या ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। बलय्या ने अपनी मां की हत्या करना कबूल किया। उसने पुलिस को बताया कि वह उसके लिए बोझ बन गई थी और वह उसकी देखभाल करने में असमर्थ था। 13 अप्रैल की रात उसने कपड़े के टुकड़े से अपनी मां की गला रेतकर हत्या कर दी। फिर वह उसके शव को एक चावल मिल के पीछे सुनसान जगह पर ले गया और खाई खोदकर उसे दफना दिया। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस ने सोमवार को शव को निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सर्किल इंस्पेक्टर रमन ने कहा कि हमने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

झूठी शिकायत करने वाली महिला को जेल

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक स्थानीय अदालत ने मंगलवार को एक महिला को झूठी शिकायत करने के लिए पांच दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने उन पर 200 रुपये का जुर्माना भी लगाया। 15 अप्रैल को, दोषी महिला यू. चेन्नम्मा (45) ने करखाना से एक झूठी शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि कुछ अज्ञात लोगों ने उसे चाकू की नोंक पर धमकाया और जब वह घर में अकेली थी तो उसका मंगलसूत्र छीन लिया। उसकी शिकायत पर करखाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान पता चला कि चेन्नम्मा ने झूठी शिकायत दर्ज कराई थी और उसके गहने चोरी नहीं हुए थे। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने नागरिकों को झूठी शिकायत दर्ज करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि कानूनी कार्रवाई की जाएगी

बीसी समुदाय की जनगणना के लिए दबाव बनाएं : पोन्नम

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पोन्नम प्रभाकर ने आज भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार जैसे भाजपा नेताओं को खुला पत्र लिखकर मांग की कि वे बीसी सामुदायिक जनगणना करने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाते हैं। अपने पत्र में पोन्नम ने दोनों नेताओं से कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर बीसी समुदाय की जनगणना कराना उनके लिए मुश्किल काम नहीं होगा क्योंकि वे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक ही बीसी समुदाय से है। उन्होंने दोनों नेताओं से इस मुद्दे पर प्रधान मंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मनाने के लिए कहा, जबकि तेलंगाना राज्य में बीसी समुदाय से संबंधित तेलंगाना के 50 प्रतिशत से अधिक लोग हैं।

सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद में एफेरेसिस सेंटर का उद्घाटन

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मेजर जनरल राकेश मनोचा, एसएम, वीएसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र ने सैन्य अस्पताल सिकंदराबाद में नव स्थापित एफेरेसिस सेंटर का उद्घाटन किया। एफेरेसिस मशीन केवल वांछित रक्त घटक के संग्रह में मदद करती है और शेष रक्त शरीर में वापस आ जाता है। यह इस स्थानिक क्षेत्र में डेंगू के मामलों के इलाज में सहायक होगा, जिसके लिए एकल डोनर से सिंगल डोनर प्लेलेट को तेज दर पर उपलब्ध कराया जाएगा।

11 सरकारी स्कूलों में सौर ऊर्जा उत्पादन शुरू

वारंगल, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा 'मना ओरू-मना बड़ी' योजना के तहत सरकारी स्कूलों के नवीनीकरण के हिस्से के रूप में स्कूलों में सौर फोटोवोल्टिक बिजली इकाइयों को स्थापित करने के निर्णय के साथ, जिले के 11 सरकारी स्कूलों में 2केवी सौर प्रणाली पहले ही स्थापित की जा चुकी है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इन इकाइयों ने बिजली पैदा करना शुरू कर दिया है। तेलंगाना राज्य नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम (टीएसआरईडीसीओ) यहां 'मन ओरू-मन बाड़ी' योजना के पहले चरण में कुल 35 स्कूलों में सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) इकाइयों की स्थापना का कार्य निष्पादित कर रहा है।

टीएसआरईडीसीओ वारंगल के प्रबंधक जी महेंद्र रेड्डी ने कहा कि 11 स्कूलों में प्रति दिन आठ यूनिट बिजली पैदा की जा रही थी, और सौर इकाइयों को तेलंगाना स्टेट नॉर्दर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की मदद से पावर ग्रिड के साथ सिंक्रोनाइज़ किया गया है।

शेष 24 सरकारी स्कूलों में सौर इकाइयों की स्थापना विभिन्न चरणों में है और कुछ दिनों में पूरी हो जाएगी। हमने सोलर ऑन-ग्रिड सिस्टम स्थापित करने के लिए 250 से अधिक छात्रों वाले स्कूलों को चुना है। वर्तमान में, 11 स्कूलों में उत्पन्न बिजली का उपयोग संबंधित स्कूलों में पंखे, ट्यूबलाइट और पानी की आपूर्ति के लिए किया जा रहा है और शेष बिजली ग्रिड को आपूर्ति की जाती है। संबंधित स्कूल भवनों पर छह सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि पर्वतगिरी जेडपीएसएस, नरसमपेट गर्ल्स एंड बॉयज मॉडल स्कूल, नरसमपेट मंडल में इतिकालपल्ली मॉडल स्कूल, नरसमपेट में एमपीपीएस, वारंगल शिवनगर, गिरमाजीपेट में गवर्नमेंट हाई स्कूल, मामुनूर स्कूल, धर्माराम जेडपीएचएस और मटेवाड़ा प्राथमिक स्कूल में सौर इकाइयां स्थापित की गई हैं। सौर पीवी बिजली संयंत्रों की स्थापना न केवल स्कूलों के बिजली बिलों को कम करेगी बल्कि उन्हें राजस्व उत्पन्न करने में भी मदद करेगी। स्कूलों में उत्पादित अतिरिक्त सौर ऊर्जा राजस्व सृजन में सहायता करने वाले पावर ग्रिड को हस्तांतरित की जाएगी।

राज्य भर में, सरकार की योजना 12 जिलों में 32 करोड़ रुपये की लागत से 1,521 सरकारी स्कूलों में रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने की है। टीएसआरईडीसीओ ने सौर पैनल लगाने के लिए निविदाएं आमंत्रित की थीं और 11 विक्रेताओं को अंतिम रूप दिया है। चयनित वेंडर स्कूलों में 2 किलोवाट से 5 किलोवाट तक के रूफटॉप सोलर सिस्टम लगा रहे हैं। चयनित 1,521 सरकारी स्कूलों में से 916 दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत आते हैं और 605 उत्तरी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत आते हैं।

भारत की सबसे कम्र उम में पीएचडी धारक बनी नैना जायसवाल

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की रहने वाली नैना जायसवाल 22 साल की उम्र में आदिकवि नन्नया विश्वविद्यालय, राजामहेंद्रवरम आंध्र प्रदेश से डॉक्टरेट की डिग्री, पीएचडी से सम्मानित होने वाली भारत की सबसे कम उम्र की और पहली लड़की बन गई है। नैना का शोध विषय तेलंगाना राज्य के महबूबनगर जिले के संदर्भ में 'महिला सशक्तिकरण में सूक्ष्म वित्त की भूमिका पर एक अध्ययन' है। मूल रूप से, डॉ नैना जायसवाल हैदराबाद की एक अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों चैंपियनशिप में कई खिताब जीते हैं। वह एक "चाइल्ड प्रोडिजी" हैं, जिन्होंने 17 साल की उम्र में पीएचडी करना शुरू किया था। उपलब्धि पर, नैना का कहना है कि मेरे माता-पिता मेरे शिक्षक हैं। माता-पिता अश्विनी कुमार जायसवाल और भाग्यलक्ष्मी जायसवाल के सहयोग और प्रशिक्षण के साथ चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर रही हूं। इसके कारण मेरे लिए कुछ भी असंभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं अपने शोध गाइड, प्रो. डॉ. मुर्रू मुत्यालु नायडू और सह-मार्गदर्शक प्रो. टेकी सुरैयाअनुसंधान के दौरान अमूल्य सहयोग के लिए आभारी हूं।

अतीक अहमद की हत्या के बाद कानून व्यवस्था पर सीएम योगी की पहली प्रतिक्रिया, दी सख्त चेतावनी

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। अतीक अहमद की हत्या के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ मंगलवार को पहली बार सार्वजनिक कार्यक्रम में नजर आए. इस दौरान उन्होंने हत्याकांड के बाद राज्य की कानून व्यवस्था पर पहली प्रतिक्रिया दी. वहीं मुख्यमंत्री ने सख्त चेतावनी भी दी है. इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि अब माफिया किसी को डरा नहीं सकता है. सीएम योगी ने कहा, यूपी में निवेश करने वालों के एक-एक पूंजी की सुरक्षा की जायेगी. यूपी में एक कालखंड ऐसा भी आया जब यूपी के पहचान को खत्म कर दिया गया. यूपी के प्रगति किसी से छिपी नहीं है. कानपुर कभी कपडा उघोग का केन्द्र था. फिर से यूपी की पहचान वापस आ रही है. अब यूपी में बेहतरीन कनेक्टिविटी है. दरअसल, सीएम योगी लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे.

सपा-रालोद गठबंधन में रार, कई सीटों पर दोनों ने उतारे उम्मीदवार

कोई भी पीछे हटने को राजी नहीं

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। नगर निकाय चुनाव की रणभूमि में उतरते उतरते सपा रालोद गठबंधन में घमासान शुरू हो गया। विभिन्न सीटों पर सपा और रालोद दोनों ने ही अपने उम्मीदवार मैदान में उतार दिए हैं। हैरत की बात यह है इस समय कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं है। उधर, रालोद ने मेरठ नगर निगम में महापौर पद पर अपना प्रत्याशी उतारने का एलान कर दिया है जबकि यहां भी सपा ने अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है।

विधानसभा चुनाव 2022 में सपा रालोद का गठबंधन हुआ था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने खास तौर पर पश्चिमी उप्र में जमकर प्रचार किया। एलान किया गया कि यह गठबंधन नगर निकाय चुनाव में भी चलेगा। यहां तक कि चुनाव से पहले रालोद प्रदेश अध्यक्ष रामशीष राय ने बड़ौत में घोषणा कर दी थी कि रालोद निकाय चुनाव अपने दम पर चुनाव लड़ेगा तो इसे लेकर रालोद और सपा दोनों में ही हंगामा मच गया था। रालोद ने तो दिल्ली से इस बाबत सफाई दी और कहा कि प्रत्याशी रालोद और सपा की साझा कमेटी चुनेगी और गठबंधन मिलकर चुनाव लड़ेगा। अब चुनाव आया तो दोनों के बीच रार खुलकर सामने आ गई है। कई सीटों पर सपा और रालोद ने अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं।

छह-छह सीटों पर आमने-सामने

बिजनौर नगर पालिका अध्यक्ष के लिए स्वाति वीरा को सपा ने उम्मीदवार घोषित किया है। सपा से नाराज हुई रुखसाना परवीन को यहां से रालोद ने अपना उम्मीदवार घोषित करते हुए पर्चा दाखिल कर दिया। बिजनौर जिले में ही बिजनौर नगर पालिका परिषद समेत अध्यक्ष पद के लिए छह सीटों हल्दौर, नहटौर, नूरपुर, धामपुर, चांदपुर पर यही स्थिति खड़ी हो गई है।

रालोद का गढ़ माना जाता है बड़ौत

इन सभी पर सपा और रालोद दोनों के प्रत्याशी चुनावी रण में उतर गए हैं। उधर बागपत जिले की नगर पालिका बड़ौत सीट पर बतौर अध्यक्ष प्रत्यशी सपा ने रणधीर प्रधान को उम्मीदवार घोषित कर दिया। यहां दूसरे चरण में चुनाव है और बड़ौत रालोद का गढ़ माना जाता है। इस सीट पर रालोद अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी ही कर रहा था कि सपा ने दांव खेल दिया। इसी जिले की नगर पालिका खेकड़ा में भी यही हुआ है। यहां के अध्यक्ष पद के लिए रालोद से रजनी धामा को उम्मीदवार घोषित कर दिया है जबकि सपा ने संगीता धामा को उम्मीदवार घोषित दिया।

शामली की कांधला नगर पालिका के लिए दोनों ने उतारे उम्मीदवार

अब यहां भी रार शुरू हो गई है। सहारनपुर की नगर पंचायत अंबेहटा पीर पर अध्यक्ष पद के लिए पहले रालोद प्रत्याशी रेशमा ने पर्चा भरा तो अंतिम दिन सपा ने इशरत जहां ने भी नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। इसके अलावा विभिन्न जिलों में पार्षद एवं सदस्य सीटों पर बंटवारे को लेकर कई जिलों में हंगामा हुआ है। शामली की कांधला नगर पालिका पर सपा ने नजमुल हसन को तथा रालोद से मिर्जा फैसल बेग को उतार दिया है।

पश्चिमी उप्र में सबसे ज्यादा हंगामा

दरअसल यह हंगामा पश्चिमी उप्र के जिलों में हो रहा है। रालोद का वजूद पश्चिमी उप्र में ज्यादा है। यही कारण है कि रालोद उम्मीदवार पश्चिमी उप्र की निकायों में अपने उम्मीदवार घोषित करने की बात कह रहे हैं। रालोद का मानना है कि यहां सपा को अपने उम्मीदवार घोषित नहीं करने चाहिए थे। हालांकि यही सपाई भी कह रहे हैं कि जहां रालोद का जोर है वहीं तो सपा भी लड़ेगी ताकि दोनों को लाभ हो सके। अहम यह है कि यदि यही स्थिति रही तो गठबंधन में आगे दरार आ सकती है। इसी गठबंधन के सहारे रालोद को विधानसभा चुनाव 2022 में पश्चिमी उप्र में आठ सीटें मिलीं थी जो बाद में उपचुनाव होने से नौ में बदल गई थीं।

मेरठ में द्वंद्व

मेरठ में सपा ने अपने विधायक अतुल प्रधान की पत्नी सीमा प्रधान को महापौर पद का प्रत्याशी घोषित कर दिया है पर रालोद ने भी अब यहां से अपना उम्मीदवार उतारने का एलान कर दिया है। रालोद के प्रदेश मीडिया संयोजक सुनील रोहटा के मुताबिक बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि मेरठ में भी रालोद उम्मीदवार उतारेगा। यहां की 42 सीटों पर पार्षद के उम्मीदवार भी उतारे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि कई सीटों सपा ने अपने उम्मीदवार गलत ढंग से उतारे हैं।

आम का टिकोला तोड़ने की ऐसी अप्राकृतिक सजा कभी न देखी, न सुनी; छह साल का बच्चा गंभीर

बेगूसराय, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। अप्राकृतिक कृत्यों की खबरें बीच-बीच में आती रहती हैं, लेकिन किसी को आम का टिकोला तोड़ने की ऐसी अप्राकृतिक सजा का मामला पहली बार सामने आया है। राज्य है बिहार, जिला है बेगूसराय और सजायाफ्ता है छह साल का लड़का। लहूलुहान हालत में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बेइंतहा दर्द से कराहते बच्चे ने परिवार वालों को अपने ऊपर हुए जुल्म की जो जानकारी दी, वह सामाजिक ढांचे पर जोरदार चोट है। घटना छौराही थाना क्षेत्र की है। इस मामले मे पुलिस ने भी संवेदनहीनता की सारे हदें पार करते हुए ना तो बच्चे के साथ कोई हमदर्दी दिखाई ना ही मामला दर्ज किया। इतना ही नहीं पुलिस पर आरोप है कि परिजनों को पूरी घटनाक्रम को बदल कर किसी डॉक्टर से इलाज कराने की सलाह दी।

5 दिन की रिमांड के बाद समर सिंह को भेजा जेल

वाराणसी, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे को खुदकुशी के लिए प्रेरित करने के मामले में आरोपित गायक समर सिंह को सोमवार की शाम पांच बजे के पूर्व कोर्ट में पेश करते हुए जेल भेज दिया गया। आरोपित समर की 13 अप्रैल की सुबह 10 बजे से 17 अप्रैल की शाम पांच बजे तक कस्टडी रिमांड मिली थी। इस दौरान उससे पूछताछ में आकांक्षा से संबंध, उससे नजदीकी, काम को लेकर रिश्ते आदि के बारे में ठोस जानकारी मिली। साथ ही समर सिंह का मोबाइल भी बरामद किया गया। बता दें कि आकांक्षा दुबे ने सारनाथ के होटल में 25 मार्च की रात खुदकुशी कर ली थी। इसके पहले वह इंस्टाग्राम पर लाइव भी हुई थी। मां मधु दुबे की तहरीर पर समर सिंह और संजय सिंह पर खुदकुशी के लिए उकसाने के आरोप में केस दर्ज है। कस्टडी रिमांड में पुलिस की पूछताछ में समर सिंह ने बताया कि बीते 25 मार्च को वह गोरखपुर में था। 26 मार्च की शाम मुंबई में उसका शो था। इसके लिए वह सुबह गोरखपुर से वाराणसी आया था। उसी दौरान उसे आकांक्षा की खुदकुशी की खबर मिली और इसके बाद वह मुंबई नहीं गया सड़क मार्ग से लखनऊ चला गया। इसके बाद वह सड़क मार्ग से ही गाजियाबाद चला गया। फिर, गाजियाबाद, दिल्ली, नोएडा और देहरादून में ठिकाने बदल-बदल कर रहता रहा। छह अप्रैल की आधी रात बाद पुलिस ने उसे गाजियाबाद से गिरफ्तार किया था। समर सिंह का मोबाइल लखनऊ के गोमती नगर विस्तार स्थित अपार्टमेंट के पार्किंग में खड़ी उसकी एक्सयूवी से पुलिस ने बरामद किया है।

एसबीआई की शाखा से 16 लाख की लूट

कैशियर और चौकीदार को बनाया बंधक लॉकर में रखा सोना भी ले गए अपराधी

जमुई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। संवाद सहयोगी। जमुई में बैंक लूट की बड़ी वारदात को बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े अंजाम दिया है। जिले के चकाई बाजार स्थित एसबीआई शाखा से हथियारबंद अपराधियों ने 12 लाख का गोल्ड सहित 16 लाख लूट लिए। बताया जाता है कि मंगलवार को बैंक खुलने के कुछ देर बाद ही दो बाइक पर सवार पांच की संख्या में आए अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया। अपराधियों ने पहले चौकीदार और फिर कैशियर को हथियार के बल पर अपने कब्जे में लिया।

इसके बाद लॉकर खुलवाया और उसमें रखे 12 लाख का गोल्ड सहित 16 लाख लूट लिए। घटना को अंजाम देने बाद सभी बाइक से गिरिडीह रोड की तरफ भाग निकले। घटना की जानकारी मिलने पर चकाई थानाध्यक्ष दलबल के साथ मौके पर पहुंच जांच में जुटे हैं। बैंक के साथ बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। बैंक के बाहर लोगों की भीड़ जुट गई है।

अतीक-अशरफ के वकील का दावा- 'मेरी जान को खतरा करा सकते हैं हत्या, चिट्ठी का खुलासा

प्रयागराज, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की गोली मारकर बीते शनिवार को हत्या कर दी गई थी। हत्याकांड के बाद ही तीनों आरोपियों को घटना स्थल से गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन अब अतीक और अशरफ के वकील विजय मिश्रा ने दावा किया है कि मेरी जान को खतरा है। अशरफ के वकील विजय मिश्रा ने एक इंटरव्यू में सवाल के दौरान बड़ा दावा किया है। इंटरव्यू के दौरान जब वकील से पूछा गया कि क्या आपको भी जान का खतरा है? इस सवाल का जवाब देते हुए वकील ने जो जवाब दिया वो चौंकाने वाला था। विजय मिश्रा ने कहा कि हां मेरी जान को निश्चित तौर पर खतरा है। जब वो घटना हुई तो मैं उस वक्त भी अतीक अहमद और अशरफ के निकट ही था। मैं उनके मुकदमों की पैरवी कर रहा हूं।

जानिए क्या कहा?

वकील विजय मिश्रा ने कहा कि अगर ये पुलिस कस्टडी में ही अतीक अहमद और अशरफ अहमद की हत्या करा सकते हैं तो मेरी भी जान के पीछे पड़ सकते हैं। अपने इस इंटरव्यू के दौरान वकील ने अशरफ से जुड़ी एक चिट्ठी का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि अशरफ चिट्ठी लिखी थी और कहा था कि अगर मेरी हत्या हो जाए तो ये चिट्ठियां सुप्रीम कोर्ट और इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भेज दी जाए। वकील द्वारा दिए गए बयान के अनुसार अशरफ हत्या की पहले से ही आशंका थी। विजय मिश्रा जब बरेली जेल में अशरफ से मिलने गए थे तो अशरफ ने उन्हें चिट्ठी के बारे में जानकारी दी थी। बेरली जेल में जब अशरफ से उनकी मुलाकात हुई तो अशरफ ने विजय मिश्रा को चिट्ठी के बार में बताया था। अशरफ ने कहा था कि मुझे एक अधिकारी ने मरवाने की धमकी दी थी। दिए गए इंटरव्यू में अशरफ के वकील विजय मिश्रा ने ये जानकारी दी है।

पटना में भीषण आग: कडी मशक्कत से बुझी आग काशिश

मकानों के टूटने का खतरा बढ़ा

पटना, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना सिटी के चौक थाना क्षेत्र में मंगल तालाब के पास रिफाइंड तेल और धागा के गोदाम में मंगलवार की अलसुबह से भीषण आग लगी है। गोदाम में रखा रिफाइंड ऑयल और सिंथेटिक धागा धू-धू कर जल रहा। छह घंटे से अधिक समय गुजर चुका है, लेकिन स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। आग पर काबू पाने के लिए हाइड्रोलिक क्रेन बुलाई गई है। आसपास के घरों में आग न फैले, इसके लिए ऊंचाई से पानी का बहाव किया जा रहा है। पूरे इलाके में धुआं भर गया है। घटनास्थल पर पहुंची अनुमंडल अधिकारी आईएएस गुंजन सिंह ने आसपास रहने वालों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि इस घटना में किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हालांकि, एहतियात के तौर पर हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। गुंजन सिंह ने कहा कि आग और पानी की वजह से आसपास के मकान की दीवारें गर्म हो गई है।

कभी भी टूट सकती है। जमावड़े की स्थिति बने रहने से दिक्कत होगी। इसलिए जमावड़ा न लगाएं। घुटन या किसी भी तरह की परेशानी महसूस होने पर खुले जगह जाने की सलाह दी है।घटनास्थल से मिली जानकारी के अनुसार, कई सालों पहले बंद हुई बिस्कुट फैक्ट्री में यह तेल गोदाम चल रहा था।रमेश कुमार सुरेश कुमार नाम की कंपनी के मालिक राजू नवरैया ने दो महीने पहले ही रिफाइन तेल की रीपैकेजिंग का काम शुरू किया था। दो दिन पहले ही 30 हजार लीटर रिफाइंड ऑयल टैंकर से गोदाम पहुंचा था।

राहुल गांधी से इस बड़े मुद्दे पर मिला समर्थन तो खुश हुई जेडीयू

ललन सिंह बोले- हम स्वागत करते हैं

पटना, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। जाति आधारित जनगणना का राहुल गांधी की ओर से समर्थन करने पर जेडीयू ने खुशी जाहिर की है। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड की ओर से मंगलवार को कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने जाति आधारित जनगणना का समर्थन किया है, जो सामाजिक न्याय की दिशा में एक सही कदम है। हम इसका स्वागत करते हैं।

लंबे समय से जेडीयू करती रही है मांग

पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि जनता दल (यूनाइटेड) और हमारे नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तरफ से इसकी मांग वर्षों से की जाती रही है। इस बार भी उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलकर अपनी मांग को दोहराया। इससे पहले जनता दल (यूनाइटेड) के 11 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल गृहमंत्री से मिलकर जातिगत जनगणना करवाने की मांग की थी, लेकिन वे नहीं माने।

राज्य सरकार करा रही है जातीय गणना

पार्टी की ओर से कहा गया है कि केंद्र सरकार की ओर से कोई आश्वासन नहीं मिलने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में जातीय गणना कराने का निर्णय लिया, जिसमें बीजेपी जान बुझ कर देर करती रही, लेकिन मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्णय के सामने बीजेपी को झुकना पड़ा और गणना हो रही है।

राष्ट्रीय स्तर पर की जातीय जनगणना की मांग

जेडीयू की ओर से कहा गया है कि प्रधानमंत्री ने बिहार की कई जनहितकारी योजनाओं को बाद में राष्ट्रीय योजनाओं में शामिल किया है। लिहाजा, जनहित और राष्ट्रहित में जातिगत जनगणना को भी स्वीकार कर पूरे देश में जाति आधारित जनगणना करवाना चाहिए, ताकि अति पिछड़े, दलित, पिछड़े और ऊंची जाति के लोगों को आजादी के अनुरूप सत्ता में भागीदारी और हिस्सेदारी मिलने का रास्ता साफ हो सके।

कर्नाटक में राहुल ने उठाया था मुद्दा

चुनावी राज्य कर्नाटक के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जाति जनगणना और ओबीसी के मुद्दे पर केंद्र सरकार को जमकर घेरा। राहुल ने कहा कि यूपीए की सरकार ने 2011 में जो जनगणना कराया था, उसमें पहली बार ये सवाल पूछा गया था था कि आप ओबीसी हैं या अनुसूचित जाति या आदिवासी यानी आपकी जाति क्या है? उन्होंने कहा कि पूरा का पूरा डेटा केंद्र सरकार के पास है। लेकिन ओबीसी के नाम पर वोट बटोरने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डेटा पब्लिक नहीं की। वे अभी तक इसे छुपा कर बैठे हुए हैं।

ओबीसी का वोट तो लिया, पर कुछ नहीं किया

राहुल गांधी ने केंद्र की बीजेपी सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा था कि अगर ओबीसी को उनका हक नहीं दिला सकते, तो कुर्सी से हट जाएं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि आपके बस की बात नहीं है, आप हटें तो हम करके दिखाते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने ओबीसी से वोट तो लिया, लेकिन पिछले 9 साल में इस वर्ग के लिए कुछ नहीं किया। राहुल ने कहा कि नरेंद्र मोदी ओबीसी से वोट तो ले लेते हैं, मगर ओबीसी को जब सशक्त करने की बात आती है, तो कुछ नहीं करते हैं। कांग्रेस नेता ने नरेंद्र मोदी को ललकारते हुए कहा कि ओबीसी की बात करते हैं, तो फिर कुछ काम भी कर के दिखाइए।

बंदूक का राज लोकतंत्र के लिए खतरा

अतीक ब्रदर्स की हत्या पर कन्हैया कुमार ने कहा

पटना, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की पुलिस कस्टडी में हत्या का मामला ठंडा नहीं हो रहा। अब इस पर कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। कॉन्फ्रेंस करते हुए कन्हैया कुमार ने कहा कि इस मामले पर गृह मंत्री अमित शाह से पूछना चाहिए, क्योंकि यह लॉ एंड ऑर्डर का मामला है और वे इस वक्त देश के गृह मंत्री हैं। इसके साथ ही कन्हैया कुमार ने कानून के राज को स्थापित करने और बंदूक के राज को लोकतंत्र के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने अमित शाह को याद दिलाया कि एक वक्त आप भी तड़ीपार थे लेकिन देश में कानून का राज था तो आप बरी हुए और चुनाव लड़कर देश के गृह मंत्री बन गए। कहा कि सोचिए, अगर उस वक्त भी गन का राज होता तो आज आप कहां होते? अमित शाह के बहाने कन्हैया कुमार ने 'ठोक दो' वाली मानसिकता पर हमला करते हुए याद दिलाया है कि अपके भी आलाकमान पर कभी गंभीर आरोप लगे थे। अगर उस वक्त भी 'ठोक दो' वाली सरकार होती तो सोचिए कि उनका क्या होता।

अगर उन आरोपों से बरी होकर आज देश के गृह मंत्री हैं और यह कानून और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के कारण ही संभव हो पाया। लिहाजा, देश को 'ठोक दो' वाली नीति को छोड़कर कानून के मुताबिक अपराधियों के साथ निपटना चाहिए। बता दें कि शनिवार (15 अप्रैल) रात लगभग 11 बजे अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद को प्रयागराज के अस्पताल परिसर में ही मेडिकल के लिए ले जाते वक्त तीन बदमाशों ने पुलिस और मीडिया की मौजूदगी में हत्या कर दी थी।

मुसलमानों का हितैषी साबित करने में बीएसपी ने ले ली सपा से लीड

लखनऊ, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नगर निगम चुनाव में पहले चरण के दस नगर निगमों में बसपा ने छह मुस्लिम प्रत्याशी उतारकर सपा से लीड ले ली है। सपा ने सिर्फ तीन मुस्लिम प्रत्याशी उतारे हैं। दो ब्राह्मण, एक क्षत्रिय को भी सपा ने टिकट दिया है। टिकट में हर समाज का प्रतिनिधित्व देखने में अच्छा माना जाता है, लेकिन मतों के ध्रुवीकरण में यह फॉर्मूला कई बार फेल होता हुआ दिखता है। इन सभी दस नगर निगमों में अभी बीजेपी के मेयर हैं।

पार्टी दोबारा इन सभी सीटों पर फिर से काबिज होना चाहेगी, क्योंकि केंद्र और राज्य में वह सत्ता में है। बीजेपी के पास जनता को अपनी ओर खींचने के ढेरों उदाहरण भी हैं। अगर पूरे राज्य की बात करें तो यूं भी पिछले चुनाव में 16 में से 14 नगर निगम में मेयर बीजेपी के ही थे। मेरठ और अलीगढ़ में बसपा के मेयर थे। इस चुनाव में यूपी में नगर निगमों की संख्या 17 हो गयी है। शाहजहांपुर को इस बार नगर निगम का दर्जा मिला है। यह शहर पहली बार अपना मेयर चुनेगा।बीजेपी सभी 17 सीटों को अपने खाते में दर्ज करना चाहती है। वह जाति-धर्म से आगे हटकर अपने मतदाताओं के बीच विकास के अनेक मॉडल लेकर जाएगी। मुस्लिम कैंडीडेट की संख्या बढ़ाकर बसपा कुछ और शहरों में मेयर की कुर्सी पाने की नीति पर काम कर रही है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का पिछले चुनाव में कोई मेयर नहीं था। इन दोनों दलों के सामने खाता खोलने की चुनौती है। बहुजन समाज पार्टी का प्रयास है कि वह अतीक-अशरफ की हत्या के बहाने चुनाव में सरकार और बीजेपी पर हमलावर रहे और खुद को समाजवादी पार्टी से ज्यादा और मुसलमानों का सच्चा दोस्त साबित कर दे। हाल के दिनों में बसपा सुप्रीमो बीजेपी-सपा पर बराबर हमलावर हैं।

अतीक-अशरफ की हत्या और अतीक के बेटे असद के एनकाउंटर के बाद बसपा सुप्रीमो का बयान यह बताने-जताने की कोशिश कर रहा था कि वे ही मुसलमानों की सच्ची हितैषी हैं। मायावती ने टिकट की घोषणा में 10 में से छह सीटें मुसलमानों को देकर हितैषी साबित भी किया है। इस मामले में सपा पीछे रह गई। हालांकि, सपा भी अल्पसंख्यक मतों को अपना मानती आई है। देखना रोचक होगा कि 13 मई की मतगणना के परिणाम क्या आएंगे?

ए भइया ओ भइया हेलमेट कहां है तुम्हारा? 1 किमी तक पुलिसवालों का पीछा करती रही मां-बेटी; वायरल हो रहा वीडियो

गाजियाबाद, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। एक तरफ पुलिस जहां जगह-जगह पर चेकिंग बूथ बनाकर लोगों के चालान कर रही है, वहीं पुलिसकर्मी यातायात नियमों को तोड़ रहे हैं। ऐसा ही एक वाकया रात कलेक्ट्रेट के सामने का आया है। लेपर्ड बाइक पर सवार दो पुलिसकर्मी बिना हेलमेट लगाए गश्त कर रहे हैं। उनके पीछे स्कूटी पर चल रही मां-बेटी ने उनका वीडियो बनाया और उनसे लगातार यातायात नियम तोड़ने के बारे में पूछा। इतना ही नहीं मां बेटी ने पुलिसकर्मियों से यहां तक कह दिया कि क्या यातायात नियम केवल आम लोगों के लिए हैं। बिना हेलमेट लगाए उन्हें शर्म नहीं आ रही है क्या? इस वीडियो को स्कूटी सवार युवती ने इंटरनेट मीडिया पर वायरल भी कर दिया। वीडियो में मां-बेटी ने करीब 1 किलोमीटर तक पुलिसकर्मियों का पीछा किया।

सहारनपुर में जीत के लिए क्या है बीजेपी की रणनीति

प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बताया प्लान

सहारनपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। नगर निकाय चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी पूरे दमखम से मैदान में है। प्रथम चरण का चुनाव 4 मई को है, जिसको लेकर नामांकन का आज अंतिम दिन था। सहारनपुर से डॉक्टर अजय सिंह को मेयर प्रत्याशी बनाया गया है। इसे लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित बेनीवाल, प्रदेश मंत्री डॉ चंद्रमोहन ने सहारनपुर में दिल्ली रोड स्थित एक होटल सभागार में जिले के सभी पदाधिकारियों और प्रत्याशियों के साथ मीटिंग कर जीत का मंत्र दिया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि 4 तारीख को जो चुनाव होना है, भारतीय जनता पार्टी ने सभी नगर निकायों में, नगर पालिका में, वार्डों में, नगर पंचायतों में अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। सहारनपुर में हमारे प्रत्याशी डॉक्टर अजय सिंह का आज नामांकन था। नामांकन के बाद आज चुनाव को लेकर रणनीति बनाई है।

भारतीय जनता पार्टी ने पिछले सालों में जो विकास के कार्य किए अपना वह रिपोर्ट कार्ड लेकर जनता के बीच में जाएंगे, हमें विश्वास है कि पिछली बार से अच्छे परिणाम बीजेपी के पक्ष में आएंगे। विपक्षी गठबंधन के सवाल पर भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि हमारे खिलाफ तत्कालिक गठबंधन लोग बनाते रहे हैं। आपने देखा होगा कि 2017 में भी दो युवा हमारे खिलाफ लड़े, 2019 लोकसभा में बुआ-बबुआ हमारे खिलाफ लड़े। उसके बाद 2022 में हमारे खिलाफ गठबंधन लड़े। उस गठबंधन की स्थिति आज क्या है। प्रदेश की जनता सब जानती है कि यह लोग सीजनल लोग हैं और चुनाव के समय ही भ्रमित करने के लिए गठबंधन बनाते हैं। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता से लेकर विधायक और सांसद तक सभी जनता के साथ खड़े हैं। 2 लोकसभा और दो विधानसभा चुनावों में बीजेपी को जनता ने भारी मतों से जिताने का काम किया है। प्रयागराज की घटना पर भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रयागराज की घटना का विषय संवेदनशील है और मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए ज्यूडिशियल कमिशन बनाया है।

प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस घटना के पीछे जो भी लोग हैं उनको चिन्हित करके कार्रवाई होगी। यह मुख्यमंत्री जी की दृढ़ इच्छा शक्ति है। एक ही वर्ग विशेष के माफियाओं को टारगेट किए जाने को लेकर सपा के आरोप पर भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हो या समाजवादी पार्टी हो इनके पास एक ही विषय है कि समाज के एक तबके को भयभीत कर इनके वोट लिए जाएं, और तो उनके पास कुछ बचा नहीं। बीजेपी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि आज प्रदेश और केंद्र सरकार की जितनी भी योजनाएं हैं कोई एक व्यक्ति कह दे कि निर्दोष को सताया गया है। हम प्रधानमंत्री के संकल्प सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

हमारी किसी योजना में कोई भेदभाव नहीं है। हम सबको साथ लेकर चल रहे हैं, लेकिन कुछ लोग समाज में भय का माहौल बनाके एक तबके को भयभीत करके वोट प्राप्त करते रहे। विपक्ष का यही एजेंडा है। समाज के विकास के लिए उनके पास कोई एजेंडा नहीं है। उत्तर प्रदेश की सरकार हो या देश की सरकार हो हमारी सरकारों ने योगी जी और मोदी जी के नेतृत्व में बिजली, पानी, सड़क, सुरक्षा, स्वास्थ्य सब पर बेहतरी के साथ काम किया है।

35 किलोमीटर सफर कर बाघों के बीच पहुंचा चीता

वन अधिकारियों में दिखा रोमांच

भोपाल, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कूनो बेशनल पार्क में कुछ ही दिनों पहले कई चीतों को छोड़ा गया था। इन सभी को अफ्रीका से भारत में लाया गया था। इन्हीं चीतों में से एक का नाम यहां ओबन रखा गया है। ओबन को कूनो नेशनल पार्क में घुमक्कड़ के नाम से भी जाना जाता है। ओबन ने एक और रोमांचक सफर शुरू कर दिया है। वह घूमते-घूमते माधव नेशनल पार्क पहुंच गया है। बता दें कूनो नेशनल पार्क से लेकर माधव नेशनल पार्क की दूरी 35 किलोमीटर है। जानकारी के लिए बता दें माधव नेशनल पार्क में बाघों का बसेरा है और हाल ही में यहां तीन बाघों को विचरण के लिए छोड़ा गया है।

वन अधिकारियों में दिखा रोमांच

ओबन के माधव नेशनल पार्क पहुंचने से वन अधिकारियों और टीम चीता प्रोजेक्ट के अधिकारियों में काफी रोमांच देखा जा रहा है। ये दोनों ही इन अलग अलग प्रजातियों के बीच संभावित संपर्क को लेकर रोमांच में हैं। सूत्रों की माने तो माधव नेशनल पार्क में ओबान के आने से कुछ अधिकारी इस चीते के लिए दूसरा घर समझ रहे हैं। बता दें ओबान ने लगभग 35 किलोमीटर की दूरी तय कर माधव नेशनल पार्क में कदम रखा है। इस पार्क में हाल ही में तीन बाघों को छोड़ा गया है। ओबान का यह सफर अनदेखा नहीं रहा है। उसके इस सफर ने काफी लोगों का ध्यान और उत्सुकता को अपनी ओर खींचा है। इस क्षेत्र में रहने वाले लोकल्स ओबन से एक सुरक्षित दूरी रख रहे हैं। लेकिन, इसके साथ ही ओबन की खूबसूरती को निहार भी रहे हैं।

खेतों और नदियों के लिए दिखा ओबन का लगाव

जंगल में सफर के दौरान ओबन के पानी से भरे खेतों और नदियों के प्रति लगाव को देखा गया। उसे घने जंगल भी काफी पसंद आये। वन अधिकारियों की माने तो पिछले 5 से 6 दिनों के दौरान उसे कई बार इन जगहों पर देखा गया। सफर के दौरान कई बार उसे नदी के किनारे ठंडी जगहों पर भी बैठा हुआ देखा गया। लेकिन, ओबन ने शनिवार की रात 10 किलोमीटर का सफर तय किया और दिन के समय 5 किलोमीटर का सफर तय किया। सफर करते-करते उसे नजदीकी गांव के पास देखा गया।

सुरक्षा का रहा गया है पूरा ध्यान

वन अधिकारीयों ने मामले पर नजर बनाये रखी है। वे इस बात का ध्यान रखना चाहते हैं कि, चीता और एरिया में रहने वाले दोनों को ही सुरक्षित रखा जा सके। ओबन को बेहोश करने पर भी विचार किया गया है लेकिन ऐसा तभी किया जाएगा जब वह किसी अन्य व्यक्ति और जानवर के लिए खतरा साबित होगा।

घर के आंगन में खेल रहे मासूम को उठाकर ले गया तेंदुआ

आनी(कुल्लू), 18 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले दलाश क्षेत्र में एक घर के आंगन में खेल रहे बच्चे को तेंदुआ उठाकर ले गया। मामला बीती रात का बताया जा रहा है। इसके बाद परिजन व ग्रामीण पूरी रात बच्चे को साथ लगते जंगल में खोजते रहे। सुबह बच्चे का क्षत-विक्षत शव जंगल से बरामद हुआ है। इस दर्दनाक घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार काथला गांव में बीती रात करीब

8:00 बजे बच्चा घर के आंगन में खेल रहा था। इसी दौरान तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया और बच्चे को उठाकर जंगल की ओर भाग गया। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

विधवा बहू की जिम्मेदारी सास-ससुर नहीं

हाई कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला, जानें पूरा मामला

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने फैसला सुनाया है कि एक बहू को अपने मरे हुए पति के माता-पिता को मैनटेनेंस के लिए भुगतान करने की जरूरत नहीं है। जस्टिस किशोर संत की सिंगल बेंच ने 12 अप्रैल को एक याचिका पर यह फैसला सुनाया है। दरअसल 30 वर्षीय महिला शोभा तिडके ने लातूर की एक निचली अदालत के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। निचली अदालत ने फैसले में कहा था कि महिला को रखरखाव के लिए अपने मरे हुए पति के माता-पिता को भुगतान करना होगा। कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर के सेक्सन 125 के अंतर्गत कोर्ट ने कहा कि सास और ससुर दिए गए सेक्शन में लिस्टेड नहीं है। बता दें कि शोभा के पति महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन में काम करते थे। बाद में उनकी मौत हो गई थी। जिसके बाद उनकी पत्नी शोभा ने सरकारी हॉस्पिटल जेजे हॉस्पिटल मुंबई में काम करना शुरू किया। 68 वर्षीय किशन राव टिडके और 60 वर्षीय कांताबाई तिड़के, शोभा के सास-ससुर हैं। इन दोनों ने दावा किया कि उनके पास कमाई का कोई और जरिया नहीं है। इसी वजह से उन्होंने अपने मैनटेनेंस के लिए पैसों की मांग की थी। वहीं महिला ने कोर्ट में दावा किया कि उनके सास-ससुर के पास गांव में जमीन और अपना एक घर है, और पति की मौत के बाद उन्हें ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट से 1.88 लाख रुपये भी दिए गए थे। इस दलील के बाद कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि जो जॉब शोभा कर रही हैं वह अनुकम्पा के जरिए नहीं दी गई है।

कोर्ट ने इस दौरान यह भी दोहराया कि मृतक के माता-पिता के पास गांव में घर और जमीन भी है, और उन्हें उनके बेटे की मौत के बाद ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट से भी मुआवजा मिला है।कोर्ट ने इन सभी दलीलों को मानते हुए कहा कि माता-पिता के पास कोई ठोस ग्राउंड नहीं है कि वह महिला से मैंनटेनेंस की डिमांड करें।

सड़क पार कर रहे शख्स को बस ने मारी टक्कर, हुई मौत

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के आरके पुरम इलाके में बस की चपेट में आने से 30 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक सड़क पार कर रहा था जब उसे डीटीसी बस ने टक्कर मार दी। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को सुबह करीब आठ बजे हादसे की जानकारी मिली, जिसके बाद मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र सीमा से लगे गांवों में भेड़िए ने किया हमला, अंधेरे में सोते हुए नौ लोग घायल

खरगोन, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। खरगोन जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र से लगे हुए तीन गांवों में भेड़िए ने कई लोगों को काटकर घायल कर दिया, जिन गांवों में भेड़िया ने हमला किया, वे सभी गांव महाराष्ट्र राज्य की सीमावर्ती क्षेत्र से लगे हुए हैं। फिलहाल, नौ घायल ग्रामीणों को खरगोन जिला अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया है।

जानकारी मिली है कि इन्हीं के साथ ही करीब एक दर्जन घायलों को महाराष्ट्र राज्य के जलगांव में भी उपचार के लिए ग्रामीण लेकर गए हुए हैं। घायलों के अनुसार, घर के बाहर सो रहे ग्रामीणों को भेड़िए ने निशाना बनाया। भेड़िए के हमले में घायल जिला अस्पताल खरगोन में भर्ती सभी नौ मरीजों की स्थिति फ़िलहाल सामान्य है।

भाजपा को कार्यकर्ताओं पर प्रताड़ना का जवाब देने कांग्रेस ने बनाई रणनीति, हर जिले में दो-दो वकील तैनात

भोपाल, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की अध्यक्षता में कांग्रेस प्रशासनिक अत्याचार निवारण समिति की बैठक हुई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हो रहे अन्याय और अत्याचार के निराकरण के लिए बैठक में चर्चा हुई। बैठक के बाद दिग्विजय सिंह ने कहा कि कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित करने के केस कांग्रेस पार्टी लड़ेगी। सभी केस फ्री में लड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि तहसील कोर्ट से लेकर हाई कोर्ट तक तक पार्टी लड़ाई लड़ेंगी। इसके लिए हर जिले में दो-दो वकील की नियुक्ति की गई है। उनके नंबर सार्वजनिक किए जाएंगे। इसकी मॉनीटरिंग पूर्व एडवोकेट

जनरल शंशाक शेखर करेंगे। यदि प्रदेश में कही भी कांग्रेस कार्यकर्ता के खिलाफ कोई झूठा मामला बनाया जाता है तो उस पर तुरंत कार्रवाई शुरू की जाएगी। इसके लिए एक कंट्रोल रूम भी बनाया जाएगा, जो 24 घंटे काम करेगा।

अधिकारियों को भी कोर्ट में खड़ा करेंगे

पूर्व सीएम ने कहा कि सागर जिले का दौरा करके आया हूं। वहां पर छोटे-छोटे केस में कार्यकर्ताओं को सताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब कोई केस नहीं होता है तब भी 151 की कार्रवाई की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 9 कांग्रेसियों पर जबरन के केस लादे गए है। कांग्रेस के लोगों पर जिला बदर के केस लगाए गए हैं। दिग्गी ने कहा कि अधिकारी ऊपर से दबाव होने की बात कहते हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि गैर कानूनी ढंग से कार्रवाई करने वाले अधिकारियों को कांग्रेस कोर्ट में खड़ा करेगी। झूठे केस के प्रमाण के लिए पार्टी काम कर रही है। आरटीआई एक्टिविस्ट को भी तैयार किया जा रहा है।

परिवर्तन संकल्प अभियान शुरू होगा

पूर्व सीएम ने कहा कि परिवर्तन संकल्प अभियान शुरू होने जा रहा है। दतिया, सुरखी, बदनावर में कमलनाथ की सभाओं का आयोजन किया जाएगा। कांग्रेस के सभी 40 प्रकोष्ठों को निचले स्तर पर ले जाने का काम जारी है। दिग्विजय सिंह ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने वोस्टर लिस्ट में फर्जीवाड़ा किया है। सागर के एक बूथ पर 150 नाम उत्तर प्रदेश के वोटर के जोड़े गए थे। इस पर भी पार्टी काम कर रही है।

बहू ने प्रेमी के साथ मिलकर ससुर की लाठी डंडे से पीट-पीटकर हत्या की

अवैध संबंध की बात पर हुआ विवाद

शहडोल, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। शहडोल के अमलाई थाना क्षेत्र में रात एक वृद्ध की हत्या कर दी गई। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों पर हत्या का मामला दर्ज किया है। आरोपी का मृतक की बहू से अवैध संबंध था, जिसको लेकर झगड़ा हुआ था। जिसके बाद आरोपी ने अपने पिता और मृतक की बहू के साथ मिल कर वृद्ध की हत्या कर दी। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया है कि 65 वर्षीय वृद्ध की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। अवैध संबंध को लेकर झगड़ा हुआ था, मृतक की बहू का आरोपी से अवैध संबंध था, जिसको लेकर झगड़ा हुआ था। इस झगड़े में 65 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस ने तीन आरोपियों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया है कि अमलाई थाना क्षेत्र में एक 65 वर्षीय वृद्ध की बहू से आरोपी संदीप गुप्ता का अवैध संबंध था, जिसको लेकर मृतक के पुत्र से संदीप गुप्ता एवं उसका पिता सूरज गुप्ता एवं मृतक की बहू ने मिलकर मृतक के बेटे से विवाद कर रहे थे, उसी दौरान वृद्ध पिता वहां पहुंचा और बीच बचाओ करने लगा। उसी दौरान 65 वर्षीय वृद्ध को तीनों आरोपियों ने मिलकर लाठी-डंडों से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने मामले पर मृतक की बहू सहित संदीप एवं उसके पिता सूरज गुप्ता पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जाकिर का वीडियो देखता था शाहरुख

अबतक के जांच में हुए खुलासे; कहीं आतंकी घटना तो नहीं

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल पुलिस ने ट्रेन के डिब्बे को आग के हवाले करने वाले आरोपी शाहरुख सैफी पर यूएपीए के तहत कार्रवाई करने का फैसला किया है। हाल ही में यह मामला केरल पुलिस की एसआईटी को सौंपा गया था। जिसके बाद एसआईटी मामले के मुख्य आरोपी शाहरुख सैफी को 12 अप्रैल को केरल के कन्नूर ले गई थी ताकि मामले में सबूत इकट्ठा कर सके। इस दौरान एसआईटी ने अलाप्पुझा-कन्नूर एक्जीक्यूटिव एक्सप्रेस के उन डिब्बों के उन डिब्बों में छानबीन की जिनमें आग लगी थी। आगजनी में हुई थी तीन लोगों की मौत यह घटना 2 अप्रैल की है जब कथित तौर पर शाहरुख सैफी ने अलाप्पुझा-कन्नूर एक्जीक्यूटिव एक्सप्रेस के दो डिब्बों को उस वक्त आग के हवाले कर दिया जब वह कोझिकोड में इलाथुर के पास कोरापुझा पुल पहुंची। इस दौरान तीन लोगों की मौत हो गई जिसमें एक 2 साल का बच्चा भी शामिल है। वहीं 9 लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है।

जाकिर नाइक के कट्टरपंथी वीडियो देखता था सैफी

एडीजीपी (कानून व्यवस्था) और एसआईटी के प्रमुख एमआर अजीत कुमार ने खुलासा किया कि केरल के कोझिकोड ट्रेन में आग लगाने वाला आरोपी शाहरुख सैफी 'बहुत बड़ा कट्टरपंथी' व्यक्ति है। वह विवादित इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक का फॉलोवर भी है। वह ट्रेन में आग लगाने की पहले से ही योजना बना कर आया था। यह खुलासा घटना की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने सोमवार को किया है। एडीजीपी (कानून व्यवस्था) और एसआईटी के प्रमुख एमआर अजीत कुमार ने खुलासा किया किआरोपी शाहरुख सैफी जाकिर नाइक के कट्टरपंथी वीडियो देखता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कई सबूत इक्ट्ठा किए हैं। जांच दल ने यूएपीए की धारा 16 लागू की है जो आतंकवादी कृत्यों के लिए सजा से संबंधित है। कुमार ने कहा कि हमने अपराध से जुड़े सभी सबूत जुटाए हैं। उसने जाकीर नाइक और अन्य के कट्टरपंथी वीडियो देखे।

यह है पूरा मामला

बीती दो अप्रैल की रात अलप्पुझा-कन्नूर एक्सप्रेस में शाहरुख सैफी ने यात्रियों पर पेट्रोल डालकर उन्हें आग के हवाले कर दिया था। इसमें नौ लोग झुलस गए थे, जिनमें से चार की मौत हो गई थी। एक महिला, शिशु और एक पुरुष का शव एलाथुर रेलवे स्टेशन के पास पटरियों से बरामद हुआ था। पुलिस का मानना है कि ट्रेन में आग लगने के बाद इन लोगों ने खुद को बचाने के लिए ट्रेन से छलांग लगाई होगी, जो उनकी मौत का कारण बनी। मामले की जांच के लिए केरल पुलिस ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है। पुलिस ने महाराष्ट्र के रत्नागिरी से आरोपी शाहरुख सैफी को गिरफ्तार किया था।

घटना के बाद फरार हो गया था शाहरुख

इस घटना के बाद से ही शाहरुख फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक, शाहरुख के पिता ने 31 मार्च को दिल्ली के शाहीन बाग पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। केरल पुलिस ने दिल्ली पुलिस से संपर्क कर शाहीन बांग पहुंचकर जांच-पड़ताल की।

सैफी ने कबूल किया था अपना गुनाह

आरोपी शाहरुख सैफी को हिरासत में लिए जाने के बाद 12 अप्रैल को लाप्पुझा-कन्नूर एक्जीक्यूटिव एक्सप्रेस ट्रेन के दो कोचों से सबूत इकट्ठा करने के लिए कन्नूर लाया गया था। सैफी की पुलिस हिरासत 18 अप्रैल को खत्म हो रही है। कोझीकोड प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सैफी को पुलिस को 11 दिन की हिरासत में रखने का आदेश दिया था।

7 दिन एनआईए की रिमांड पर रहेगा लॉरेंस बिश्नोई, पटियाला कोर्ट का फैसला

पटियाला, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। सिद्धू मूसेवाला की हत्या मामले के मुख्य आरोपी लॉरेंस बिश्नोई को सात दिन की रिमांड में भेजा गया है। एनआईए ने कोर्ट से रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने एनआईए की मांग पर लॉरेंस बिश्नोई को सात दिन की रिमांड पर भेज दिया है। पटिलाया हाउस कोर्ट ने कहा कि रिमांड के बाद जांच एजेंसी को सबूत के साथ पेश होना पडेग़ा। लॉरेंस बिश्नोई को मंगलवार को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया था जिसके बाद कोर्ट ने उसे 7 दिन की रिमांड में भेज दिया। लॉरेंस बिश्नोई को राजस्थान के एक मामले में पेश किया गया था। वहीं लॉरेंस बिश्नोई के कोर्ट में पेश होने से पहले उनसे अतीक अहमद हत्याकांड को लेकर भी सवाल किया गया। लॉरेंस विश्नोई से सवाल किया गया कि क्या आपने अतीक के हमलावरों को पिस्टल दी? आपका नाम भी आ रहा है। हालांकि उन्होंने किसी भी सवाल का जवाब का नहीं दिया। बता दें, लॉरेंस बिश्नोई के खिलाफ 36 मामले दर्ज हैं जिनमें 9 में उसे बरी कर दिया गया है और 21 मामलों की जांच अभी जारी है। ये मामले पंजाब के अलावा हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान और दिल्ली के भी हैं। लॉरेंस बिश्नोई बठिंडा जेल में बंद हैं और जेल के अंदर से भी लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में जेल के अंदर से ही लॉरेंस बिश्नोई ने बॉलीवुड स्टार सलमान खान को खुली धमकी थी और कहा था कि जिस दिन वो सलमान खान को मारेंगे, असली गुंडे उसी दिन बनेंगे। इसके बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने शिवसेना नेता संजय राउत को भी जान से मारने की धमकी दी थी।

कर्नाटक में मुस्लिम कोटा रद्द किए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई टाली

बेंगलूरू, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक में मुसलमानों के लिए 4% ओबीसी कोटा खत्म करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई 25 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी है। कर्नाटक सरकार ने शीर्ष अदालत से स्थगन की मांग की और सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया कि सुनवाई की अगली तारीख तक मुसलमानों के लिए 4% आरक्षण को रद्द करने के आदेश पर कोई अमल नहीं किया जाएगा।

इसके पहले 13 अप्रैल को मामले की सुनवाई हुई थी जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को भ्रामक आधार पर लिया बताते हुए राज्य सरकार को फटकार लगाई थी। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से जवाब दाखिल करने को कहा था। बेल्लारी के एक मुस्लिम शख्स ने राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। अदालत ने पिछली सुनवाई में कहा था कि राज्य में मुस्लिम लंबे समय से इस आरक्षण का लाभ उठा रहे थे और कोटा खत्म करने का आदेश गलत धारणाओं पर आधारित था। राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कोर्ट ने कहा था कि आपके फैसले की बुनियाद 'त्रुटिपूर्ण और अस्थिर' है।

कोर्ट ने बताया जल्दबाजी

पीठ ने राज्य की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, हम सिर्फ यह कह रहे हैं कि प्रथम दृष्टया, आपने जो आदेश पारित किया है, उससे लगता है कि आपकी निर्णय लेने की प्रक्रिया की नींव कमजोर और त्रुटिपूर्ण है। न्यायमूर्ति नागरत्न ने मेहता से पूछा, एक अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर कोटा को समाप्त करने की इतनी जल्दी क्या थी। राज्य सरकार अंतिम रिपोर्ट का इंतजार कर सकती थी।

हिसार निजी स्कूल की बस पलटी बच्चों को आई चोटें

हिसार (हरियाणा), 18 अप्रैल (एजेंसियां)। हिसार के उकलाना में मंगलवार को सुबह एक निजी स्कूल की एक बस बरवाला से स्कूल के बच्चों को लेकर आ रही थी तो जैसे वह गांव कल्लरभैणी से बच्चे लेकर चली तो आगे एक कट पर मुड़ने लगी तो हिसार की तरफ से आ रहे ट्रक ने बस को टक्कर मार दी जिससे बस बीच सडक़ में पलट गई। बस पलटते ही चीख पुकार मच गई और राहगीरों में अफरा तफरी मच गई। बस में करीब 40 बच्चे और स्कूल का स्टाफ सदस्य भी थे। जिन्हें बड़ी तेजी से बाहर निकाला गया। घटना का पता चलते हुए पुलिस भी घटनास्थल पर पंहुच गई थी। सभी घायल बच्चों को उकलाना के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया जहां पर उनका प्राथमिक करवाकर चिकित्सक ने छुट्टी दे दी। मामले का पता चलते हुए अभिभावक अस्पताल पंहुचे और अपने बच्चों का हालचाल जाना। बता दें कि मौके से ड्राइवर भाग गया और वहा प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ड्राइवर कान में ईयर फोन लगाए हुआ था जिसकी वजह से ट्रक का हार्न सुनाई नहीं दिया। स्कूल संचालक ने बताया कि इस मामले में बस ड्राइवर की गलती मिलती है तो उसके विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने बस को क्रे्न की सहायता से सडक़ के बीच से हटवाया। वही ट्रक ड्राइवर मनजीत सिंह ने बताया कि वह हिसार से चंडीगढ़ जा रहा था इसी दौरान प्रभुवाला गांव के पास हाईवे बने कट से अचानक स्कूल बस आ गई, उसने काफी हार्न बजाए, लेकिन बस ड्राइवर बस को क्रास करने लगा और हादसा हो गया। घायल हुए बच्चें कक्षा यूके जी से तन्वी, कक्षा दूसरी से अक्षय बरवाला से, अमित गैबीपुर से, कनिका व दृष्टि आठवीं कक्षा से, पीयूष चौथी कक्षा बरवाला से, शिविका तीसरी कक्षा से बरवाला, रक्षा सहित शिक्षक अनिल, गौरव और शिक्षका सुमन को चोटें आई।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन की चपेट में आई मिनी बस

दो की मौत, 10 लोग घायल

ग्रेटर नोएडा, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा में ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस वे पर मिनी बस व अज्ञात वाहन की टक्कर होने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि 10 लोग हुए गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती। दो शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जानकारी के मुताबिक, दादरी क्षेत्र के पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन से मिनी बस की टक्कर होने पर एक बच्चा समेत दो लोगों को मौत हो गई और 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को ग्रेटर नोएडा के जीम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि राजस्थान निवासी बस चालक उमेद बस में सवार प्रकाश चौबे, रानी चौबे, रविंद्र कुमार, हर्ष पांडे, रजनी नेहवाल आदि को उत्तराखंड के जनपद रामनगर के कैची धाम नीम करोली से बस में बैठा कर वापस राजस्थान के लिए जा रहे थे। जब बस चालक कोतवाली दादरी क्षेत्र के पेरीफेरल एक्सप्रेस व पर मायचा गांव के पास पहुंचा तो अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। जिसमें आठ वर्षीय अवध, देवेंद्र चौधरी 31 की मौत हो गई। अन्य 10 लोग घायल हो गए।

कमलनाथ बोले- महिला अत्याचार में मध्य प्रदेश अव्वल, अब चुनाव से पांच महीने पहले आई बहनों की याद

भोपाल/देवास, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने मंगलवार को कर्मचारियों को धमकी भरे अंदाज में कहा है कि संवैधानिक मूल्यों का पालन करें। आप सबको पता है कि प्रदेश में छह महीने बाद कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है, किसी भी अनैतिक कृत्य के लिए उत्तरदायी रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कहा कि पिछले 18 साल महिला अत्याचार एवं बलात्कार के मामले में प्रदेश निरंतर देश में नम्बर एक स्थान पर रहा है। 18 साल में भाजपा सरकार को महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की याद नहीं आई। 18 साल तक जब लाड़ली बहनों की लाज छीनी जा रही थी, तब शिवराज जी को माताओं-बहनों की याद क्यों नहीं आ रही थी? पर अब चुनाव सामने दिखने लगे हैं तो चुनाव के पांच महीने पहले लाड़ली बहनों की याद आ रही है। कमलनाथ ने कहा कि प्रदेश की आम जनता और बहन बेटियां शिवराज जी की नाटक-नौटंकी अच्छे से समझती हैं और गुमराह नहीं होगी। माताएं-बहनें जानती हैं कि ये शिवराज जी की इवेंटबाजी है जो वे पिछले 15-20 सालों से देखती आ रही हैं। योजना की घोषणा होने के बाद से अब तक कई इवेंट हो गए। करोड़ों रुपये इवेंटबाजी में खर्च कर दिए गए पर आज तक एक रुपया किसी बहन-बेटी को नहीं मिला है। भाजपा सरकार अपनी पार्टी के प्रचार के लिए अपने आयोजनों को सरकारी जामा पहनाकर इवेंटबाजी करने का खर्चा करदाताओं की जेब से काट रही है। आज करोड़ों रुपये की राशि जो कर के रूप में आम जनता से वसूली जाती है, उसका दुरुपयोग भाजपाई इवेंट में किया जा रहा है। कमलनाथ ने कहा कि इन आयोजनों में भीड़ जुटाने के लिए शासकीय मशीनरी का भरपूर दुरुपयोग हो रहा है। सरकारी कर्मचारी अपना संवैधानिक कार्य छोड़कर भाजपाई इवेंट कार्यक्रम के लिए भीड़ जुटाने में लगे हुए हैं। क्या इन्हीं संवैधानिक मूल्यों के आधार पर शासकीय कर्मचारियों ने अपनी सेवा ग्रहण की थी? इसी प्रकार योजना के रजिस्ट्रेशन की कार्यवाही में भी शासकीय कर्मचारियों का भरपूर दुरुपयोग किया जा रहा है। योजना के मापदंडों पर आंख मूंदकर कार्यवाही की जा रही है। इस हेतु अनाधिकृत दबाव कर्मचारियों पर डाला जा रहा है और एजेंट की तरह काम करने के लिए विवश किया जा रहा है। कमलनाथ ने खातेगांव में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि मैं शपथ ग्रहण के लिए सूट नहीं सिलवाता मुख्यमंत्री बनना मेरा लक्ष्य नहीं मेरा लक्ष्य है मध्यप्रदेश की सेवा करना और मध्यप्रदेश के भविष्य को सुरक्षित रखना है। उन्होंने यह भी कहा कि शिवराज जी न केवल घोषणा की मशीन है बल्कि वे झूठ बोलने की भी मशीन है। आज जनता को अपने 18 वर्षों का हिसाब नहीं दे पा रहे। विकास यात्रा निकाली गई। उसका 160 से अधिक जगहों पर विरोध हुआ। पहले कहते थे किसानों का कर्जा माफ नहीं हुआ फिर स्वयं विधानसभा में स्वीकार किया कि 27 लाख किसानों का कर्जा प्रदेश में माफ हुआ है।

पहले कहते थे कि हमने संबल बंद की थी। फिर विधानसभा में स्वीकार किया कि कांग्रेस सरकार में संबल योजना बंद नहीं हुई थी। कमलनाथ ने कहा कि शिवराज जी 15 महीनों का हिसाब जोर-शोर से मांगते हैं। लेकिन 215 महीनों का हिसाब जनता को नहीं देते। इन 215 महीनों में इन्होंने 215 घोटाले किए हैं। आज मात्र स्कूलों के पेपर ही लीक नहीं हो रहे स्कूलों की छतें भी लीक हो रही हैं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 19 अप्रैल- 2023

जहरीली शराब से मौतें

बिहार में शराब पर प्रतिबंध लगे कई वर्ष बीतने के बाद भी उसे बनाने व बेचने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। नतीजतन दो-चार महीने बाद बिहार के किसी इलाके में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौतों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इस तरह की दुखद घटना से सबक लेकर उसके रोकने के ऐसे उपाय किए जाएं कि दोबारा वैसी घटना न घटे। लेकिन ऐसा लगता है कि बिहार प्रशासन व सरकार को इस तरह की जानलेवा घटनाओं से कोई फर्क नहीं पड़ रह है। यही वजह है कि पाबंदी के बावजूद बार-बार जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत हो रही है और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा है। बता दें कि बिहार के मोतिहारी में हाल ही में शराब पीने के बाद छब्बीस लोगों की जान जाने की खबर है। अफसोसजनक बात तो यह है कि बिहार सरकार शराब पर सख्त पाबंदी को अपनी बड़ी उपलब्धि मानने की सनक से अभिभूत है। मगर समय-समय पर लगभग हर जगह अवैध रूप से शराब मिलने की खबरों को लेकर जब सवाल उठाए गए और पाबंदी की व्यावहारिकता को कठघरे में खड़ा किया गया, तब भी सरकार ने इस मामले में नरमी बरतने के कोई संकेत नहीं दिए। ऐसे में सवाल लाजमी है कि अगर सरकार शराब पर प्रतिबंध को लेकर अपने अडियल रुख पर कायम है तो उसे जमीन पर उतारने में नाकाम क्यों दिखाई दे रही है! कुछ महीने पहले बिहार के ही छपरा जिले में जहरीली शराब पीने से हुई मौतों की पिछली घटना के बाद राज्य में काफी तीखी प्रतिक्रिया उभरी थी और विपक्षी दलों ने सवाल उठाए थे। तब मुख्यमंत्री ने जो कहा था, उसे भी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा माना गया था। जबकि पाबंदी के बावजूद अगर कहीं किसी रूप में सामान्य या जहरीली शराब मिल रही है तो यह राज्य के प्रशासनिक तंत्र की विफलता का ही सूचक माना जाए गा। अगर सरकारी तंत्र की लापरवाही की वजह से जहरीली शराब के कारोबारी अपना धंधा पसार रहे हैं तो सरकार को इसकी भी जिम्मेदारी लेनी ही होगी। शायद इसी तरह के सवालों से उपजे दबाव का नतीजा है कि इस बार अपना रुख बदलते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अहम घोषणा की है कि मोतिहारी के अलावा पहले की घटनाओं में हुई मौतों के मामले में भी पीड़ितों के परिवारों को चार-चार लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। हालांकि इससे पीडित परिवारों को गुजारे के लिए काफी राहत मिल जाएगी लेकिन इसके लिए भी उन परिवारों को सरकारी दफ्तरों में काफी पापड बेलने पडेंगे। सरकार ने इसके जो शर्तें लगाई हैं उसके अनुसार मृतक के परिजनों को लिखित देना होगा कि मौत शराब पीने से हुई है, शराबबंदी अच्छी चीज है और भविष्य में परिवार का कोई भी शख्स शराब का सेवन नहीं करेगा। बता दें कि बिहार में पिछले कई साल से शराबबंदी लागू है और इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ राज्य की पुलिस की ओर से बेहद सख्ती बरतने की खबरें भी आती रही हैं। शराब की अवैध बिक्री के आरोप में बहुत सारे लोगों को जिस तरह कानून के कठघरे में खड़ा किया गया, उस पर विपक्षी दलों ने सवाल उठाए हैं। जमीनी हकीकत यह है कि राज्य में पाबंदी के बावजूद शराब की होम डिलवरी जारी है। इससे इसे हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं रह गया है। ऐसे आरोप भी सामने आए कि कई स्तर पर मिलीभगत के बूते आज भी शराब के अवैध कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है। पडोसी प्रदेशों से भी अवैध रूप से शराब की तस्करी हो रही है। इसी बीच कई बार जहरीली शराब भी बेच दी जाती है और उसका शिकार आमतौर पर वैसे गरीब लोग होते हैं, जो जागरूक नहीं होते हैं। आखिर इसकी मुख्य वजह शराबबंदी के नियम को ईमानदारी से लागू करने में राज्य के संबंधित महकमों की लापरवाही ही है। यह बेवजह नहीं है कि प्रतिबंध के बावजूद हर कुछ समय बाद राज्य के किसी इलाके में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत की खबरें अक्सर आती रहती हैं। अगर बिहार सरकार इतनी मौतों के बाद भी इसे गंभीर समस्या नहीं मानती है तो फिर तो पियक्कडों का भगवान ही मालिक है। बिहार सरकार को चाहिए कि समय रहते वह शराब पर पाबंदी का न सिर्फ प्रचार-प्रसार करे बल्कि इस पर सख्ती से अमल भी करे।

कागज है कागज का क्या

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सिग्नल पर सिर्फ बत्तियों के रंग नहीं बदलते, वहाँ आती-जाती गाड़ियों और उनके चालकों के भी रंग बदलते हैं। पक्की और चमचमाती सड़कों की बांहों में लोटने वाली फेरारी, ऑडी, बीएमडब्ल्यू कारों के साथ-साथ भीख मांगने वाले हाथ विकास के बदन पर किसी फोड़े-फुंसी से कम नहीं लगते। यहाँ पर देश का विकास महंगी कारों की ओर निहारता है तो पिछड़ापन भिखारियों के कटोरे में चिल्लर बनकर खनकता है। सच कहें तो अमावस और पूर्णिमा एक साथ देखने का अहसास केवल हमारे देश में ही हो सकता है।

ऐसे ही किसी दिन मेरी गाड़ी सिग्नल पर खड़ी थी। चौराहा इतना भीड़-भाड़ वाला था कि 180 सेकेंड तक वहाँ रुकना था। गाड़ियों का हुजूम देश की बढ़ती जनसंख्या का समर्थन कर रहा था। पदचालक गाड़ियों और गाड़ियाँ पदचालकों की जगह खा रहे थे। जिब्रा क्रॉसिंग तो जिब्राओं के लिए होता है। जब देश में जिब्रा है ही नहीं तो इनके बनाने का क्या मतलब? यह तो सरासर लोगों को बेवकूफ बनाना नहीं तो और क्या है?

क्रॉसिंग बनाने का इतना ही शौक है तो कोई गधा क्रॉसिंग बनाते। मैं अब तक समझता था कि व्यापार केवल दुकानों, शॉपिंग मॉलों, रेहड़ पट्टी पर ही हो सकता है। किंतु सिग्नल वाले चौराहे को देखने पर समझ आया कि यह मेरी गलतफहमी है। यहाँ जितना व्यापार होता है उतना ही शायद कहीं ओर होता होगा। कलम, अगरबत्ती, खिलौने, खाने-पीने की चीज़ें, सीजनल वस्तुएँ जैसे पतंग, पिचकारी, झंडे, दिवाली की लाइटें सभी कुछ तो यहाँ बिकता है। ऐसे ही बेचने वालों में एक छह-सात का लड़का मेरे पास आया और कलमें बेचने लगा।

मैंने उससे पूछा कि यह तुम क्या कर रहे हो? स्कूल क्यों नहीं जाते? मेरे सवालों की झड़ी के बीच में अचानक से कहीं उसकी माँ आकर कूद पड़ी। बोली – 'खरीदना है तो खरीदो सहब! बेकार की बातें मत करो!' मैं कुछ कहने ही वाला था कि वह मुझे भांप गयी।

वह दूसरी पर छोर पर गाड़ी साफ करने वाले युवक की ओर संकेत करते हुए कहने लगी – 'पढ़-लिखकर आज के जमाने में लोग कितना कमाते हैं, उससे जाकर पूछो। डिग्री पढ़ा है। लेकिन क्या फायदा? डिग्री से इज्जत बढ़ती होगी, भूख नहीं मिटती।

भूख लगने पर खाना खाते हैं, डिग्री के टुकड़े तो नहीं। जो काम आए उसे डिग्री कहते हैं नकारे को कागज़ का टुकड़ा नहीं तो और क्या कहेंगे।

इसलिए अपना रास्ता नापो बेकार का ज्ञान मत झाड़ो साहब!' इतना कहते हुए वह अपने लड़के को लेकर इतनी तेजी से मुड़ी कि लड़के के हाथ से दो कलमें गिर गयी। उधर दूसरी ओर बत्ती बदल गयी।

खारिज कांग्रेस से गठजोड़ करने को बेकरार नीतीश

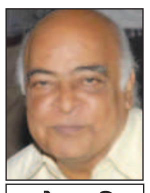

अशोक भाटिया

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता के केंद्रबिंदु बनने हेतु प्रयासरत हैं। विपक्ष से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार होने की चाहत में उन्होंने सात महीने पहले एनडीए का साथ छोड़ा था। तब से लगातार प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस को रिझाने में लगे हैं। उनके लिहाज से लोकसभा की सदस्यता और सरकारी कोठी तक गंवा बैठे राहुल गांधी से हाल ही में हुई मुलाकात महत्वपूर्ण है। असल में नीतीश कुमार 2009 से ही प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार होने की जुगत में लगे हैं जब लोकसभा चुनाव में लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में एनडीए को हार मिली थी। यह बात दीगर है कि तब वो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से आस लगाए बैठे थे। इसके लिए वह आज भी उम्र की वजह से राजनीति से रिटायर हो चुके आडवाणी जी से अपने मधुर रिश्ते की दुहाई देते रहते हैं। भाजपा ने बेजोड़ जीत के लिए 2013 में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाकर नीतीश की उम्मीद पर पहला कुठाराघात किया था। इससे निराश होकर उन्होंने एनडीए का दामन छोड़ धुरविरोधी लालू प्रसाद को गले लगाया और लोहिया जैसे बड़े समाजवादी नेताओं की भावना के विपरीत कांग्रेस के साथ गठबंधन कबूल कर लिया। अब तो राजनीतिक पंडित भी नहीं सनझ पा रहे कि न जाने कौनसी मजबूरी है जो नीतीशकुमार कांग्रेस से हाथ मिलाने को बेक़रार है । अगर नीतीश में नैतिकता का लोप नहीं हुआ होता तो वे साथी के तौर पर जनता द्वारा खारिज की जा चुकी कांग्रेस से हाथ मिलाने को तैयार नहीं होते। वह तो कांग्रेस को तोड़ कर उसके नेताओं को अपने संस्कार सिखाने के लिए जेडीयू का हिस्सा बनाते रहे हैं। अशोक चौधरी इसके बड़े उदाहरण आपको मिल जाएंगे। आश्चर्य तो तब हुआ था जब विपक्षी एकता के लिए वे उसी कांग्रेस के आगे गिड़गिड़ा रहे थे जिसको बिहार में नेस्तनाबूद करने की उन्होंने चाल चली थी। कांग्रेस ने भी उन्हें बातचीत के लिए बुलाया तो अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर। खरगे अगर अपनी पार्टी के अध्यक्ष हैं तो उनसे बात करने के लिए जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ही काफी थे। दो पार्टियों के अध्यक्ष बात करते तो यह शोभा भी देता। नीतीश का जो कद रहा है, उसमें सोनिया गांधी या राहुल गांधी से मुलाकात ही मायने रखती है। नीतीश कुमार एक जुमला अक्सर दोहराते रहते हैं कि करप्शन, कम्युनलिज्म और क्राइम से कोई समझौता नहीं करेंगे चाहे कोई भी उनके साथ रहे। कोई से उनका आशय भाजपा और आरजेडी से होता है, इसलिए कि वे बदल-बदल कर इन्हीं दो दलों के साथ अपनी सरकार चलाते आए हैं। सच्चाई यह है कि उन्हें अब अपने घोष वाक्य से इतर जाने में कोई संकोच नहीं होता। लालू परिवार पर लगे करप्शन के आरोपों से कौन अनजान है। लालू यादव तो चारा घोटाले के सजायाफ्ता ही हैं। तेजस्वी यादव सीबीआई और ईडी का सामना कर रहे हैं। लालू यादव की पत्नी और बेटियां भी करप्शन के आरोपों से अब घिर चुकी हैं। लेकिन उनके साथ सरकार चलाने में अब नीतीश को करप्शन आड़े नहीं आता। और तो और, कांग्रेस के दो शीर्ष नेता- सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी नेशनल हेराल्ड केस में फंसे हुए हैं। फिर भी नीतीश को इससे कोई परेशानी नहीं है।

यहां यह जिक्र करना जरुरी होगा कि 2017 में तेजस्वी यादव के खिलाफ सीबीआई ने जब केस दर्ज किया था तो नीतीश ने अच्छी खासी चलती सरकार पलट दी थी। आरजेडी से किनारा कर भाजपा के साथ सरकार बना ली थी। कहा था- तेजस्वी जनता के बीच जाकर अपने निर्दोष होने की सफाई दें। सबको पता है कि सियासत में सफलता के सोपान तक पहुंचने में नीतीश को सर्वाधिक मदद कैसे मिली। लालू यादव और राबड़ी देवी के शासन काल में अपराध और भ्रष्टाचार का बोलबाला था। यह देख कर ही पटना हाईकोर्ट ने तब जंगल राज की बात कही थी। नीतीश ने बिहार में जंगल राज को मुद्दा बनाया। लालू-राबड़ी का विरोध किया। नीतीश का 1994 से शुरू हुआ लालू-राबड़ी का विरोध आखिरकार 2005 में रंग लाया और नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी मिल गई। जिनके विरोध के बिना पर नीतीश ने अपना जनाधार बनाया और कामयाबी हासिल की, आज उसी आरजेडी के साथ उनके सट जाने का अर्थ समझने में किसी को अधिक माथापच्ची करने की जरूरत ही नही। हद तो तब हो गई, जब कुर्सी के मोह में उन्होंने सजायाफ्ता लालू यादव के साथ विपक्षी एकजुटता अभियान की शुरुआत की। लालू के साथ ही वे पहली बार सोनिया गांधी से मिले थे। इस बार तो उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत के लिए लालू का आशीर्वाद भी लिया। नीतीश कुमार का बिहार में जो भी जनाधार बना, उसके पीछे तीन तरह का सहयोग मिला। पहला सहयोग तो उनके लव-कुश समीकरण का मिला, जो कुर्मी और कुशवाहा जातियों को लेकर बना था। दूसरा समर्थन लालू राज से उकताए लोगों का था। तीसरा समर्थन उन अल्पसंख्यक मुसलमानों का मिला, जो कांग्रेस के पराभव के बाद आरजेडी के हो गए थे। इसके अलावा कुछ फ्लोटिंग वोट भी उनको मिलते रहे, जो चुनाव के दिन अपना मानस बनाते हैं कि किसे वोट करना है। अब न वे पूरी तरह अपनी जाति के वोटों के हकदार-दावेदार रह गए हैं और न कुशवाहा वोटों के। इसलिए उपेंद्र कुशवाहा और आरसीपी सिंह उनकी जड़ खोदने में तन कर खड़े हैं। भाजपा के साथ रहने के कारण अल्पसंख्यकों का भरोसा भी उनसे उनसे अब उठ गया है। इसका संकेत 2020 के विधानसभा चुनाव में ही मिल गया था, जब नीतीश की पार्टी से कोई भी मुस्लिम उम्मीदवार विधानसभा नहीं पहुंचा। अब नीतीश से किसी करिश्मा की उम्मीद ही बेमानी है। इसलिए कि उनका अपना जनाधार ही खिसक गया है। अब वही नीतीश कुमार विपक्षी एकता के लिए नगरी-नगरी, द्वारे-द्वारे दस्तक देते फिर रहे हैं। शायद उम्र और औकात का असर है कि अपने बेटे समान राहुल गांधी के सामने उन्हें दंडवत की अदा में झुकना पड़ रहा है। राहुल के संस्कार भी देखिए कि बाप सामान नीतीश जी के हाथ जोड़े झुकने पर भी वे तन कर खड़े रहे। नीतीश जी अभिवादन करने नरेंद्र मोदी के सामने भी झुके थे, पर मोदी ने उतना ही झुक कर अभिवादन का जवाब भी दिया था। नीतीश कुमार की इस दुर्दशा को देख कर भाजपा का खुश होना स्वाभाविक है। इसलिए कि उसकी ही कब्र खोदने का बीड़ा नीतीश जी ने उठाया है। साथ-साथ उनको भी जरूर आनंद आ रहा होगा, जिन्हें नीतीश ने उनके बढ़ते कद के कारण बाहर का रास्ता दिखा दिया या जिन्हें बाहर जाने पर मजबूर कर दिया था कभी। शरद यादव और जार्ज फर्नांडीस तो इनकी हालत पर इतराने के लिए अब इस दुनिया में रहे नहीं, लेकिन आरसीपी सिंह और उपेंद्र कुशवाहा के मन में जरूर लड्डू फूट रहे होंगे। इतरा तो प्रशांत किशोर उर्फ पीके भी रहे होंगे, जिन्होंने नीतीश की जीत तो पक्की कर दी थी, पर झटके में उन्होंने उन्हें बाहर कर दिया था। इस बार तो बिना पार्टी के अपना कैंडिडेट जिता कर पीके ने नीतीश जी के मुंह पर तमाचा भी जड़ दिया है। जीतन राम मांझी ने तो नीतीश को चिढ़ाने-बिदकाने का नायाब तरीका अपनाया है। उनके एकता प्रयास को सांकेतिक चुनौती देने के लिए हड़बड़ी में मांझी जी ने दिल्ली की दौड़ ही लगा दी। इधर नीतीश कुमार कांग्रेस के राहुल, खरगे और अरविंद केजरीवाल से मिल कर मन ही मन इतरा रहे थे, उधर मांझी उसी दिन दिल्ली में भाजपा से सांठ-गांठ में लगे थे। मांझी अगले ही दिन भाजपा के चुनावी चाणक्य कहे जाने वाले अमित शाह से मिल कर बतिया भी आए। हां, इतना जरूर किया कि बाहर निकलते ही नीतीश कुमार को पीएम मटेरियल बता कर बूझो तो जानें की स्थिति में उन्हें डाल दिया। नीतीश को पहले से ही इसका अंदाजा रहा है। तभी तो पूर्णिया में हुई महागठबंधन की रैली में उन्होंने कहा था कि मांझी जी का मन भी इधर-उधर होते रहता है। राहुल गांधी ढाई-तीन महीने भारत को जोड़ने के लिए भ्रमण पर निकले थे। चीजों को देखने का हर आदमी का नजरिया अलग होता है। उन्हें भारत टूटा या टूटता हुआ दिखा था या दिख रहा है। इसलिए कि अभी यात्रा अधूरी है। 138 साल पुरानी पार्टी के नए नेता के रूप में उनसे यह बरदाश्त कैसे होता। सो, निकल पड़े थे भारत को जोड़ने। भारत को उन्होंने ऐसा जोड़ा कि भारत को दो टुकड़ों में बांटने वाले विलायत ने उन्हें अपने यहां भाषण के लिए न्योत दिया।

हुकूमतों की सरपरस्ती में उदय और अस्त होते हैं अतीक!

मनोज कुमार अग्रवाल

कोई माफिया एक दिन में नहीं पैदा होता या पनपता है इन्हें हकूमतों की सरपरस्ती में फलने फूलने का पूरा मौका इनके सत्ताधारी राजनीतिक संरक्षण दाता देते हैं यह राजनीतिक संरक्षण दाता माफियाओं के कंधे पर बंदूक रख कर अपने राजनीतिक व आर्थिक हितों का साधना करते हैं और खुद सफेदपोश समाजसेवी बने रहते हैं। किसी भी अपराधी को जब राजनीतिक संरक्षण मिल जाता है तो पुलिस सिर्फ लकीर पीटने भर की कार्यवाही उसके खिलाफ करती है और उसके खौफ आतंक और दहशत का साम्राज्य दिन दूनी रात चौगुनी गति से फैलता चला जाता है इसके बाद शुरू होता है शहर और इलाके के बड़े उद्यमियों कारोबारियों बिल्डरों से वसूली और जमीनों पर कब्जे का सरकारी ठेकों पर कब्जा जमाने का सिलसिला। इस सारी काली कमाई में एक हिस्सा इनके राजनीतिक संरक्षण दाताओं को जाता है एक हिस्सा पुलिस प्रशासन के छोटे बड़े अधिकारियों की जेब में जाता है और बाकी माफिया अपनी संपत्ति को बढ़ाने और अपने गुर्गों को टुकड़ा डालने के लिए इस्तेमाल में लेता है। इस तरह एक माफिया का जन्म होता है माफिया एक दिन की पैदाइश नहीं होता इसके पनपने में सत्ताधारी राजनीतिक संरक्षण दाताओं का पुलिस और व्यवस्था से जुड़ी मशीनरी के जिम्मेदार लोगों का सहयोग और संरक्षण का पूरा खाद पानी लगता है तब कोई 10वीं फेल गली मौहल्ले से गुंडई शुरू करने वाला अपराधी न सिर्फ जरायम की दुनिया का बेताज बादशाह बन जाता है बल्कि अपने गुंडई आतंक खौफ के बूते पर अपने राजनीतिक संरक्षणदाताओं से मिल रहे सहयोग की बदौलत कई बार विधायक व सांसद तक बन जाता है हजारों करोड़ की चल अचल संपत्ति बटोर लेता है कोई पुलिस अधिकारी उसके खिलाफ तो दूर उसके गुर्गों के खिलाफ भी कार्रवाई करने से घबराता है यहां तक कि दस जज उसके मुकदमों को सुनवाई करने से इंकार कर देते हैं ऐसे ही खौफ और आतंक का नाम था अतीक। जिसे हाल ही में तीन दुःसाहसी हत्यारे शूटरों द्वारा पुलिस की कस्टडी में भाई अशरफ समेत मौत के घाट उतार दिया गया। माफिया अपराधी अतीक के पिता हाजी फिरोज अहमद प्रयागराज में तांगा चलाते थे अतीक पैतृक गांव कसारी मसारी के स्कूल में पढ़ने जाता था वह दसवीं पास नहीं कर सका अतीक ने स्कूल छोड़ दिया उसका परिवार गांव छोड़ कर तकिया आ गया अतीक ने चकिया में पहला अपराध किया और अपना गिरोह बना लिया, जिसमें ज्यादातर गांव के लुटेरे होते थे। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक अतीक के खिलाफ पहला हत्या का मामला 1979 में प्रयागराज के खुल्दाबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। बाद में वह जबरन वसूली और जमीन हड़पने सहित अन्य अपराधों में शामिल हो गया। साल 1979 में अतीक पर हत्या का पहला मुकदमा लिखा गया तो उसका जलजला कायम हो गया। उस समय चांद बाबा का सिक्का चलता था। पुलिस भी चांद बाबा के दहशत में रहती थी। चांद बाबा का वर्चस्व खत्म करने के लिए पुलिस ने अतीक के ऊपर हाथ रख दिया। वर्ष 1989 में अतीक शहर पश्चिमी से निर्दलीय प्रत्याशी बना और चांद बाबा को हरा दिया। आरोप है कि एमएलए बनने के बाद अतीक की हवस और बढ़ी। नतीजे में रास्ते का महत्वपूर्ण कांटा चांद बाबा पर गोली बम बरसाकर सरेआम हत्या करा दी गई। सभासद अशफाक कुन्नू का 1994 में कत्ल हो गया। उस हत्याकांड में अतीक और अशरफ का नाम आया था लेकिन तब अतीक का ऐसा दबदबा था कि उस पर कानूनी शिकंजा नहीं कसा गया। कोई पुलिस अधिकारी अतीक पर हाथ नहीं डालना चाहता था। घटना के पांच साल बाद साल 1999 में तब के एसपी सिटी लालजी शुक्ला ने अशफाक कुन्नू हत्याकांड में अशरफ की गिरफ्तारी की। यह भी संयोग ही है कि तब भी उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार थी और आज भी भाजपा की ही सरकार है। साल 1996 में व्यापारी अशोक साहू की हत्या कर दी थी। साल 2003 में अपने ही घर के सामने भाजपा नेता अशरफ को मार दिया था। साल 2005 में दिनदहाड़े एमएलए राजू पाल की गालियां बरसा कर हत्या कर दी गई थी। साल 2012 के यूपी विधानसभा चुनाव के वक्त अतीक अहमद जेल में था। उसने चुनाव लड़ने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में जमानत के लिए अर्जी दी। हाईकोर्ट के 10 जजों ने केस की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। 11वें जज ने सुनवाई की और अतीक अहमद को जमानत मिल गई। इस चुनाव में अतीक अहमद की हार हुई। उसे राजू पाल की पत्नी पूजा पाल ने हरा दिया। अतीक देवरिया जेल में बंद था, तब उसके इशारे पर बिल्डर मोहित जायसवाल को लखनऊ से देवरिया जेल लाकर न केवल पिटाई की गई बल्कि उसकी करोड़ों की संपत्ति हथियाने के लिए स्टांप पेपर पर जबरन दस्तखत करवाया गया। इसी मुकदमे में अतीक के बड़े बेटे उमर के खिलाफ मुकदमा लिखा गया। अपराध और दबंगई के साथ ही राजनीतिक संरक्षण के चलते अतीक ने पहली बार प्रयागराज पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ा और जीत हासिल की इस के बाद सपा का टिकट हासिल कर तीन बार लगातार विधायक का चुनाव जीता। सपा के टिकट पर 2004 में जब फूलपुर से लोकसभा का चुनाव लड़कर सांसद बना तब राजूपाल ने उसी प्रयागराज पश्चिमी सीट से विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीत कर अतीक के भाई अशरफ को हरा दिया बस यहीं से अतीक और रादोनों में रंजिश व वर्चस्व की जंग छिड़ गई और 2005 में बसपा विधायक राजू पाल की हत्या कर दी गई । उमेश पाल इस मर्डर का चश्मदीद गवाह था। अतीक ने उमेश पाल को कई बार गवाही नहीं देने को कहा लेकिन वह नहीं माना । उमेश पाल नहीं माना तो 28 फरवरी 2006 को उसका अपहरण करा दिया गया, जिसके बाद 2007 में अतीक और उसके भाई अशरफ सहित 10 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट लिखवा दी गई।

मोबाइल प्लग्ड डील भर रहे हृदय के 'हील' !

सुनील महला

आपको पता है जीवन की सबसे जरूरी वस्तु क्या है ? आप कहेंगे भोजन-पानी। यदि आप ऐसा कहते हैं तो आप सरासर गलत हैं। यानी कि हम यह बात कह सकते हैं कि आपको दुनियादारी का कुछ अता-पता नहीं है। अजी ! जीवन की सबसे जरूरी वस्तु भोजन-पानी नहीं अपितु मोबाइल है। आदमी खाना खाता है तो अपना पेट नहीं भरता। पहले मोबाइल का पेट भरता है। मोबाइल का पेट भरने का ट्रेंड आज विशेष प्रचलन में है। यह आज का प्रमुख फैशन है। आज आदमी डिनर,लंच व ब्रेकफास्ट कम करता है, लेकिन मोबाइल का पेट भरने के लिए तस्वीर,वीडियो जरूर लेता है। खाना खाते समय बातचीत करने का प्रचलन हो गया है और आदमी को यह तक पता नहीं चलता है कि आखिरकार वह भोजन में क्या खा रहा है और क्या पी रहा है ? खाने-पीने के दौरान आजकल कॉल का जवाब देना जीवन का आवश्यक एलीमेंट हो गया है।

तोताराम जी कहते हैं कि वास्तव में इंडिया में आजकल भयानक 'डिजीटल क्रांति' आ गई है। इतनी भयानक कि खाना खाते वक्त भी 'मोबाइल प्लगड' डील चलती है, ऐसे में आदमी का 'डील'(शरीर) चले या न चलें कोई फर्क नहीं पड़ता है। लेकिन मोबाइल डील जरूरी है। खाने के वक्त तस्वीरें और सेल्फी सोशल मीडिया पर अपलोड करना जरूरी है। खाना खाते वक्त मोबाइल की स्क्रीन पर बीस-पचास बार अंगूठा व नजरे नहीं घुमायेंगे तब तक आदमी को भोजन से तृप्ति का अहसास नहीं होता है। आदमी का पेट आजकल 'लाइक्स, कमेंट्स और शेयर' से ही भर रहा है।

अजी ! आज फोन ऑन हैं, क्यों कि हर कहीं डिजीटल जोन है। तोताराम जी कहते हैं कि आज आदमी को इस जानकारी से अपडेट होना बहुत जरूरी है कि टाइगर प्रोजेक्ट लांच होने से चार साल में दौ सौ बाघ बढ़ गए और जैव-विविधता में हमारा योगदान आठ प्रतिशत है। भोजन में विविधता है या नहीं उससे कोई लेना-देना नहीं है। आज इस बात से अपडेट होना बहुत जरूरी है कि आज जंगल कंक्रीट में तब्दील हो रहे हैं लेकिन इस बात से कोई लेना देना नहीं है कि धरती पर इंसानों से ज्यादा आज मोबाइल हैं। अजी !आदमी आज खाना खाकर नहीं अपितु मोबाइल पर अंगूठा टिकाकर, स्क्रीन पर नजरें दौड़ाकर अपनी नवीकरणीय ऊर्जा बढ़ा रहा है। आज खाने से ज्यादा दिमागी खुराक की आदमी को जरूरत है।

इसलिए खाने पर ध्यान कम है, मोबाइल स्क्रीन ही लगती आज सभी को चना जोर गरम है। अजी ! आज हर कहीं मोबाइल प्लगड चलती है 'डील।' भर रहे इससे आज के युवा अपने हृदय के सभी 'हील।'

कोरोना के संग जीना सीखने की जरूरत

कोरोना महामारी के मामले एक बार फिर से प्रकाश में आ रहे हैं। इस महामारी से बचाव के लिए सरकार ने लगभग सवा दो अरब वैक्सीन डोज देशवासियों को लगा कर पूरे विश्व में एक मिसाल कायम की। कोरोना संक्रमण में तेजी की खबरें चिंतित तो करती हैं लेकिन अब घबराने जैसी स्थिति नहीं है। एक तो सवा दो अरब टीकों से हासिल रोग प्रतिरोधक क्षमता है, वहीं भारतीयों की प्राकृतिक इम्यूनिटी भी इसके मुकाबले भारी पड़ेगी। कोरोना वारयरस एक बार फिर से धीरे-धीरे अपनी रफ्तार भारत में तेज करता दिख रहा है। हालांकि अभी नंबर इतने अधिक नहीं हैं लेकिन जिस तेजी से यह दोबारा बढ़रहा हैयह भारत के लिए चिंता का विषय है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत में संक्रमण की दैनिक दर 6.78 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 4.49 प्रतिशत है। कई राज्यों में कोविड के दैनिक मामले हर दिन बढ़ रहे हैं। केरल, दिल्ली, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में वायरस के केस ज्यादा आ रहे हैं। इस बीच ये सवाल भी उठता है कि कोरोना का ये चढ़ता ग्राफ कम कम होगा। विशेषज्ञों के अनुसार कोविड केस बढ़ने के कई कारण हैं। इनमें पहला ओमिक्रोन एक्सबीबी वीकेएस 1.16 वेरिएंट हैं। ये वेरिएंट भारत के अधिकतर राज्यों में फैल चुका है.?। हर दिन इसके केस में इजाफा दर्ज किया जा रहा है। ये वेरिएंट पिछले सभी ओमिक्रॉन वेरिएंट्स की तुलना में ज्यादा संक्रामक है।

चूंकि समय के साथ वायरस में म्यूटेशन होता है तो ये खुद को बदलता रहता है। इस वजह से लोग वायरस की चपेट में आ जाते हैं। यह ठीक है कि नये संक्रमण से ग्रस्त रोगियों को बुखार, सिरदर्द, बेचैनी व गले में दिक्कत होती है, लेकिन दो-तीन दिन में ये ठीक भी हो जाते हैं। अस्पताल में लोगों को भर्ती कराने की जरूरत कम पड़ रही है। कमजोर इम्यूनिटी वालों में संक्रमण से गंभीर लक्षण भी हो रहे हैं। हालांकि वायरस की वजह से मौतें नहीं हो रही हैं। लेकिन इसका तेजी से फैलना चिंता पैदा करता है। यही वजह है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन लगातार इसकी निगरानी की सलाह दे रहा है। चिंता इस बात को लेकर भी है कि कहीं ज्यादा फैलने पर यह वायरस रूप बदलकर घातक न होने लगे। जिसके मद्देनजर केंद्र व राज्यों को अपने स्तर पर पूरी तैयारी रखनी चाहिए। कोरोना के बढ़ते मामलो को देखते हुए सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है। हाल में राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की बैठक इसी दिशा में कदम था। वैसे बुजुर्गों, असाध्य रोगों से ग्रसित मरीजों, विभिन्न लाइफ स्टाइल जनित रोगों से जूझ रहे लोगों को इस स्थिति में अतिरिक्त सावधानी जरूर बरतनी होगी। साथ ही बूस्टर डोज न लेने वाले लोगों को यथाशीघ्र इसे लेना होगा। लेकिन यहां विचारणीय तथ्य यह है कि कोरोना संक्रमण पहला व अंतिम नहीं है। आने वाले समय में ऐसी तमाम चुनौतियां हमारे सामने आ सकती हैं। यह ठीक है कि कोराना का वायरस लगातार रूप बदल रहा है और इस बार नये वेरिएंट एक्सबीबी-1.16 का प्रकोप है। लेकिन हमारे पास पिछली लहरों से हासिल व्यापक अनुभव हैं। साथ ही इसके महामारी जैसा रूप लेने की संभावनाएं क्षीण हैं। लेकिन फिर भी यह नहीं मान लेना चाहिए कि यह संकट पूरी तरह टल गया है। रोज छह हजार से अधिक मामले आ रहे हैं और आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यह संख्या मई तक बीस हजार प्रतिदिन भी हो सकती है। ऐसे में बचाव के लिये अतिरिक्त सावधानी जरूरी हो जाती है। वैसे इस संक्रमण से जुड़े कई सवाल आज भी अनुत्तरित ही हैं। हम दशकों से इस तरह के संक्रामक रोगों का मुकाबला करते रहे हैं। अब हमारे पास पहली-तीसरी और घातक दूसरी लहर से मुकाबले का अनुभव भी है। जरूरत इस बात की है कि हम कोरोना प्रोटोकॉल और व्यक्तिगत स्तर पर सफाई, सुरक्षित शारीरिक दूरी व भीड़-भाड़ से बचने के परंपरागत उपायों का पालन ईमानदारी से करें। हमें एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका परिवार से लेकर समाज के स्तर तक निभानी हैं। दूसरी ओर सामाजिक दायित्वों का भी हमें विशेष ध्यान रखना है, ताकि वंचित समाज का कोई व्यक्ति भूख व बीमारी से पीड़ित न रह जाये। ऐसे में हमें लाइफ स्टाइल जनित रोगों से बचाव के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। हमें अपने खानपान, सोने-जागने और जीवन शैली की विसंगतियों के बारे में गंभीरता से विचार करना होगा, जो तमाम तरह के रोगों को पैदा करती हैं।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

कल चार बड़े शुभ योग में वैशाख अमावस्या

स्नान-दान की वैशाख अमावस्या 20 अप्रैल को मनेगी। इस दिन 4 बड़े शुभ योग बनेंगे। जिससे पर्व की शुभता और बढ़ेगी। इसी दिन शनिदेव के साथ ही शिवजी और पितरों की पूजा की जाएगी। वैशाख अमावस्या पर जरुरतमंद लोगों को दान देने की परंपरा भी है।

इस बार वैशाख अमावस्या पर केदार, सर्वार्थसिद्धि, बुधादित्य और मानस नाम के शुभ योग बन रहे हैं। सूर्य, गुरु, शुक्र और शनि, ये चार ग्रह खुद की राशियों में रहेंगे। सितारों की इस शुभ स्थिति में इस पर्व पर किए गए शुभ कामों का फल और भी बढ़ जाएगा।

खरीदारी और नई शुरुआत का मुहूर्त

आज तिथि, वार और नक्षत्र से सर्वार्थसिद्धि योग बन रहा है। ये योग हर तरह की खरीदारी के लिए शुभ रहेगा। इस शुभ योग के चलते नौकरी और बिजनेस में की गई नई शुरुआत में सफलता मिलने की संभावना और बढ़ जाएगी। वहीं, अन्य ग्रहों की स्थिति भी इस दिन किए गए कामों का शुभ फल और बढ़ाएगी।

20 अप्रैल को स्नान-दान की वैशाख अमावस्या

20 अप्रैल का सूर्योदय अमावस्या तिथि में होगा। ये तिथि सुबह तकरीबन 10 बजे तक रहेगी, इसलिए इस पर्व में सुबह तीर्थ और पवित्र नदियों में स्नान-दान किया जाएगा। इस दिन किए गए स्नान-दान से कई गुना पुण्य फल मिलता है। इसी दिन साल का पहला सूर्य ग्रहण भी रहेगा, लेकिन भारत में नहीं दिखने से इसका धार्मिक महत्व भी नहीं रहेगा। वैशाख की अमावस्या पर भगवान भोलेनाथ के साथ ही श्राद्ध और पितृ पूजा करने से पितर संतुष्ट हो जाते हैं। जाने-अनजाने में जो गलती हो, उसके लिए इस दिन पितरों से क्षमा मांगनी चाहिए। साथ ही सूर्यदेव को जल अर्पण करके तुलसी पौधे की 108 परिक्रमा करनी चाहिए।

सालों में एक बार बनता है ऐसा संयोग

डॉ. मिश्र के मुताबिक हर महीने अमावस्या आती है, लेकिन ग्रहों की चाल में लगातार बदलाव होता रहता है। साथ ही तिथि, वार और नक्षत्र भी आगे-पीछे होते हैं। ये ही वजह है कि कई सालों में ऐसा होता है, जब वैशाख मास की अमावस्या पर केदार, सर्वार्थसिद्धि, बुधादित्य और मानस योग एक साथ बनते हैं। ये संयोग स्नान-दान के लिए शुभ और सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। इस दिन नदियों, तीर्थों में स्नान, गोदान, अन्नदान, ब्राह्मण भोजन, वस्त्र दान करना पुण्य फलदायी माना जाता है।

वैशाख अमावस्या के दिन ये करें

1. वैशाख अमावस्या पर व्रत करना चाहिए। इससे संयम, आत्मबल और आत्मविश्वास प्राप्त होता है।
2. इस अमावस्या के दिन स्नान के जल में तिल डालकर स्नान करने से शनि के दोषों से मुक्ति मिलती है।
3. इस दिन पितरों के निमित्त तर्पण करना चाहिए। इससे उन्हें मुक्ति मिलती है।
4. पितृ दोष निवारण के लिए वैशाख अमावस्या के दिन पितरों के नाम से जरुरतमंद लोगों को भोजन करवाएं।
5. इस दिन स्नान करके सूर्य को जल में तिल डालकर अर्घ्य देने से ग्रह दोष दूर होते हैं।
6. वैशाख अमावस्या पर पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाने से रोग मुक्ति होती है।

अमावस्या पर ये करने से बचें

1. इस दिन मांसाहार और किसी भी तरह का नशा नहीं करना चाहिए।
2. भोग और विलासिता से बचने की कोशिश करनी चाहिए।
3. उड़द या इससे बनी कोई भी चीज न खाएं।
4. मांगलिक कार्य, शुभ कामों के लिए खरीदारी और नए काम की शुरुआत नहीं करनी चाहिए।

चंदन के चमत्कारी उपाय, धन लाभ और ग्रह दोष दूर करने के लिए देखें आजमाकर

इस उपाय घर में आएंगी खुशियां और समृद्धि
इस उपाय घर में आएंगी खुशियां और समृद्धि
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घर में आए दिन कोई ना कोई समस्या लगी रहती है तो गुरु पुष्य नक्षत्र के एक दिन पहले चंदन के पेड़ की जड़ पर सिंदूर, पीले चावल, जल चढ़ाकर धूप-दीप करें और फिर आमंत्रित करें। इसके दूसरे दिन यानी गुरु पुष्य नक्षत्र के दिन चंदन के पेड़ की थोड़ी सी लकड़ी लाकर लाल कपड़े में बांधकर घर के मेन गेट पर टांग दें। ऐसा करने से घर में खुशियां और समृद्धि वापस आएगी और सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहेगा।

चंदन की लकड़ी को लाल कपड़े में बांधकर माता लक्ष्मी के सामने अर्पित कर दें। इसके बाद माता लक्ष्मी और चंदन की विधिवत रूप से पूजा अर्चना करें। इसके बाद कनकधारा स्तोत्र का पाठ करें। पूजा पाठ करने के बाद चंदन के घर में धन के स्थान पर रख दें। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और धन धान्य की कभी कोई कमी नहीं होती है।

वैवाहिक जीवन में खुशियां वापस लाने के लिए चंदन का यह उपाय बेहद कारगर साबित होगा। इसके लिए किसी शुभ मुहूर्त में चंदन की जड़ को गंगाजल से शुद्ध कर लें। इसके बाद फिटकरी के छोटे से टुकड़े के साथ कमर में बांध लें। ऐसा करने से पति पत्नी के बीच प्रेम हमेशा बना रहेगा और दोनों के जीवन में सुख-शांति हमेशा बनी रहेगी।

गुरु ग्रह 22 अप्रैल को मेष राशि में गोचर करने वाले हैं और गुरु सुख, वैभव, धन, ऐश्वर्य आदि के कारक ग्रह हैं। कुंडली में गुरु की स्थिति को मजबूत होने पर कभी किसी चीज की कमी नहीं होती। इसलिए गुरुवार के दिन माथे पर सफेद या पीले रंग के चंदन का तिलक लगाएं। ऐसा करने से मानसिक शांति मिलती है और कुंडली में गुरु की स्थिति मजबूत होती है। साथ ही धन और वैभव में वृद्धि होती है।

बच्चे को चंदन की छाल का धुआं देने से नजर दोष दूर हो जाता है। इसके साथ ही हर रोज चंदन का तिलक भी लगाएं। ऐसा करने से बच्चों से बुरी शक्तियां दूर होती है और तिलक लगाने से मन में शांति बनी रहती है। हर रोज चंदन का तिलक लगाने से आज्ञा चक्र भी सक्रिय हो जाता है।

घर का वास्तु दोष दूर करने के लिए चंदन का चूरा, अश्वगंधा और गोखरू चूर्ण में कपूर मिलाकर 40 दिन तक हवन करते रहें। अगर ऐसा संभव नहीं है तो घर के पश्चिम या दक्षिण दिशा में चंदन का वृक्ष लगा दें। ऐसा करने से ना सिर्फ घर का वास्तु दोष दूर होता है बल्कि आरोग्य की भी प्राप्ति होती है।

सूर्य ग्रहण के समय में क्या करें क्या ना करें

20 अप्रैल 2023 गुरुवार को वर्ष का पहला सूर्य ग्रहण भारतीय समय अनुसार सुबह करीब 7:04 से दोपहर 12:29 तक लगेगा। इस ग्रहण का सूतक काल भारत में मान्य नहीं होगा फिर भी ग्रहण का प्रभाव तो संपूर्ण धरती पर रहेगा। इसलिए कुछ लोग ग्रहण के नियमों का पालन करेंगे। आप भी करना चाहते हैं तो जानिए कि सूर्य ग्रहण के समय में क्या करें क्या ना करें, जानें ग्रहण से बचने के उपाय।

सूर्य ग्रहण के समय क्या करें:

जैसे ही ग्रहण का स्पर्श तो स्नान करना चाहिए।
ग्रहण के मोक्ष काल के बाद भी स्नान करना चाहिए।
ग्रहण काल में भोजन करने से परहेज करना चाहिए।

ग्रहण के मोक्ष के बाद पीने का पानी ताजा भर कर पीना चाहिए।
ग्रहण के समय में जितना संभव हो, मंत्र जाप और दान करना चाहिए।
यदि आप किसी का श्राद्ध करना चाहते हैं तो ग्रहण काल में कर सकते हैं।
कोई बालक हैं, अति वृद्ध हैं अथवा रोगी हैं तो पथ्याहार ले सकते हैं।
यदि कोई बीमार हैं तो आवश्यक औषधि भी ले सकते हैं।
ग्रहण काल में अपनी राशि के स्वामी ग्रह के मंत्र का जाप भी कर सकते हैं।
ग्रहण के स्पर्श से पूर्व ही दूध, दही, घी, अचार, चटनी, मुरब्बा, जैसी भोज्य सामग्री में कुशा अथवा तुलसीदल रख देना चाहिए।

सूर्य ग्रहण के समय क्या नहीं करें

सूर्य को नग्न आंखों से नहीं देखना चाहिए।
ग्रहण के दौरान किसी मंदिर या धार्मिक स्थान पर प्रवेश नहीं करना चाहिए।
ग्रहण के दौरान किसी मूर्ति को स्पर्श नहीं करना चाहिए।
ग्रहण काल में मैथुन क्रिया से भी बचना चाहिए।
ग्रहण काल में तेल मालिश वर्जित होती है।
ग्रहण के समय में बाल या नाखून भी नहीं काटने चाहिए।
ग्रहण के दौरान यात्रा नहीं करना चाहिए।
ग्रहण काल में यथासंभव जाप करना चाहिए।
गर्भवती महिलाओं को ग्रहण के दौरान काटना, सिलना, बुनना, सोना नहीं चाहिए।

ग्रहण के दुष्प्रभाव से बचने के उपाय

ग्रहण के तुरंत बाद घर में गंगाजल का छिड़काव करना चाहिए।
ग्रहण की समाप्ति के गंगा स्नान या औषधि स्नान करना चाहिए।
ग्रहण काल के बाद गरीब या किसी ब्राह्मण को दान देना चाहिए।
कांसे की कटोरी में घी भरकर तांबे का सिक्का डालकर अपना मुंह देखकर दान करने से लाभ मिलेगा।
आप ग्रहण के उपरांत औषधि स्नान भी कर सकते हैं। इससे ग्रहण के अशुभ फलों में कमी आएगी।
सूर्य ग्रहण के दौरान सूर्य और राहु तथा चंद्र ग्रहण के दौरान चंद्रमा और राहु का मंत्र जाप करना चाहिए।
यदि आपकी राशि अथवा नक्षत्र में ग्रहण लग रहा हो तो आपको ग्रहण काल में अपने राशि स्वामी या नक्षत्र स्वामी के मंत्र का जाप करना चाहिए।

अमलनेर स्थित मंगलदेव के मंदिर में मिलता है मंगल ग्रह का पौधा

अमलनेर। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में धुले के पास अमलनेर में मंगल ग्रह का एक प्राचीन मंदिर है, जहां पर प्रति मंगलवार को हजारों की संख्या में भक्त जन मंगल दोष की शांति के लिए आते हैं। मंगल दोष की शांति के लिए यहां पर मंगल देव का अभिषेक किया जाता है। इसी के साथ यहां पर मंगल देव से संबंधित वस्तुएं, यंत्र, औषधि और पौधे भी मिलते हैं।

यहां के ट्रस्टी सुरेश नीलकंठ पाटिल ने बताया कि मंगल के प्रतीक या स्वरूप के रूप में खदिर या खैर का पौधा माना जाता है।

मंगल का वास खैर पौधे में माना गया है। खैर की लकड़ी में अग्नि का वास होता है। खैर को पराक्रम का भी प्रतीक माना गया है। मंगल भी पराक्रमी है। खादिर की लकड़ी का उपयोग ज्यादातर पूजा आदि कामों के लिए इस किया जाता है। यह यज्ञ–हवन आदि कामों की समिधा में प्रयोग की जाने वाली नवग्रह लकड़ियों में से एक है। खैर के पेड़ बहुत ही मजबूत होते हैं। इसका तना हड्डियों की तरह कठोर होता है।

यहां पर मंगल ग्रह की नर्सरी के अलावा मंगल ग्रह मंदिर के बाहर स्थिति दुकानों पर भी औषधि से संबंधित पौधे और खाद भी मिलती है।

उल्लेखनीय है कि मंगल ग्रह मंदिर परिसर में एक सुंदर गार्डन और नर्सरी भी हैं जिसे बहुत ही सुंदर फूल और पौधों से सजाया गया है जिसे देखकर भक्तों का मन प्रसन्न हो जाता है। रोटरी गार्डन के नाम से प्रसिद्ध इस बगीचे में विभिन्न प्रकार के आयुर्वेदिक वृक्ष लगे हुए हैं और व्यवस्थित रूप से विकसित किए गए इस गार्डन में बच्चों के मनोरंजन के लिए झूले, फिसल पट्टी और सी-सा झूला भी लगाए गए हैं।

सफलता और खुशियां आकर्षित करना है तो घर में चुंबक इस दिशा में रखें?

चुंबक हमारे जीवन में बहुत प्रभाव डालता है। धरती के उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव में चुंबकीय शक्ति है, जिसके चलते ही धरती का मौसम और जलवायु संचालित होता है। चुम्बकीय उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव वहां होते है, जहां पर कम्पास संकेत करता है। यदि आपके घर में चुंबक या दिशा बताने वाला कंपास रखा है तो उसकी उचित दिशा भी जान लें अन्यथा नुकसान होगा।

- दक्षिणी ध्रुव के चुम्बकीय क्षेत्र में रखे हुए फल, साग-भाजी, दूध आदि लंबे समय तक ताजा रहते हैं। उत्तरी ध्रुव के चुम्बकीय क्षेत्र में रखे हुए फल जल्दी से पकते हैं। साग-भाजी थोड़े समय में सड़ने लगती है और दूध खट्टा होने लगता है। इसी प्रकार यदि हम अपने घर में चुम्बक को उचित दिशा में नहीं रखते हैं तो नुकसान होगा।

- चुम्बक का घर में कई तरह से उपयोग होता है, जैसे हमारे रेफ्रिजरेटर के दरवाजे में, मसाला रैक में, माइक्रोवेव में, स्पीकर, रेडियो, टीवी या कंप्यूटर में, एक्सटेंडेबल टेबल में, कैबिनेट के दरवाजे में, घर के दरवाजे के पीछे दीवार से सटे रहने के लिए आदि कई जगहों पर चुंबक का उपयोग होता है।

- उपरोक्त तो घर की वस्तुओं या उपकरणों में चुंबक का प्रयोग किया जाता है परंतु वास्तु के अनुसार अलग से एक चुंबक आता है जिसका उपयोग घर की सुख और समृद्धि को बढ़ाने के लिए कहते हैं।

- चुम्बक लोहे को अपनी ओर आकर्षित करता है। इस गुण को 'चुम्बकत्व' कहते हैं। इसी तरह यह हमारे घर की ऊर्जा को भी आकर्षित करता है। इसीलिए हमें चुंबक वहां रखना चाहिए जहां से हम अच्छी उर्जा ग्रहण करना चाहते हैं। हमें चुंबक को उस दिशा में नहीं रखना चाहिए जहां से नकारात्मक ऊर्जा खासकर उत्तर की दिशा में चुंबक को रखने से लाभ होता है।

कीमती रत्न नहीं पहन सकते तो ग्रहों के रंग का धागा बांधें

आपने देखा होगा कि बच्चों के हाथों या गले में काला धागा बांधा जाता है जो उन्हें बुरी नजर से बचाता है। उसी प्रकार अन्य रंग के धागे भी कई प्रकार की बाधाओं और मुसीबतों से रक्षा करते हैं। कीमती रत्न नहीं पहन सकते तो ग्रहों के रंग का धागा बांधकर देखें, मिलेगी सफलता...

विशेष : हर जातक अपने ईष्ट देव या ग्रहों की स्थिति के अनुसार ही रंग का चयन करें।

आइए जानते हैं कि कौन-सी राशि या देवता के लिए किस रंग का धागा/रक्षासूत्र बांधा जाना चाहिए।

* शनि की कृपा के लिए नीले रंग का सूती धागा बांधना चाहिए।
* बुध के लिए हरे रंग का सॉफ्ट धागा बांधना चाहिए।
* गुरु और विष्णु के लिए हाथ में पीले रंग का रेशमी धागा बांधना चाहिए।

* शुक्र या लक्ष्मी की कृपा के लिए सफेद या क्रीम रेशमी धागा बांधना चाहिए।
*शिव की कृपा या चंद्र के अच्छे प्रभाव के लिए भी सफेद और गुलाबी धागा बांधना चाहिए।
* राहु-केतु और भैरव की कृपा के लिए भूरे-काले रंग का धागा बांधना चाहिए।
* भगवान हनुमान या मंगल ग्रह की कृपा के लिए लाल रंग का धागा हाथ में बांधना चाहिए।
* सूर्य देव के लिए गहरे ऑरेंज कलर का या सुनहरे रंग का धागा बांधना चाहिए।

थिएटर में धूम मचाने के बाद ओटीटी पर धमाल मचाने को तैयार नानी का 'दशहरा'

नानी को तेलुगू फिल्मों का सुपरस्टार कहा जाता है। उनकी फिल्म दशहरा भोला के साथ रिलीज हुई थी। भोला तो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई, लेकिन दशहरा को लोगों ने खूब पसंद किया है। 'मक्खी' फेम नानी की यह पहली पैन इंडिया फिल्म है। 30 मार्च को राम नवमी के दिन यह फिल्म रिलीज हुई है, वहीं अब फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने की भी खबरें आ रही हैं। साउथ जोन से आई यह फिल्म एक्शन से भरपूर है। साथ ही इसमें लव ट्रायएंगल भी दिखाया गया है, जो फिल्म इसकी कहानी में नया ट्विस्ट देता है।

इस प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज

हिंदी बेल्ट में तो इस फिल्म को कुछ खास प्यार नहीं मिला है, लेकिन दक्षिण की तरफ से फिल्म को लेकर अच्छा रेस्पॉन्स देखने को मिला है। इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 78 करोड़ की कुल कमाई कर ली है। वहीं, दुनियाभर में फिल्म ने 113.2 करोड़ कमाए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म 30 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो सकती है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी तक यह घोषणा नहीं की गई है।

क्या है फिल्म की कहानी

इस फिल्म की कहानी की बात करें तो 'दशहरा' पूरी तरह से साउथ इंडियन फिल्म है। धरनी और सूरी दोनों पक्के दोस्त हैं। यह दोनों ही वेनेला से प्यार करते हैं और अपने दोस्त के लिए धरनी अपने प्यार को कुर्बान कर देता है। गांव में दो गुटों के बीच राजनीति होती है, और इस साजिश में इन तीनों की जिंदगी कैसे बदलती है और इन सबके बीच धरनी कैसे अपने प्यार को हासिल करता है, यही फिल्म की कहानी है।

राघव ने शहनाज से अफेयर पर तोड़ी चुप्पी

डांसर और एक्टर राघव जुयाल इन दिनों आने वाली फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। वह पहली बार सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फरहाद सामजी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पूजा हेगड़े, शहनाज गिल, पलक तिवारी, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम, भूमिका चावला, जगपति बाबू और वेंकटेश दग्गुबाती भी हैं।

वहीं कुछ दिनों पहले ही जब फिल्म का ट्रेलर लॉन्च था, तो उस समय सलमान खान ने ये खुलासा किया सेट पर उन्होंने दो लोगों के बीच केमिस्ट्री देखी थी, लेकिन कोई उसे आगे बढ़ाने की कोशिश नहीं कर रहा है। सलमान खान के इस खुलासे के बाद से ही सोशल मीडिया पर राघव जुयाल और शहनाज गिल के अफेयर की खबरें तूल पकड़ती नजर आईं थीं। अब इसी बीच शहनाज़ के साथ डेटिंग की अफवाहों पर राघव ने रिएक्ट किया।

राघव जुयाल ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में शाहनाज गिल संग अफेयर की खबरों पर बात करते हुए कहा कि 'जो इंटरनेट की चीजें हैं, मेरे तक नहीं आ पाती हैं। मुझे नहीं पता कि वह सच है या झूठ। जब तक मैं देख ना लूं या सुन ना लूं। मैं फिल्म के लिए आया हूं, और मैं चाहता हूं कि लोग मुझे एक एक्टर के रूप में, एक डांसर के रूप में और लोग एक होस्ट बनते देखें। मेरा काम बोले, बस! बाकी ये सब चीजे होती रहती हैं। ऐसा कुछ नहीं है और ये होगा भी नहीं, क्योंकि मेरे पास वक्त नहीं है।

मैं डबल शिफ्ट में काम कर रहा हूं। अभी मेरी हालत ऐसी है कि वक्त ही नहीं इन सब चीजों के लिए। मैं अपने काम और फिल्म के बारे में बात करना चाहूंगा, बस।' आपको बता दें कि ये पहली बार नहीं है कि जब दोनों के अफेयर की खबरों ने जोर पकड़ा है, इससे पहले भी दोनों की तस्वीरें सामने आई थी, जिसके बाद दोनों के अफेयर की खबरें उड़ी थीं।

बता दें कि इससे पहले हाल ही में राघव शहनाज की तारीफ करते हुए नजर आए थे। राघव ने शहनाज को दुनिया की सबसे मजबूत लड़की बताया। उन्होंने कहा कि वह इस धरती पर सबसे मजबूत शख्स है। मेरे हिसाब से कोई भी उसके जितना मजबूत नहीं हो सकता है। राघव ने आगे कहा कि शहनाज बेहद ईमानदार हैं और वह खुद हर दिन उनसे प्रेरणा लेते हैं।

'शाकुंतलम' के फ्लॉप होने पर उदास हैं सामंथा?

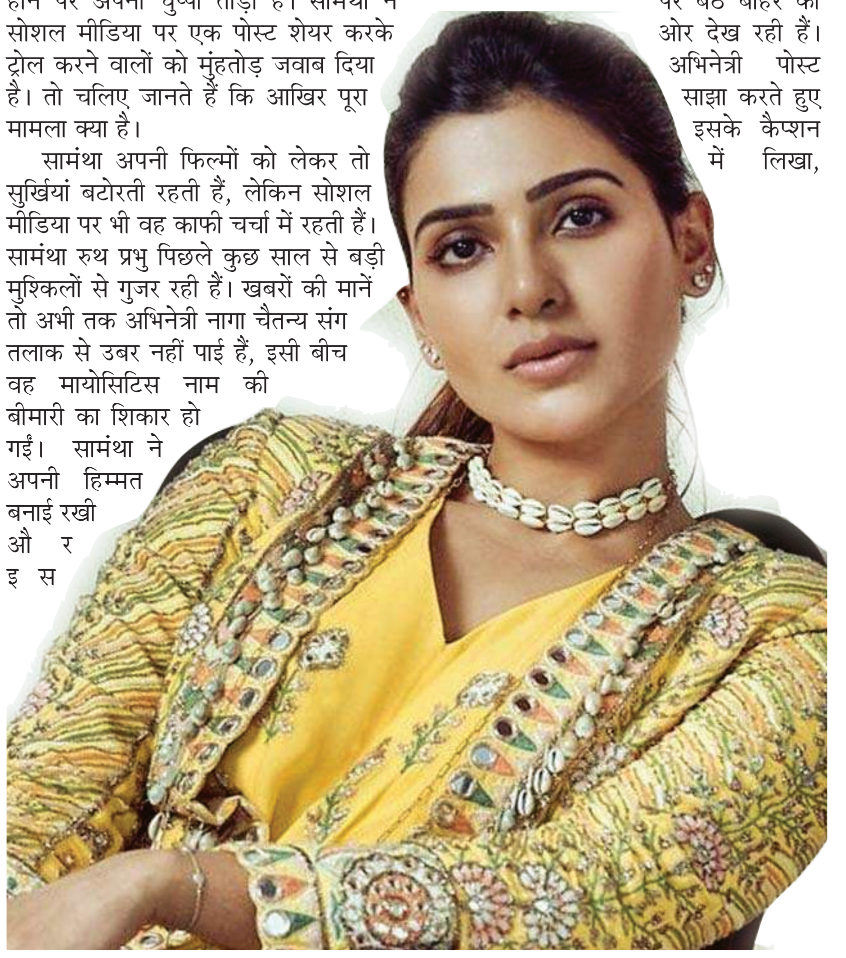

साउथ सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अपनी फिल्म 'शाकुंतलम' को लेकर लगातार चर्चा में चल रही हैं। सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। सामंथा की फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने फिल्म शाकुंतलम की फ्लॉप होने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। सामंथा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके ट्रोल करने वालों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। तो चलिए जानते हैं कि आखिर पूरा मामला क्या है।

सामंथा अपनी फिल्मों को लेकर तो सुर्खियां बटोरती रहती हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर भी वह काफी चर्चा में रहती हैं। सामंथा रुथ प्रभु पिछले कुछ साल से बड़ी मुश्किलों से गुजर रही हैं। खबरों की मानें तो अभी तक अभिनेत्री नागा चैतन्य संग तलाक से उबर नहीं पाई हैं, इसी बीच वह मायोसिटिस नाम की बीमारी का शिकार हो गईं। सामंथा ने अपनी हिम्मत बनाई रखी और इस दौरान वह अपने फैंस से भी काफी कनेक्ट रही हैं।

हाल ही में, सामंथा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में अभिनेत्री काफी चिंता में लग रही हैं। तस्वीर में सामंथा एक कार की सीट पर बैठे बाहर की ओर देख रही हैं। अभिनेत्री पोस्ट साझा करते हुए इसके कैप्शन में लिखा, 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन, मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।' इस श्लोक का अर्थ है फल से प्रेरित होकर कर्म न करें और उससे आसक्त न हों, लेकिन इसका अर्थ ये नहीं है कि हमें निष्क्रियता के लिए समझौता कर लेना चाहिए। आपको बता दें कि फिल्म 'शाकुंतलम्'' कालिदास के नाटक 'शकुंतला' पर आधारित है, जो एक पौराणिक महाकाव्य कथा है। फिल्म में सामंथा के साथ देव मोहन मुख्य भूमिका में नजर आए हैं। साथ ही फिल्म में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की बेटी अल्लू अरहा 'भरत' के रूप में नजर आईं। इस फिल्म की स्टारकास्ट की बात करें तो सामंथा रुथ प्रभु के अलावा इस मूवी में देव मोहन भी लीड रोल में हैं। सामंथा रुथ प्रभु की शाकुंतलम गुना टीमवर्क्स और श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स द्वारा जॉइंटली प्रोड्यूस है। इस फिल्म में प्रकाश राज, अल्लू अरहा, कबीर बेदी, सचिन खेडेकर और मोहन बाबू भी मौजूद हैं।

टीवी की ये एक्ट्रेसेज लेती हैं मुंह मांगी फीस, कमाती हैं पति से ज्यादा पैसा

रुबीना दिलैक

टीवी एक्ट्रेसेज को सीरियल्स की जान भी कहा जाता है. सालों से सीरियल्स में एक्ट्रेसेज का दबदबा कायम है. फिल्मों में जहां एक्टर्स का बोलबाला होता है तो वहीं सीरियल्स में एक्ट्रेसेज का जलवा होता है. भले ही आजतक फिल्मों में किसी भी एक्ट्रेस को लीड एक्टर जितनी फीस नहीं मिली हो, लेकिन सीरियल्स की कहानी कुछ और ही है. अपने दम पर सीरियल्स चलाने वाली एक्ट्रेसेज अक्सर एक्टर्स से ज्यादा फीस लेती हैं. आज टीवी सीरियल्स की 5 जानी-मानी एक्ट्रेसेज के बारे में बताने जा रहे हैं जो मुंह मांगी फीस चार्ज करती हैं. इतना ही नहीं ये एक्ट्रेसेज कमाई और पॉपुलैरिटी के मामले में भी अपने पति से कई कदम आगे हैं. तो चलिए जानते हैं-

रुपाली गांगुली इन दिनों टीवी की सबसे महंगी एक्ट्रेस हैं. 'अनुपमा' से घर-घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस अपने पति से कई गुना ज्यादा पैसे कमाती हैं. एक्ट्रेस के पति अश्विन के वर्मा अक्सर लाइमलाइट से दूर ही रहते हैं. 'अनुपमा' से पहले रुपाली कई सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं, लेकिन उन्हें इस सीरियल जैसी सफलता नहीं मिली थी.

'लाफ्टर क्वीन' भारती सिंह आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. बेहतरीन कॉमेडियन होने के साथ- साथ भारती सिंह एक लाजवाब होस्ट भी हैं. भारती पति हर्ष लिंबाचिया से कमाई और पॉपुलैरिटी के मामले में काफी आगे हैं. 'लाफ्टर क्वीन' से शादी करने के बाद हर्ष लिंबाचिया काफी लाइमलाइट में आ गए थे. बता दें, हर्ष भारती के कॉमेडी शो के राइटर हुआ करते थे.

'छोटी बहू' रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला टीवी के काफी पॉपुलर कपल हैं. अगर वर्क फ्रंट पर बात करें तो रुबीना दिलैक पति अभिनव से कई गुना ज्यादा सफल हैं. ये एक्ट्रेस टीवी की टॉप एक्ट्रेसेज में शुमार हैं जबकि अभिनव अक्सर सपोर्टिंग रोल में ही नजर आते हैं. 'बिग बॉस 14' में ये कपल साथ में नजर आया था.

दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया की जोड़ी को ऑडियंस खूब पसंद करती है. इस कपल की मुलाकात सीरियल 'ये हैं मोहब्बतें' के सेट पर हुई थी. इस सीरियल में दिव्यांका

रुपाली गांगुली

'लाफ्टर क्वीन' भारती सिंह

त्रिपाठी लीड रोल में नजर आई थीं जबकि विवेक दहिया ने सपोर्टिंग रोल अदा किया था. दिव्यांका अपने हर सीरियल के लिए लाखों की फीस चार्ज करती हैं.

'ससुराल सिमर का' फेम दीपिका कक्कड़ ने को-स्टार शोएब इब्राहीम से दूसरी शादी की है. इस कपल की मुलाकात इस सीरियल के सेट पर ही हुई थी. दीपिका कक्कड़ कई सीरियल में लीड रोल अदा कर चुकी हैं. वहीं शोएब अबतक टीवी का उतना पॉपुलर चेहरा नहीं बन पाए हैं. हालांकि, दीपिका कक्कड़ इन दिनों एक्टिंग से ब्रेक ले चुकी हैं.

इलियाना डिक्रूज ने दी गुड न्यूज बिना शादी के बनेंगी मां

नहीं बताया कौन हैं आने वाले मेहमान के पापा

'किक', 'रेड', 'बर्फी', 'मैं तेरा हीरो', 'रुस्तम' जैसी कई शानदार फिल्मों में नजर आ चुकीं, बॉलीवुड एक्ट्रेस इलियाना डिक्रूज के घर जल्द किलकारियां गूंजने वाली हैं. पिछले काफी समय से बड़े पर्दे से दूर इलियाना डिक्रूज ने सोशल मीडिया पर गुड न्यूज शेयर करते हुए बताया है कि वह जल्द मम्मी बनने वाली हैं. 37 साल की इलियाना डिक्रूज ने अभी तक शादी नहीं की है.

इलियाना डिक्रूज ने अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट कर सभी को हैरान कर दिया. हालांकि, अपने होने वाले बच्चे के पापा को लेकर उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी है.इलियाना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर की है.

उन्होंने एक बेबी रोपर शेयर किया है, जिसपर लिखा है 'एंड सो द एडवेंचर बिगिन्स' और इसके साथ 'ममा' पेंडेंट की तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'कमिंग सून. मेरी नन्ही जान तुमसे मिलने का इंतजार नहीं कर सकती.'

इलियाना के प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट के बाद जहां उनके फैंस उन्हें जमकर बधाई दे रहे हैं तो वहीं सोशल मीडिया पर कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो ये जानने के लिए काफी एक्साइटेड हैं कि आखिर इस होने वाले बच्चे के पापा कौन हैं? हाल ही में ये खबर आईं थीं कि इलियाना डिक्रूज बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ के भाई सेबेस्टियन लॉरेंट मिशेल को डेट कर रही हैं. कॉफी विद करण सीजन 7 के एक एपिसोड में करण जौहर ने इनके रिश्ते को कंफर्म भी किया था. दोनों को साथ में फैमिली वेकेशन्स के दौरान भी स्पॉट किया गया था. लेकिन एक्ट्रेस ने अब तक इस रिश्ते को कंफर्म नहीं किया. इलियाना डिक्रूज कुछ साल पहले एंड्रयू नीबोन के साथ रिलेशनशिप में थीं. साल 2019 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था. आपको बता दें, इलियाना डिक्रूज एक खतरनाक बीमारी का सामना कर चुकी हैं. साल 2017 में उन्होंने अपनी बीमारी का खुलासा करते हुए बताया था कि वह 'बॉडी डिसमॉर्फिक डिसऑर्डर' की शिकार हैं.

इस बीमारी के चलते उन्हें जिंदगी खत्म कर लेने जैसे ख्याल आते थे. इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति अपने अंदर खामियां ढूढ़ता है. इस बीमारी में बॉडी का शेप बिगड़ जाता है, जिससे शरीर की बनावट अलग-सी दिखने लगती है.

सुनील शेट्टी ने दामाद केएल राहुल को विश किया बर्थडे

भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल 18 अप्रैल को अपना 31वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर उनके ससुर जी, यानी एक्टर सुनील शेट्टी ने उन्हें खास अंदाज में जन्मदिन की बधाइयां दी हैं। सुनील ने अथिया-केएल राहुल के शादी वाले दिन की अनसीन तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो राहुल के माथे पर टीका लगाते नजर आ रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए सुनील ने लिखा- 'आपको अपने जीवन में पाकर हम धन्य हैं, हैप्पी बर्थडे बाबा।' सुनील के इस पोस्ट पर केएल राहुल ने रिएक्ट करते हुए हार्ट इमोजी शेयर किया है। वहीं सेलेब्स और फैंस ने कमेंट सेक्शन में राहुल को ढेर बर्थडे विशेज भेजी हैं।

सुनिल के अलावा उनके बेटे अहान शेट्टी ने भी अपने जीजा जी केएल राहुल को विश किया। सोशल मीडिया पर फोटो शेयर करते हुए अहान ने लिखा- 'हैप्पी बर्थडे ब्रदर।' बता दें कि शादी के बाद यह केएल राहुल का पहला बर्थडे है। ऐसे में यूजर्स अथिया की बर्थडे विश का इंतजार कर रहे हैं।

कई मौकों पर केएल राहुल की तारीफ कर चुके हैं सुनील

शादी के बाद केएल राहुल और अथिया के बारे में बात करते हुए सुनील ने कहा था- 'मुझे पता था कि अथिया और केएल एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। केएल एक ऐसी जगह से आते हैं, जो मेरे होमटाउन से 3 किलोमीटर की दूरी पर है। वो मंगलोरियन लड़का है। यह स्वर्ग में बना मैच है।'

राहुल की क्रिकेट परफॉर्मेंस पर सुनील ने की थी बात

कुछ महीनों पहले क्रिकेट में केएल राहुल की परफॉर्मेंस पर बात करते हुए सुनील ने कहा था- 'मैं परेशान हूं क्योंकि वो मेरा बच्चा है। मैं उनके भविष्य लिए शुभकामनाएं दूंगा, लेकिन उन्हें देखकर मैंने यहां मौजूद हर क्रिकेटर की सराहना करना शुरू कर दिया है। जब आपका बच्चा किसी डाउनफॉल से गुजरता है, तो वो जितना बच्चे को डिस्टर्ब करता है, शायद उससे कहीं ज्यादा आपको इफेक्ट करता है। क्योंकि आप बतौर पिता उसे देखते हैं।'

सिर्फ एक इंसान की जरूरत का खाना खाती हूं : राम चरण की वाइफ उपासना

बिजनेसवुमन और राम चरण की वाइफ उपासना कमिनेनी ने हाल ही में अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि वो प्रेग्नेंसी में कन्वेंशनल तौर-तरीकों की बजाए हेल्दी लाइफ स्टाइल फॉलो कर रही हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि वो अपनी प्रेग्नेंसी के जरिए औरत की जिंदगी में आने वाले इस फेज को नया मतलब देना चाहती हैं। उन्होंने कहा- प्रेग्नेंसी का मतलब ये नहीं है कि आप खुद पर बंदिशें लगा लें। ये मत खाओ, वो मत खाओ, बाहर मत निकलो। मैं घर से बाहर निकल रही हूं, लगातार फ्लाइट से ट्रेवल कर रही हूं और नए लोगों से मिल रही हूं। उन्होंने आगे बताया- मेरे डॉक्टर ने मुझे डाइट चार्ट दिया है। मुझ पर कोई रोक-टोक नहीं है। मैं खुद ये चुन सकती हूं कि मुझे क्या खाना चाहिए। डॉक्टर ने कहा है कि मुझे दो लोगों के लिए नहीं सिर्फ एक ही इंसान की जरूरत के मुताबिक खाना है और मैं इस फेज को इंजॉय भी कर रही हूं। उन्होंने कहा- मैं प्रेग्नेंट हूं लेकिन मैं मैटरनिटी वाले गाउन या कपड़े नहीं पहनती। मुझे इस बात की खुशी है कि मैं अब भी मेरे पुराने कपड़ों मुझे फिट आते हैं। मैं सिर्फ आरामदायक कपड़े पहनना पसंद करती यही मेरा गो-टू स्टाइल भी है। अब तक तो मुझे लार्ज साइज़ कपड़ों की जरूरत नहीं पड़ी है। उपासना ने आगे कहा- रिहाना भी अपनी प्रेग्नेंसी में खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने पहले भी ये कर दिखाया है। मैं प्रेग्नेंट हूं और डाइट पर हूं। मुझे लगता है मैं ये कर सकती हूं। आपको जिंदगी के हर फेज में कॉन्फिडेंट और स्मार्ट होना चाहिए। राम चरण के पिता चिरंजीवी ने कुछ दिन पहले नोट शेयर कर अपने फैंस को उपासना की प्रेग्नेंसी के बारे में बताया था। उन्होंने लिखा था- मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है कि हनुमान जी के आशीर्वाद से राम चरण और उपासना अपना फर्स्ट बेबी एक्स्पेक्ट कर रहे हैं। बहुत सारा प्यार और आभार!

पार्टनर से अक्सर खटपट को दूर करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

अक्सर शादी या रिलेशनशिप में एक दौर ऐसा आ जाता है जब कपल की एक दूसरे से खटपट होने लगती है। कई बार आपके अपने पार्टनर से विचार या पसंद मेल नहीं खाते। आप एक दूसरे से बहस करने लगते हैं या अक्सर लड़ाई हो जाया करती है। इस तरह की नौबत आने पर आप अपने रिश्ते के खूबसूरत एहसास को भूलने लगते हैं। हो सकता है आपकी इन्हीं लड़ाई झगड़ों के कारण आप दूर हो जाएं लेकिन तब आपको अपनी इन्हीं छोटी छोटी लड़ाई पर पछतावा होता है और अपने पार्टनर की याद आने लगती है। लेकिन कई बार इन छोटी छोटी लड़ाई के कारण रिश्ते खराब हो सकते हैं। क्या आप भी अपने रिश्ते के उसी दौर में हैं? क्या जब भी आप अपने पार्टनर से मिलते हैं तो अक्सर लड़ाई हो जाती हैं या एक दूसरे से आप रूडली बात करते हैं? अगर ऐसा आपके भी रिश्ते में होने लगा है तो वक्त रहते कुछ आसान से टिप्स को अपनाकर इन लड़ाई झगड़ों से दूर होकर आप अपने रिश्ते को बचा सकते हैं।

झगड़े के बाद व्यवहार में न लाएं बदलाव

अक्सर पार्टनर के बीच बहस होने के बाद कुछ समय के लिए वह एक दूसरे के साथ पहले जैसा व्यवहार नहीं करते। जैसे एक साथ बैठ कर खाना पीना, या एक दूसरे को कॉल मैसेज करना। कितनी भी बहस या लड़ाई क्यों न हो, उनके साथ अपनी डेली रुटीन या पहले से तय प्रोग्राम में बदलाव न करें। लड़ाई के बाद भी उन्हें पहले की तरह की गुड नाइट मैसेज भेजें या साथ बैठ कर चाय नाश्ता करें।

एक दूसरे को दें वक्त

ज्यादातर झगड़े एक दूसरे को वक्त न देने या बातचीत न होने के कारण होते हैं। इसलिए अपने पार्टनर के साथ वक्त बिताएं। आजकल अक्सर ऐसा होता है कि कपल साथ तो होते हैं लेकिन उनका समय या तो फोन पर मैसेज और कॉल पर दूसरों के साथ बीतता है या किसी अन्य बातों में। लेकिन जब एक दूसरे के साथ हों तो हर पल को खुल कर एंजॉय करें।

पार्टनर संग करें बात

पार्टनर संग बात करने से रिश्ते मे आ रही कई दिक्कतें दूर हो सकती हैं। हो सकता है कि अक्सर होने वाली लड़ाई के कारण वह आपके साथ बैठ कर बातचीत न करना चाह रहे हों, ऐसे में उनके लिए छोटी-छोटी चीजों के लिए वक्त निकालें। जैसे बैठ कर बात करने के बजाए आप वॉक पर जा सकते हैं और रास्ते में बातों-बातों में अपनी भावनाएं रखें या उनके मन को समझे। पार्टनर को ड्राप करते समय भी उनसे बातें कर सकते हैं।

जल्द से जल्द प्रॉब्लम करें सॉल्व

किसी बात पर आप दोनों की लड़ाई हो जाए तो एक दूसरे के मनाने का इंतजार करने के बजाए बैठकर दोनों मिलकर उस बात का हल निकालें। समय पर बातें छोड़ने से रिश्ते में और परेशानी बढ़ सकती है। ये जानने का प्रयास करें कि उन्हें आपकी कौन सी बात अच्छी नहीं लगी और आप को उनकी किस बात पर गुस्सा आया। ताकि दोनों अगली बार ऐसी बातों को रिश्ते के बीच न आने दें।

गुस्से में न दें जवाब

कभी-कभी बातों ही बातों में आपको अपने पार्टनर की कोई बात बुरी लग सकती है लेकिन गुस्से में जवाब देने के बजाए चुप रहना सही होगा। हो सकता है आपके पार्टनर ने अंजाने में या आपकी भावना को ठेस न पहुंचाने के उद्देश्य से वह बात कही हो लेकिन अगर आप उस समय गुस्से में रिएक्ट करते हैं तो बात बिगड़ सकती है। ऐसे में बात को बदलकर कुछ और बातें करें।

खुद में लाएं ये बदलाव तो बच्चों को संस्कार देना हो जाएगा आसान

बच्चों की पहली शिक्षा घर से ही शुरू होती है। जो बच्चा घर पर देखता है वही सीखता है। माता-पिता बच्चे को अनुशासित रखने के लिए उसे संस्कार देते हैं और अच्छी बातें सिखाने की प्रयास करते हैं। हालांकि बच्चे सुनने से ज्यादा देखकर चीजों को अधिक सीखते हैं। माता पिता अपने बच्चे को अच्छे संस्कार और जीवन मूल्य सिखाना चाहते हैं लेकिन कई बार आपकी सिखाई बातों पर बच्चा पलटकर सवाल कर बैठता है कि क्या आप खुद उन मूल्यों को अपनाते हैं? या जो बातें आप बच्चे को सिखा रहे हैं, क्या आप खुद ऐसा करते हैं? बच्चों के पलटकर सवाल पूछने पर कुछ अभिभावक नाराज हो सकते हैं तो कुछ उनके सवालों पर चुप्पी साध लेते हैं। लेकिन बच्चा अपने सवाल का जवाब न मिलने पर संतुष्ट नहीं होते और आसानी से आपके सिखाए जीवन मूल्यों को नहीं अपनाते। अभिभावकों को बच्चों के सवालों का सम्मान करना चाहिए और अच्छे श्रोता की तरह उनकी बातों को सुनना व समझना चाहिए। इससे घर का वातावरण सकारात्मक होता है और बच्चा संस्कारी बनता है। आइए जानते हैं कि माता पिता को बच्चे को अच्छे संस्कार देने के लिए अपने जीवन में क्या बदलाव लाने की जरूरत है।

फोन का इस्तेमाल कम करें

अगर माता पिता खुद दिनभर फोन पर लगी रहती हैं या गॉसिप व चैटिंग करते रहते हैं तो बच्चा भी आपको देखकर यही सीखता है। ऐसे में जब आप बच्चे को मोबाइल का उपयोग करने से मना करते हैं या पढ़ाई पर ध्यान देने को कहते हैं तो वह पलटकर आपसे सवाल कर सकता है कि आप भी तो फोन का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए बच्चे को खेल-कूद में लगाएं। उनके साथ टहलने जा एं और उनके साथ कुछ एक्टिविटी में शामिल होने के लिए वक्त निकालें।

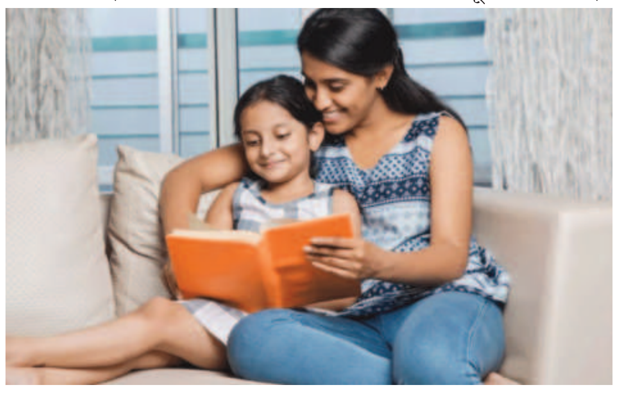

बच्चे के दोस्त बनें

बच्चे घर से बाहर निकलते हैं तो उनके नए दोस्त बनते हैं। वह बाहर से बहुत सारी बातें सीखते हैं, जो अच्छी या खराब दोनों तरह की हो सकती हैं। बच्चा बड़ा होने लगता है तो माता पिता से बातें छुपाने लगता है। लेकिन अगर आप चाहते हैं कि बच्चा आपसे कोई भी बात न छिपाए तो उसके साथ दोस्त की तरह पेश आएं।

खुद भी सीखें

बच्चे को किसी किताब को पढ़ने के लिए प्रेरित करने के लिए खुद भी किताब पढ़ें। जब आप खुद अपने हाथों में गैजेट्स के बदले किताब लेंगे तो बच्चा भी वैसा ही करेगा। आप बच्चे को वह काम करके दिखाएं जो आप उसे सिखाना चाहते हैं।

सम्मान करें

अगर आप चाहते हैं कि बच्चा विनम्र बनें और दूसरों का सम्मान करना सीखे तो पहले आप बच्चे को सम्मान देना शुरू करें। उनसे स्नेह और विनम्रता से बात करें। बच्चा आपको देखकर खुद भी इस आदत को जीवन में शामिल करता है और सम्मान करना सीखता है।

बची हुई रोटियों से झटपट तैयार करें रोटी समोसा

हर भारतीय घर में लंच और डिनर में रोटी खाना ही पसंद किया जाता है। ये खाने में जितनी सिंपल होती है, उतनी ही पौष्टिक होती है। गर्मागर्म रोटियां खाना हर किसी को पसंद होता है। पर, कई बार ऐसा होता है कि जब आप रोटी बना कर रखती हैं तो वो बच जाती हैं। ऐसे में इसे फेंकने का मन भी नहीं करता।

समोसे खाना लगभग हर किसी को पसंद होता है। कई बार ऐसा देखा जाता है कि, मैदे के समोसे लोग नहीं खाते क्योंकि मैदा शरीर को नुक्सान पहुंचाती है। ऐसे में आप बची हुई रोटी से जब समोसे बनाएंगे तो ये खाने में भी काफी टेस्टी लगेंगे और इसे खाने से ज्यादा नुक्सान भी नहीं होगा। आपको बची हुई रोटियों से समोसे बनाना सिखाते हैं।

सामग्री

- रोटी – 4
- आलू उबले – 2-3
- बेसन – 3 टी स्पून
- हरी मिर्च कटी – 2
- लाल मिर्च पाउडर – 1/2 टी स्पून
- गरम मसाला – 1/2 टी स्पून
- कलौंजी – 1/2 टी स्पून
- हरी धनिया पत्ती – 2-3 टेबलस्पून
- तेल – तलने के लिए
- नमक – स्वादानुसार

विधि

रोटी के समोसा बनाने के लिए सबसे पहले आप आलू उबाल कर इन्हें ठंडा कर लें। अब इसका छिलका उतार करके अच्छी तरह से मैश कर लें। इसके बाद एक कड़ाही में तेल डाल कर उसमें कलौंजी और हरी मिर्च डालकर कुछ सेकेंड तक भूनें। इसके बाद मसला हुआ आलू कड़ाही में डालें और उसे चम्मच की मदद से चलाते हुए फ्राई करें। इसे कुछ मिनट तक अच्छे से भूनें।

इसके बाद अब इसमें सभी मसाले और नमक डाल कर अच्छे से मिला लें। जब ये तैयार हो जाए तो इसके ऊपर धनिए की पत्तियां डालें। अब इसे अलग रख कर ठंडा कर लें।

समोसे को चिपकाने के लिए बेसन का गाढ़ा घोल तैयार करें। इसके बाद रोटी को बीच से काट लें।

अब एक टुकड़ा लेकर इसका कोन बनाएं और इसमें आलू की फिलिंग भरें।

लास्ट में इसे समोसे का आकार देकर बेसन के घोल की मदद से चिपका दें। अब एक कड़ाही तेल गर्म करके उसमें रोटी समोसा को डालकर डीप फ्राई करें। इसे चटनी के साथ गर्मागर्म ही परोसें।

घर पर ऐसे बनाएं मलाई पराठा

अगर भारतीय घरों की बात करें तो यहां के हर घर में सुबह के नाश्ते में पराठा खाना हर किसी को पसंद आता है। आलू के पराठे, प्याज के पराठे, पनीर के पराठे और अन्य चीजों को भरके भी पराठे बनाए जाते हैं। आज हम आपको कुछ अलग सा पराठा बनाना सिखाएंगे, जिसे आपके बच्चे भी काफी चाव से खाएंगे।

दूध से बनीं रेसिपी हर किसी को पसंद आती है। ये खाने में स्वादिष्ट के साथ-साथ काफी पौष्टिक भी होती हैं। इसी के चलते आज हम आपको मलाई का पराठा बनाना बताएंगे। ये कम वक्त में बन भी जाता है और खाने में भी स्वादिष्ट लगता है।

मलाई का पराठा बनाने के लिए जरूरी सामग्री

- 1 कप दूध की मलाई
- 1 कटोरी आटा
- 1/4 टी स्पून इलायची पाउडर
- स्वादानुसार चीनी पाउडर जरूरत के मुताबिक
- जरूरत के मुताबिक देसी घी
- 1 चुटकी नमक

मलाई पराठा बनाने की विधि

मलाई पराठा बनाने के लिए सबसे पहले आटा गूंथ कर तैयार कर लें। इसमें एक चुटकी नमक जरूर मिलाएं। अब एक बाउल में मलाई लेकर उसमें अच्छे से चीनी का पाउडर मिला लें।

अब चीनी को मलाई में मिलाकर इसे साइड में रख दें। इसके बाद आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें। अब एक चम्मच की मदद से लोई में मलाई का मिश्रण रख कर इसका पराठा बेल लें। पराठा बनाते समय ध्यान रखें कि इस पर ज्यादा तेज हाथ ना चलाएं। अब इसे तवे पर सुनहरा होने तक सेकें। बस इसके बाद आपका मलाई पराठा तैयार है। अब अपने बच्चों को नाश्ते में ये टेस्टी मलाई पराठा खिलाएं।

बालों पर कड़ी पत्ते के फायदे लंबे-घने लहरायेंगे बाल

बालों की कई समस्याओं को दूर करने के लिए हम ना जानें किन-किन तरीकों को अपनी दिनचर्या में जोड़ लेते हैं. ऐसे में बता दें कि कड़ी पत्ते के इस्तेमाल से बालों की कई समस्याएं दूर हो सकती हैं. ऐसे में इसको इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में पता होना जरूरी है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि करी पत्ते के इस्तेमाल से सेहत को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं. पढ़ते हैं आगे

बालों की ग्रोथ को बढ़ाना चाहते हैं तो ऐसे में आप मेथी की पत्तियां, एक आमला और एक मुट्ठी करी पत्ते को मिक्स करके पेस्ट बनाएं और बने मिश्रण को 30 से 40 मिनट के लिए अपने बालों में लगाएं. उसके बाद अपने बालों को साधारण पानी से धो लें. ऐसा करने से घने बालों की इच्छा को पूरा किया जा सकता है.

यदि आप बालों की डैंड्रफ से परेशान हैं तो ऐसे में आप अपने बालों में करी पत्ते और दही के मिश्रण को लगा सकते हैं. इसे लगाने से डैंड्रफ की समस्या से राहत मिल सकती है.

यदि आपके बाल टूटते हैं या आपके बाल बेजान है तो ऐसे में आप नारियल तेल में करी पत्ते को पकाएं और बने मिश्रण को प्रभावित स्थान पर लगाएं. ऐसा करने से हेयर फॉल की समस्या से राहत मिल सकती है.

यदि आप अपने बालों में मेहंदी लगाती हैं तो ऐसे में आप मेहंदी में करी पत्ते को मिलाकर अपने बालों को काला और घना बना सकती हैं.

यदि आप बालों की कंडीशनिंग करना चाहती हैं तो ऐसे में आप मेहंदी के पत्ते में कड़ी पत्ते को मिलाएं और बने मिश्रण में अंडा और नारियल का तेल डालें. अब तैयार मिश्रण को बालों पर लगाएं. ऐसा करने से बालों को कंडीशनिंग किया जा सकता है.

बच्चों की ऑनलाइन एक्टिविटीज पर नजर रखने के आसान तरीके

आज के दौर में बच्चों को इंटरनेट से दूर रखना नामुमकिन है। लेकिन इंटरनेट की दुनिया ना सिर्फ अच्छी चीजें सिखाती हैं, बल्कि यहां गलत चीजों का भी अनलिमिटेड भंडार है। ऐसे में कई माता-पिता को अपने बच्चों की चिंता रहती है कि कहीं वे कुछ आपत्तिजनक कॉन्टेंट ना देखने लगे। अब आप उनको इंटरनेट से दूर तो नहीं कर सकते, लेकिन उन पर नजर जरूर रख सकते हैं, वह भी उनकी फीलिंग्स को ठेस पहुंचाए बगैर। ये सब करने के लिए बहुत ही आसान तरीके हैं। आइए आज ऐसे ही 4 तरीकों के बारे में जानते हैं:

1. वेब ब्राउजिंग पर नजर

सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप उनके वेब ब्राउजर पर नजर रखें जैसे कि वे क्या सर्च करते हैं, किस तरह की साइट्स पर नियमित रूप से एक्टिव रहते हैं। इसके लिए आप गुगल फॉमली लिंक का उपयोग कर सकते हैं। गुगल फॉमली लिंक के एप को आप अपने फोन पर आसानी से डाउनलोड कर सकते हैं।

इसका इस्तेमाल करना भी बहुत आसान है। गुगल फॉमली लिंक की मदद से आप बच्चों की डेली एक्टिविटीज पर पूरी तरह नजर रख सकते हैं और जान सकते हैं कि वे किस समय क्या देख रहे हैं और कितनी देर तक उस साइट विशेष पर एक्टिव थे। अगर आपको कुछ गलत एक्टिविटी दिखती है तो आप अपने बच्चों से बात करके उन्हें समझा सकते हैं कि क्या सही है और क्या गलत।

2. बच्चों के लिए डेटा लिमिट करें

अगर आप चाहते हैं कि बच्चे ज्यादा देर तक इंटरनेट पर एक्टिव न रहें, जब उनका काम खत्म हो जाए तब इंटरनेट के बजाय पुस्तकों से पढ़ाई करें तो आप डेटा लिमिट फीचर का इस्तेमाल कर सकते हैं। हम सभी के स्मार्टफोन्स में डेटा लिमिट का ऑप्शन दिया जाता है, जिससे हम एक खास डेटा लिमिट सेट कर सकते हैं। इस लिमिट के पार होने के बाद इंटरनेट चलना बंद हो जाएगा। डेटा लिमिट सेट करने के लिए पहले आपको सेटिंग्स में जाना है, फिर नेटवर्क्स में जाकर उसके बाद मोबाइन डेटा पर क्लिक करना है (Settings >>> Networks >>> Mobile deta)। इसमें आपको डेटा लिमिट का ऑप्शन मिलेगा, जहां जाकर आप एक खास डेटा लिमिट सेट कर सकते हैं। आपके बच्चे जिन एप्स का सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं, उनका डेटा लिमिट आप पहले ही सेट करके रखें। उस लिमिट के क्रॉस होते ही फोन में इंटरनेट चलेगा ही नहीं।

3. स्क्रीन पिनिंग

कई बार ऐसा होता है कि आपने जिस काम के लिए बच्चों को फ़ोन दिया है, बच्चे उसे छोड़कर कुछ और ही कर रहे होते हैं। ऐसे में स्क्रीन पिनिंग (Screen Pinning) का ऑप्शन बहुत काम आता है। Screen Pin कर देने से बच्चे Pinned एप के अलावा और कोई एप आपकी अनुमति के बगैर इस्तेमाल नहीं कर सकते। Screen Pin करने के लिए Settings में जाएं और Screen Pinning या App Pinning को सर्च करें और अपने हिसाब से एप को सिलेक्ट करके इनेबल कर दीजिए। उसके बाद आपके बच्चे सिर्फ उन्हीं एप्स को खोल पाएंगे, जिन्हें अपने Pin किया होगा।

4. एप पर्चेसेज

आपके बच्चे आपके फ़ोन से किसी एप को खरीद ना लें या उसमें फालतू पैसा ना लगा दें,

इसके लिए आप अपने एप स्टोर में जाकर एप एक्सेस को रेस्ट्रिक्ट कर सकते हैं और साथ ही 'एज रेस्ट्रिक्शन' लगा सकते हैं,

जिससे किसी भी तरह के एडल्ट एप्स उन्हें शो नहीं होंगे। ऐसा करने के लिए सबसे पहले एप परचेज पर पॉसवर्ड सेट करना होगा। इसके बाद ही आप एप एक्सेस को रेस्ट्रिक्ट कर

खोखली है भारतीय शिक्षा व्यवस्था?

आपकी डिग्रियों को रद्दी बराबर मानती हैं कंपनियां

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत अभी आर्थिक मोर्चे पर खूब झंडे गाड़ रहा है। एक तरफ देश लगातार दुनिया की सबसे तेज वृद्धि करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, तो दूसरी ओर गूगल से लेकर ऐपल जैसी कई दिग्गज कंपनियों की अगुवाई भारतीय मूल के लोग कर रहे हैं। हालांकि इसके साथ-साथ कुछ चिंताजनक बातें भी उभर रही हैं। भारत के सामने अभी सबसे बड़ी समस्या है तेजी से वर्कफोर्स में शामिल हो रही युवा आबादी को रोजगार मुहैया कराने की। और इस राह में सबसे बड़ा रोड़ा बन रही हैं युवाओं की डिग्रियां।

हर साल बढ़ रहा वर्कफोर्स

ब्लूमबर्ग की एक ताजी रिपोर्ट में भारतीय युवाओं की डिग्रियों को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। रिपोर्ट में कई कंपनियों के अनुभवों के आधार पर कहा गया है कि अभी सबसे बड़ी समस्या योग्य लोगों की है। रोजगार के मौके हैं, कंपनियों को जरूरत है, कंपनियां लोगों को खोज रही हैं, लेकिन उन्हें उचित योग्यता वाले लोग नहीं मिल पा रहे हैं। यह हाल तब है, जब हर साल लाखों लोग ग्रेजुएट होकर कॉलेज से निकल रहे हैं और वर्कफोर्स का हिस्सा बन रहे हैं।

भारतीय शिक्षा की ये खाई जिम्मेदार

रिपोर्ट के अनुसार, नौकरी पाने की लालसा में कई युवा दो या तीन डिग्रियां ले रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी उन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा है। दरअसल इसके लिए भारतीय शिक्षा व्यवस्था की वह खाई जिम्मेदार है, जो एक तरफ सुंदर पिचाई और सत्या नडेला जैसे लोग पैदा कर रही है, तो दूसरी ओर थोक में ऐसे ग्रेजुएट तैयार कर रही है, जिनके पास काम करने लायक कौशल या ज्ञान नहीं है।

ऐसे संस्थानों ने बढ़ाई समस्या

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय शिक्षा व्यवस्था की खाई को थोक में खुल रहे वैसे छोटे प्राइवेट कॉलेज और बड़ी कर रहे हैं, जिनके पास बुनियादी संरचना तक नहीं है। कई कॉलेज तो दो कमरों के अपार्टमेंट में चल रहे हैं। ऐसे कॉलेजों में न तो नियमित क्लास होती हैं, न ही योग्य शिक्षक रखे जाते हैं। इसके अलावा ये कॉलेज पुराने ढर्रे के पाठ्यक्रमों को घसीटते चले जाते हैं और अपने स्टूडेंट्स को कोई प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस या जॉब प्लेसमेंट नहीं दिला पाते हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में की गई बातें गलत भी नहीं हैं। देश के हर छोटे-बड़े शहरों में ऐसे शैक्षणिक संस्थान खुलेआम मिल जाते हैं, जो तरह-तरह के कोर्स ऑफर कर युवाओं को नौकरी दिलाने का प्रलोभन देते हैं। नौकरी की चाह में युवा इनके झांसे में आ जाते हैं। ऐसे में उनके पास डिग्री तो आती है, लेकिन वाकई में उस डिग्री की वैल्यू रद्दी बराबर ही होती है।

नौकरी लायक नहीं आधे ग्रेजुएट्स

भारत के शैक्षणिक क्षेत्र की बात करें तो यह एक बड़ी इंडस्ट्री के तौर पर उभरा है। भारत में संगठित शिक्षा क्षेत्र करीब 120 बिलियन डॉलर का बाजार है। इतने बड़े बाजार की पोल टैलेंट असेसमेंट फर्म व्हीबॉक्स की एक स्टडी के रिजल्टों से खुलती है।

भारत में एपल का पहला स्टोर खुला : मुंबई में सीईओ टिम कुक ने दरवाजा खोलकर हाथ जोड़े

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में टेक कंपनी एपल का पहला ऑफिशियल स्टोर ओपन हो गया है। सीईओ टिम कुक ने कंपनी के पहले फ्लैगशिप रिटेल स्टोर को मुंबई में आज, यानी 18 अप्रैल को सुबह 11 बजे ओपन किया। उन्होंने स्टोर का दरवाजा खोला और लोगों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में ये स्टोर बनाया गया है। एपल के अब 25 देशों में कुल 551 स्टोर हो गए हैं। दिल्ली के साकेत में एपल का एक और स्टोर 20 अप्रैल को खुलेगा, जिसके बाद इसकी संख्या बढ़कर 552 हो जाएगी। यहां कई लोगों के मन में सवाल होगा कि एपल के कई स्टोर तो पहले से ही भारत में है, इसमें नया क्या है? दरअसल, अभी जितने भी स्टोर एपल के प्रोडक्ट बेच रहे हैं, वो सभी कंपनी के प्रीमियम रिसेलर हैं। प्रीमियम रिसेलर का मतलब ऐसे थर्ड पार्टी स्टोर से है, जिन्होंने डिवाइस सेल करने के लिए एपल से लाइसेंस लिया है। एपल के ऑफिशियल और थर्ड पार्टी स्टोर्स में सबसे बड़ा अंतर है कस्टमर एक्सपीरियंस का। ऑफिशियल रिटेल स्टोर्स को अपने प्रीमियम कस्टमर एक्सपीरियंस के लिए दुनियाभर में जाना जाता है। इसके अलावा भी इन स्टोर्स की कई सारी खूबियां हैं। इस स्टोर में 50% महिला कर्मी हैं और स्टोर का नेतृत्व भी महिला के हाथ में है।

सबसे पहले एपल बीकेसी स्टोर के बारे में जानें...

एपल के मुंबई आउटलेट को एपल बीकेसी नाम दिया गया है। ये मुंबई के बांद्रा कुर्ला इलाके के जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में हैं। मुंबई सेंट्रल से इसकी दूरी करीब 14 किलोमीटर है। इस स्टोर का डिजाइन शहर की आइकॉनिक 'काली-पीली' टैक्सियों से इंस्पायर है। इसका हर महीने का किराया 42 लाख रुपए है। रेंट को हर तीन महीने में पे किया जाएगा।

1. क्या एपल के प्रोडक्ट सस्ते मिलेंगे?

एपल स्टोर पर कीमत आम तौर पर जियोमार्ट, क्रोमा और अमेजन जैसे प्लेटफॉर्म से ज्यादा होती है। हां ये जरूर है कि अगर एपल की तरफ से कोई स्पेशल डिस्काउंट ऑफर किया जा रहा हो तो उसका फायदा मिल सकता है। इसलिए प्रोडक्ट सस्ता मिलने की कोई गारंटी नहीं है।

2. क्या प्रोडक्ट अवेलिबिलिटी की परेशानी दूर होगी?

एपल के स्टोर के पास विशाल इन्वेंट्री रहती है। यानी सभी प्रकार के प्रोडक्ट और कलर स्टॉक में ज्यादातर समय अवेलेबल रहते हैं। यदि कोई ग्राहक आईएमएसी जैसे प्रोडक्ट को अपने हिसाब से कॉन्फिगर करके लेना चाहता हो तो वो भी कर सकता है। एपल स्टोर्स में डेमो और खरीद के लिए उपलब्ध डिवाइस रेंज बहुत बड़ी है।

क्या प्रोडक्ट सर्विसिंग में कम समय लगेगा?

अभी तक देश में थर्ड पार्टी के जरिए एपल के सर्विस सेंटर्स को उसके स्टोर से अलग ऑपरेट किया जाता था। अब कस्टमर्स को इन-स्टोर सर्विसिंग फैसिलिटीज मिलेगी। इसे 'जीनियस बे' कहा जाता है। इससे पार्ट की अवेलेबिलिटी न होने के कारण होने वाली देरी की समस्या खत्म होगी। सर्विस भी ट्रेंड प्रोफेशनल्स करेंगे। जीनियस बे डिवाइस सेट करने और एपल आईडी रिकवर करने से लेकर सब्सक्रिप्शन और बिलिंग हर चीज में मदद करेगा। फिजिकल डैमेज के मामले में एक्सपर्ट देखेगा कि डिवाइस में किस चीज की जरूरत है और क्या यह वारंटी के तहत आता है या एपल केयर में ये कवर है।

क्या ऑनलाइन ऑर्डर कर सकेंगे?

ऑनलाइन ऑर्डर करने के लिए एपल ने साल 2020 में ही अपनी सर्विसेस इंडिया में लॉन्च कर दी थीं। यानी किसी भी डिवाइस को ऑनलाइन खरीदा जा सकता था। हालांकि अब ऑनलाइन खरीदारी करने के बाद प्रोडक्ट को स्टोर से पिक करने का ऑप्शन भी मिलेगा।

क्यों उदय कोटक ने कहा

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में गिरावट की भविष्यवाणी करना है अपरिपक्वता की निशानी!

वाशिंगटन, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका में महंगे कर्ज का असर टेक कंपनियों पर पड़ा है जिसके चलते टेक कंपनियां लगातार छंटनी कर रही हैं। हाल ही में अमेरिका में बैंकिंग क्राइसिस भी देखने को मिला है। सिलिकन वैली बैंक और सिंग्नेचर बैंक ठप्प पड़ गया। कमरतोड़ महंगाई और महंगे कर्ज के चलते 2023 के दूसरी छमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में आंशिक मंदी आने की भविष्यवाणी की जा रही है। अमेरिका में आर्थिक विकास की रफ्तार की गति धीमी पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इन तमाम दलीलों पर देश के दिग्गज बैंकर और कोटक महिंद्रा बैंक के चेयरमैन एमडी उदय कोटक ने सवाल उठाये हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के आर्थिक विकास में गिरावट की बात करना अपरिपक्वता है। उदय कोटक ने ट्विट किया कि वैल्यूएशन के लिहाज से दुनिया की 10 में 9 कंपनियां अमेरिकी है और एक कंपनी सऊदी अरब की है। उन्होंने कहा कि इस सूची में ना तो कोई यूरोपीय कंपनी है और ना चीन की और ना कोई भारतीय कंपनी शामिल है। इसलिए अमेरिका के गिरने की बात करना अपरिपक्वता की निशानी है। उदय कोटक ने अपने ट्वीट में बताया कि दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी एप्पल है जिसका मार्केट कैपिटलाईजेशन 2.598 ट्रलियन डॉलर है। उसके बाद माइक्रोसॉफ्ट का नंबर आता है जिसका मार्केट कैप 2.13 ट्रिलियन डॉलर है। तीसरे स्थान पर सऊदी अरब की सउदी अरैमको है जिसका मार्केट वैल्यू 2.032 ट्रिलियन डॉलर है। चौथे स्थान पर गूगल आता है जिसका वैल्यू 1.349 ट्रिलियन डॉलर है। पांचवें स्थान पर अमेजन 1.043 ट्रिलियन डॉलर, छठे पर 711.10 बिलियन डॉलर के साथ बर्कशायर हाथवे, सातवें स्थान पर एनवीइंडिया है जिसका वैल्यू 655.48 बिलियन डॉलर है। आठवें पर 580.11 ट्रिलियन डॉलर के साथ टेस्ला। नैवें पर 564.65 बिलियन डॉलर के साथ मेटा और 10वें स्थान जॉनसन एंड जॉनसन है जिसका मार्केट कैप 516.05 ट्रिलियन डॉलर है।

एफएमसीजी और एनर्जी स्टॉक्स में गिरावट के चलते लाल निशान में बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। इस हफ्ते लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ है। एफएमसीजी और एनर्जी स्टॉक्स में मुनाफावसूली के चलते बाजार में ये गिरावट रही। आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 184 अंकों की गिरावट के साथ 59,727 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 47 अंकों की गिरावट के साथ 17,660 अंकों पर बंद हुआ है। हालांकि दोनों ही इंडेक्स ने निचले लेवल से रिकवरी दिखाई है। क्योंकि एक समय सेंसेक्स 431 तो निफ्टी 104 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। आज के ट्रेड में आईटी, फार्मा, मेटल्स, हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में तेजी रही। एनर्जी, एफएमसीजी,कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस जैसे सेक्टर के शेयरों में गिरावट देखने को मिली है। बाजार में हलांकि मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में अच्छी तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 15 तेजी के साथ और 15 गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 22 तेजी के साथ तो 28 शेयर गिरकर बंद हुए। कल की गिरावट के बाद आईटी स्टॉक्स आज संभलते नजर आये। एचसीएल टेक 1.99 फीसदी, विप्रो 1.63 फीसदी, नेस्ले 1.63 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.90 फीसदी, सन फार्मा 0.71 फीसदी, मारुति सुजुकी 0।66 फीसदी, लार्सन 0.49 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.44 फीसदी, टाटा स्टील 0.37 फीसदी , एसबीआई 0.33 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि पावर ग्रिड 2।62 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.85 फीसदी, रिलायंस 1.13 फीसदी, टाइटन कंपनी 1.12 फीसदी, एचडीएफसी 0.75 फीसदी बजाज फाइनैंस 0.72 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।आज के कारोबारी सत्र में भी निवेशकों की संपत्ति के आंकड़े में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड कंपनी का मार्केट कैपिटलाईजेशन बढ़कर 265.95 करोड़ रुपये रहा है जो सोमवार को 265.94 लाख करोड़ रुपये रहा था।

सोना फिर हुआ 60 हजारी

चांदी ने पार किया 75 हजार रुपये का ऊपरी लेवल

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। सोना और चांदी दोनों आज अपनी चमक बिखेर रहे हैं। ग्लोबल बाजार में भी चांदी और सोने की मांग में जोरदार इजाफा देखा जा रहा है और इसके साथ ही देश में भी इसका असर देखा जा रहा है। मंगलवार को सोना और चांदी दोनों ऊपरी लेवल पर कारोबार कर रहे हैं। सोना एक बार फिर अपने अपने अहम लेवल 60,000 को पार कर गया है और चांदी में 75,000 से ऊपर के स्तर देखे जा रहे हैं।

सोने के दाम आज कहां पर पहुंचे

एमसीएक्स यानी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने के दाम आज तेजी के साथ ऊपर चढ़ रहे हैं। सोने में 60260 रुपये पर कारोबार चल रहा है और ये 80 रुपये या 0.13 फीसदी की मजबूती के साथ कारोबार देखा जा रहा है।

आज सोने में नीचे की तरफ 60200 रुपये तक के लेवल देखे गए थे और ऊपर में 60372 रुपये तक सोने के दाम चले गए थे। सोने की ये कीमतें इसके जून वायदा के लिए हैं।

चांदी के दाम कहां पर आए

एमसीएक्स पर चांदी के दाम देखें तो इसमें 178 रुपये या 0.24 फीसदी की मजबूती देखी जा रही है। चांदी में इस समय 75025 रुपये के लेवल देखे जा रहे हैं। इसमें आज 75104 रुपये के निचले स्तर देखे गए हैं और ऊपर में 74812 रुपये तक चांदी के दाम गए थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के ये दाम इसके मई वायदा के लिए हैं।

रिटेल मार्केट में सोने के दाम

दिल्ली में 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने के दाम 110 रुपये की गिरावट के साथ 60,920 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं।

मुंबई में 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने के दाम 110 रुपये की गिरावट के साथ 60,920 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं। कोलकाता में 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने के दाम 110 रुपये की गिरावट के साथ 60,920 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं। चेन्नई में 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने के दाम 40 रुपये की गिरावट के साथ 60,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं।

मुंबई से नागपुर जा रहा इंडिगो विमान टेल स्ट्राइक का शिकार हुआ, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई से आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-203 नागपुर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान टेल स्ट्राइक का शिकार हो गई। यह घटना 14 अप्रैल को हुई जब उड़ान संख्या 6ई 203 मुंबई से नागपुर जा रही थी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, "14 अप्रैल 2023 को मुंबई से आ रही उड़ान संख्या 6ई 203 नागपुर में उतरते समय पिछले हिस्से में टकरा गई थी। विमान को आकलन और मरम्मत के लिए नागपुर हवाई अड्डे पर खड़ा घोषित कर दिया गया था। इंडिगो ने एक बयान में कहा, घटना की विस्तृत जांच की जा रही है। एयरलाइन ने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। टेल स्ट्राइक तब होती है जब किसी विमान की पूंछ या एम्पेनेज टेक-ऑफ या लैंडिंग के दौरान जमीन या किसी अन्य स्थिर वस्तु से टकराती है।

वर्ल्डलाइन की रिपोर्ट

यूपीआई से हुए 126 लाख करोड़ के लेनदेन, 54 फीसदी इजाफा

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में डिजिटल भुगतान का चलन कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। इसमें यूपीआई की बड़ी भूमिका रही है। पिछले साल यानी 2022 में यूपीआई से 126 लाख करोड़ रुपये के 74 अरब लेनदेन हुए। सालाना आधार पर ये आंकड़े मूल्य के लिहाज से 54 फीसदी व संख्या के हिसाब से 70 फीसदी ज्यादा हैं। वर्ल्डलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी-दिसंबर, 2022 में यूपीआई, डेबिट-क्रेडिट कार्ड व प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स जैसे साधनों से कुल 149.5 लाख करोड़ के 87.92 अरब लेनदेन हुए। इसमें यूपीआई पर्सन-टु-मर्चेंट (पी2एम) और यूपीआई पर्सन-टु-पर्सन (पी2पी) पसंदीदा भुगतान माध्यम रहे। यूपीआई पी2पी की हिस्सेदारी मूल्य और संख्या के लिहाज से सबसे ज्यादा क्रमशः 44 फीसदी एवं 66 फीसदी रही। पीओएस मशीन से लेनदेन में यूपी, दिल्ली और पंजाब शीर्ष-10 में : देशभर में प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों की संख्या दिसंबर, 2022 तक 37 फीसदी बढ़कर 75.5 लाख इकाई पहुंच गई। सबसे ज्यादा पीओएस लगाने वाले राज्यों के लिहाज से शीर्ष-10 में यूपी 5वें, दिल्ली 6वें और पंजाब 10वें स्थान पर है।

बेमौसम बारिश से गेहूं को नुकसान एमएसपी पर सरकारी खरीद 18 फीसदी घटकर 41 लाख टन

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार ने चालू विपणन वर्ष 2023-24 (अप्रैल-मार्च) में अब तक किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 41 लाख टन गेहूं खरीद की है। यह पिछले साल इस अवधि में की गई खरीद की तुलना में 18 फीसदी कम है। भारतीय खाद्य निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अशोक के मीणा ने कहा, बेमौसम बारिश ने गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचाया। कई जगह गेहूं की गुणवत्ता भी खराब हुई है। कटाई में देरी और पंजाब, हरियाणा, यूपी व राजस्थान की मंडियों में कम आवक से खरीद कम हुई।

अरहर व उड़द दाल के भंडार पर केंद्र की नजर

उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने सोमवार को कहा, अरहर व उड़द दाल के घरेलू भंडार पर केंद्र की निगरानी जारी रहेगी। यह सुनिश्चित करेंगे कि व्यापारी अपने भंडार का सही तरीके से खुलासा करें। उन्होंने कहा, बाजार के कारोबारियों और राज्य अधिकारियों से पता चला है कि ई-पोर्टल पर पंजीकरण और स्टॉक के बारे में जानकारी देने की संख्या बढ़ रही है।

कांग्रेस ने धरावी परियोजना अदाणी समूह को सौंपे जाने पर सवाल उठाए पूछा- क्यों बदली निविदा की शर्तें

नई दिल्ली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार की धारावी परियोजना से पिछले विजेता को जानबूझकर बाहर किया गया है। कांग्रेस ने पूछा है कि क्या निविदा की शर्तों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'पसंदीदा कारोबारी समूह' अदाणी को मदद पहुंचाने के लिए बदला गया है? बता दें कि हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से अदाणी समूह के खिलाफ धोखाधड़ी वाले लेनदेन और शेयर-मूल्य में हेरफेर सहित कई आरोप लगाए जाने के बाद कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग कर रहा है। वहीं दूसरी ओर, गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले समूह ने अपने ऊपर लगे आरोपों को झूठा बताते हुए उसे खारिज कर दिया है और कहा है कि वे सभी कानूनों और डिस्क्लोजर प्रक्रियाओं का पालन करते हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि फरवरी में कांग्रेस पार्टी ने 'हम अदाणी के हैं कौन(एचएएचके)' शृंखला के तहत प्रधानमंत्री मोदी से धारावी के लिए लगने वाली बोली की शर्तों में बदलाव के बारे में बताने को कहा था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष	में	मेष--	05-46 बजे
चंद्र-	मीन	में	वृष--	07-31 बजे
मंगल	मिथुन	में	मिथुन..	09-32 बजे
बुध-	मेष	में	कर्क...	11-44 बजे
गुरु-	मीन	में	सिंह...	13-56 बजे
शुक्र-	वृष	में	कन्या..	16-03 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	18-09 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	20-18 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	22-32 बजे
			मकर..	00-38 बजे
			कुंभ...	02-29 बजे
			मीन ..	04-07 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2548,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 06-01 सूर्य अस्त- 18-29
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - 11 -23 तक उपरान्त अमावस
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष , बुधवार April 19
नक्षत्र - रेवती - 23- 52 - तक उपरान्त अश्विनी
योग - वैधृति -15 - 24 - तक उप - विष्कुंभ
करण- शकुनि -11 - 23 - तक उप- चतुष्पाद
विशेष:- पितृ कार्ये अमावस्या
व्रत -त्योहार - पंचक रात्रि-23-52 तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:15 से 13:50 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:01 - 07:33	शुभ	उत्पात	18:29 - 19:58	अशुभ
अमृत.	07:33 - 09:07	शुभ	शुभ	19:58 - 21:23	शुभ
काल.	09:07 - 10:41	अशुभ	अमृत	21:23 - 22:49	शुभ
शुभ.	10:41 - 12:15	शुभ	चंचल	22:49 - 00:15	शुभ
रोग	12:15 - 13:50	अशुभ	रोग	00:15 - 01:41	अशुभ
उत्पात	13:50 - 15:24	अशुभ	काल	01:41 - 03:07	अशुभ
चंचल	15:24 - 16:58	शुभ	लाभ	03:07 - 04:32	शुभ
लाभ	16:58 - 18:29	शुभ	उत्पात	04:32 - 06:01	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) उन चीज़ों पर काम करने के लिए फ़ायदेमंद दिन है जो आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाएंगी। किसी भी लंबी अवधि के निवेश से बचें और बाहर जाकर अपने अच्छे दोस्त के साथ कुछ सुखद पल बिताने की कोशिश करें। समस्याओं को अपने दिमाग से निकाल दें और घर और दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने पर ध्यान दें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) अधिक आशावादी बनने के लिए खुद को प्रेरित करें। यह आत्मविश्वास और लचीलापन बढ़ाता है लेकिन साथ ही साथ डर, नफरत, ईर्ष्या, प्रतिशोध जैसी नकारात्मक भावनाओं को छोड़ने के लिए तैयार करता है। यदि आप दिन भर पैसों की समस्या से जूझते रहते हैं, तो भी शाम को आपको लाभ मिलने की संभावना है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,) अपने दिमाग को परेशान करने वाली समस्याओं को सुलझाने के लिए आपको अपनी बुद्धिमत्ता, चतुराई और कूटनीति से काम लेने की जरूरत है। वित्त में सुधार आपके लिए लंबे समय से बकाया और बिलों का भुगतान करना आपके लिए सुविधाजनक बना देगा।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) दोस्त सहयोगी हैं और आपको खुश रखेंगे। धन का अचानक प्रवाह आपके बिलों और तत्काल खर्चों का ख्याल रखता है। जीवनसाथी की सेहत तनाव और चिंता की वजह बन सकती है। दिन आपके चारों ओर गुलाब की ख़ुशबू लेकर आएगा। प्रेम की परमानंद का आनंद लें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) जीवन के प्रति उदार रवैया अपनाएं। अपनी रहन-सहन की स्थिति के बारे में शिकायत करने और परेशान होने का कोई फायदा नहीं है। यह भिखारी सोच ही है जो जीवन की सुगंध को नष्ट कर देती है और संतोषी जीवन जीने की आशा को खत्म कर देती है।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,) स्वास्थ्य कुछ मानसिक दबावों के बावजूद ठीक रहेगा। आज आप बिना किसी की मदद या सहायता के पैसा कमाने में सफल रहेंगे। आपकी समय पर मदद किसी को दुर्भाग्य का अनुभव करने से बचाएगी। प्यार का जादू आज के दिन आपको बांधे रखने के लिए पूरी तरह तैयार है। केवल आनंद को महसूस करो।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) कुछ आघातों का सामना करने के लिए आपको अत्यधिक साहस और शक्ति का प्रदर्शन करने की आवश्यकता है। आप अपने आशावादी रवैये से इन पर आसानी से काबू पा सकते हैं। छोटे स्तर का व्यापार करने वाले जातकों को आज अपने करीबियों से कोई सलाह मिल सकती है।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,) आपका अत्यधिक आत्मविश्वास और काम का आसान शेड्यूल आज आपको आराम करने के लिए काफ़ी समय देगा। यदि आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो धन प्रबंधन और बचत के संबंध में किसी बड़े से सलाह लें। परिवार में किसी नए सदस्य के आगमन की खबर आपको रोमांचित कर सकती है।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे) आउटडोर खेल आपको आकर्षित करेंगे- ध्यान और योग से फ़ायदा होगा। धन की स्थिति में सुधार होता है क्योंकि विलंबित भुगतान की वसूली हो जाती है। जीवनसाथी आपको धूम्रपान से छुटकारे के लिए प्रोत्साहित करेगा। दूसरी बुरी आदतों से भी छुटकारा पाने का सही समय है।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी) किसी हाई प्रोफाइल व्यक्ति से मिलते समय घबराएं नहीं और अपना आत्मविश्वास खो दें। यह अच्छे स्वास्थ्य के लिए उतना ही आवश्यक है, जितना व्यापार के लिए पूंजी। सोच-समझकर किए गए निवेश से ही लाभ मिलेगा- इसलिए सुनिश्चित करें कि आपने अपनी मेहनत की कमाई कहां लगाई है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,) दोस्त सहयोगी हैं और आपको खुश रखेंगे। आपका पैसा कहां खर्च हो रहा है, इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने परिवार को उचित समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनकी परवाह करते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। आज आप पैसे जमा करने और बचाने का हुनर सीख सकते हैं और उसका सही इस्तेमाल कर सकते हैं। खाली समय का उपयोग अपने घर की शोभा बढ़ाने में करें। आप परिवार वास्तव में इसकी सराहना करेंगे। आपको अपने साथी को अपनी स्थिति समझाने में कठिनाई होगी।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

यूपी में ही क्यों पनपते हैं अतीक जैसे गैंगस्टर्स

4 लाख करोड़ के सरकारी ठेके पर कंट्रोल बनाता है डॉन

लखनऊ, 18 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। प्रयागराज में गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद को तीन शूटरों ने गोली मार दी...वो भी मीडिया और पुलिस की मौजूदगी में। हत्या का स्टाइल कुछ वैसा ही था जैसे अतीक खुद अपने विरोधियों को मारता था। उत्तर प्रदेश में गैंगस्टर और गैंगवार कोई नई बात नहीं है। 1970 के दशक में बाहुबली छात्रनेता से विधायक बने रविंद्र सिंह की गोरखपुर स्टेशन पर हत्या हो या 1997 में उनके उत्तराधिकारी वीरेंद्र प्रताप शाही का लखनऊ में सड़क चलते मर्डर। उत्तर प्रदेश और खासतौर पर पूर्वांचल में हर गली में गैंगस्टर-शूटर आम हैं। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि आखिर इतने लोग गैंगस्टर बनते क्यों हैं?

गुंडागर्दी को ग्लैमराइज करने वाली कहानियां कहीं गरीबी का हवाला देती हैं, तो कहीं परिवार पर अत्याचार और अन्याय का...। इन वजहों से कोई व्यक्ति बदला लेने के लिए एक खून तो कर सकता है...मगर ऐसा क्या है जो उसे गैंगस्टर बनाए रखता है? तो जवाब है पैसा। लेकिन दबंगई से जमीन कब्जाने, सेटलमेंट और रंगदारी से मिलने वाले पैसे से कहीं बड़ा एक सरकारी सिस्टम भी है जो खासतौर पर गैंगस्टर्स को लुभाता है। जी हां, गैंगस्टर्स को बाहुबल के साथ धनबल के शिखर पर ले जाने वाला ये सिस्टम है...सरकारी टेंडर।

सड़क बनाने से लेकर बालू निकालने तक या मछली पालने से लेकर रेलवे स्क्रैप तक हर काम का ठेका जारी होता है। बाहुबली की ताकत इसी से आंकी जाती है कि उसके इलाके के कितने टेंडर उसकी मर्जी से खुलते हैं। यानी कितने ठेके उसके चहेतों को मिलते हैं।

आजादी के 76 साल में ये ठेके, सरकारी दफ्तरों से निकलकर ऑनलाइन तो हो गए... मगर सरकारें इनको अपराधियों और गैंगस्टर्स से मुक्त नहीं कर पाईं। देश में 2020-21 में सरकारों ने कुल 17 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के कामों के लिए ई-टेंडर जारी किए थे। इनमें से 22% से ज्यादा उत्तर प्रदेश में थे।

2020-21 में जारी हुए 3.83 लाख करोड़ रुपए के ई-टेंडर

देश में कोई भी काम करवाने केंद्र और राज्य सरकारें निजी कंपनियों को ठेका देती हैं। काम चाहे कोई भी हो, उसके लिए उस फील्ड से जुड़ी कंपनियों से टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं। 90 के दशक से सरकार ने ज्यादातर ठेके ई-टेंडर के जरिये देना शुरू कर दिया। इसके लिए सरकार ने ऑनलाइन प्रोक्योरमेंट पोर्टल बनाया है। 2020-21 में इस पोर्टल के जरिए सरकारों ने कुल 17.33 लाख करोड़ रुपए के ई-टेंडर जारी किए। इसमें से 77% टेंडर अलग-अलग कामों के लिए थे, जबकि 16% टेंडर सामान की खरीद के लिए थे। कुल टेंडर्स में से 91% ओपन टेंडर थे। इन ई-टेंडर्स में सबसे बड़ी हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश की थी। कुल 22.14% यानी 3.83 लाख करोड़ रुपए के टेंडर्स जारी हुए थे।

ठेकेदार बनने के लिए दबंग बनना पड़ता है

आजादी के पहले से सरकारी निर्माण से लेकर खनन के सारे काम ठेके पर होते आए हैं। आज भी हर तरह की सरकारी खरीद, खनन और निर्माण ठेके पर ही होते हैं। ये ठेके किसे दिए जाएंगे और कैसे दिए जाएंगे, ये पूरी प्रक्रिया शुरू से ही भ्रष्टाचार के घेरे में रही है। कभी मंत्रियों के प्रभाव, कभी अफसरों की

मिलीभगत और कभी बंदूक के जोर पर ठेकों का फैसला होता रहा है। एक बार ठेका हाथ में आने के बाद सरकारी खजाने से पैसा पूरा लिया जाता है, मगर खर्च 1% भी मुश्किल से होता है।

पहले चुनाव में बाहुबल के इस्तेमाल के बदले अपराधियों को नेता प्रश्रय देते और इनाम के तौर पर सरकारी ठेके दिलवाते। सरकारी ठेकों से होने वाली कमाई का स्वाद मिलने के बाद इन अपराधियों ने इसे ही आय का मुख्य जरिया बना लिया। उत्तर प्रदेश में एक दौर ऐसा भी आया था जब ठेकेदार और क्रिमिनल एक दूसरे के पर्यायवाची बन गए थे।

सरकार ने ठेका प्रक्रिया में इस तरह की धांधलियों को दूर करने के लिए ही ई-टेंडर प्रक्रिया शुरू की थी। इसके तहत टेंडर भरने के लिए किसी भी कंपनी को सरकारी दफ्तर में नहीं आना पड़ता था। ऑनलाइन टेंडर भरे जाने के कारण कहीं की भी कंपनी अपने ही शहर से टेंडर भर सकती थी। टेंडर खुलते भी ऑनलाइन ही थे, ताकि इस दौरान भी अपराधियों को दबंगई का मौका न मिल पाए। इस पूरी प्रक्रिया में फिजिकल प्रेजेंस जरूरी न होने की वजह से ये माना जा रहा था कि अब ईमानदारी से योग्य कंपनी को ही काम सौंपा जा सकेगा। लेकिन इस प्रक्रिया में एक पेंच है। ये दिक्कत खास तौर पर निर्माण या खरीद के ठेकों में है और भारत में 93% सरकारी ठेके इन्हीं के होते हैं।

भले ही पूरा टेंडर भरने से ठेका अवॉर्ड होने तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो जाए, लेकिन ये प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिस कंपनी को काम अवॉर्ड हुआ हो उसे उस इलाके में आना ही होगा, जहां काम होना है। अपराधी यहीं इंतजार करते और आने वाले कंपनियों के प्रतिनिधियों का अपहरण, मार-पीट और फिरौती के तौर पर ठेके की रकम का कुछ परसेंटेज लेना शुरू हो गया।

उनका आतंक अब इसी बात में माना जाता है कि या तो उनके इलाके में उनकी ही कंपनी ऑनलाइन टेंडर भरती है या टेंडर भरने वाली हर कंपनी ये जानती है कि काम मिला तो अपराधी को उसका परसेंटेज चुपचाप देना होगा।

1970 के दशक में जब पूरा देश जेपी आंदोलन में युवाओं का क्रांतिकारी चेहरा देख रहा था, उस समय यूपी के मौजूदा सीएम योगी आदित्यनाथ के शहर गोरखपुर में युवा एक नई कहानी लिख रहे थे। इस दौर ने राजनेताओं को युवाओं की ताकत का अहसास करा दिया था और इसी वजह से विश्वविद्यालयों में राजनीति की नर्सरी खुल चुकी थी। गोरखपुर विश्वविद्यालय की राजनीति में जाति का प्रभाव ज्यादा था। ब्राह्मण और ठाकुर खेमे आमने-सामने रहते थे। उस दौर में ब्राह्मण खेमे के अगुआ होते थे हरिशंकर तिवारी। ठाकुर खेमे के नेता रविंद्र सिंह होते थे। केंद्र में बैठे नेता भी इन छात्र नेताओं को शह देते। हरिशंकर तिवारी खुद को ब्राह्मणों का नेता कहते थे। उनके घर 'हाता' में लगने वाले दरबार में प्रॉपर्टी विवाद सुलझाने से लेकर ठेकों तक का फैसला होता था। झगड़े निपटाने, प्रॉपर्टी विवाद सुलझाने के लिए दोनों खेमों के दरबार लगते थे। नेताओं के प्रश्रय की वजह से स्थानीय पुलिस और प्रशासन भी कुछ नहीं कहता। उस दौर में केंद्र में रेल मंत्री अक्सर उत्तर प्रदेश से ही होते थे। इन नेताओं ने अपने चहेते छात्रनेताओं को ईनाम के तौर पर रेलवे स्क्रैप के ठेके दिलाना शुरू कर दिया।

गोरखपुर और आस-पास के इलाके में 1970 से 80 के दशक में गैंगवार रोज की बात हो गई थी। छात्र नेता रविंद्र सिंह 1978 में विधायक भी बन गए। लेकिन इसके कुछ ही दिन बाद गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर उनकी हत्या हो गई। रविंद्र सिंह के हत्यारों में गाजीपुर के एक तिवारी का नाम आया था। इसके बाद गोरखपुर में ब्राह्मण और ठाकुर गैंग बिल्कुल आमने-सामने आ गए। ठाकुरों ने वीरेंद्र प्रताप शाही को नेता बना लिया था। रविंद्र सिंह के खास रहे वीरेंद्र प्रताप शाही को ठाकुर खेमे ने अपना नेता मान लिया था। उन्हें 'शेर-ए-पूर्वांचल' तक कहा जाता था। ये वो दौर था जब आए दिन सड़कों पर गोलियां और बम चलना आम बात हो गई थी।

1985 में हरिशंकर तिवारी विधायक बन गए। खास बात ये थी कि राज्य में सरकार भले ही किसी भी पार्टी की हो, हरिशंकर तिवारी मंत्री जरूर होते थे। उन पर केस तो कई दर्ज हुए, लेकिन कोई भी आरोप साबित नहीं हुआ। वो 6 बार विधायक बने। आखिरकार कभी अपने ही चेले रहे राजेश त्रिपाठी से चुनाव हार गए। आज उनके दो बेटे और भांजे राजनीति में हैं। कभी बड़े बेटे कुशल बसपा से सांसद, तो छोटे बेटे विनय तिवारी बसपा से ही विधायक रहे। भांजे गणेश शंकर तो बसपा सरकार के समय विधान परिषद में सभापति रहे। मगर आज तीनों ही सपा के साथ हैं।

हरिशंकर तिवारी के गुट से ही निकले अमरमणि त्रिपाठी ने तिवारी के धुर विरोधी वीरेंद्र प्रताप शाही को चुनाव में हराया था।

वीरेंद्र प्रताप शाही ने राजनीति से तौबा कर ली थी। मगर दबंगई नहीं छोड़ी थी। 1990 के दशक में उत्तर प्रदेश में अपराधियों की नई पौध तैयार हो चुकी थी। इसी में तेजी से उभरता नाम था श्रीप्रकाश शुक्ला।

सुपारी किलिंग से शुरुआत करने वाले श्रीप्रकाश शुक्ला के बारे में कहा जाता है कि बहन को छेड़ने वाले का मर्डर कर उसने अपराध की दुनिया में कदम रखा था। मगर जल्दी बड़ा डॉन बनने के लिए उसने खुलेआम ऐलान किया था कि वो जुर्म के मठाधीश माने जाने वाले हरिशंकर तिवारी और वीरेंद्र प्रताप शाही को जान से मार देगा। हरिशंकर तिवारी उस समय राज्य सरकार में मंत्री थे। बताया जाता है कि श्रीप्रकाश के मामा को उन्होंने अपने साथ कर लिया था और उनका इस्तेमाल ढाल की तरह करते थे। वीरेंद्र प्रताप शाही ने श्रीप्रकाश शुक्ला की धमकी के बावजूद खुलेआम घूमना नहीं छोड़ा था। 1997 में लखनऊ के इंदिरा नगर इलाके में श्रीप्रकाश शुक्ला ने शाही को गोलियों से छलनी कर दिया। श्रीप्रकाश शुक्ला ने तत्कालीन सीएम कल्याण सिंह की सुपारी ले ली थी। कल्याण सिंह सरकार पहले ही अपराधियों के सफाये में जुटी थी। एसटीएफ ने श्रीप्रकाश शुक्ला का गाजियाबाद में एनकाउंटर भी कर दिया।

गोरखपुर के गुटों से ही निकले मुख्तार अंसारी, बृजेश सिंह और धनंजय सिंह जैसे बाहुबली

हरिशंकर तिवारी के शूटरों में गिने जाने वाले साधू सिंह के साथी थे मुख्तार अंसारी। साधू सिंह ने प्रॉपर्टी के विवाद में गाजीपुर के बृजेश सिंह के पिता की हत्या कर दी थी। साथ में रहने की वजह से मुख्तार अंसारी भी बृजेश के निशाने पर आ गए थे। इन दोनों की दुश्मनी ने गाजीपुर और मऊ के इलाके में अपराध और गैंगवार की नई कहानी लिखी।

गोरखपुर से शुरू हुए गैंग्स से ही मऊ में मुख्तार अंसारी, बृजेश सिंह, गाजीपुर से रमाकांत, उमाकांत और जौनपुर से धनंजय सिंह जैसे बाहुबली निकले जो आज भी सरकारी ठेकों से लेकर हर काम में अपनी दबंगई कायम किए हुए हैं।

प्रयागराज में अतीक अहमद ने अपने अपराध के साम्राज्य का विस्तार आतंक के दम पर किया था। वो प्रॉपर्टी कब्जा करने में सबसे तेज माना जाता था। रसूख बढ़ा तो प्रयागराज और उसके आस-पास के पूरे इलाके में सरकारी ठेकों में भी उसकी मर्जी चलने लगी।

जिस उमेश पाल हत्याकांड में उसके बेटे असद का एनकाउंटर हुआ, वो उसी राजू पाल हत्याकांड में गवाह था जिसका मुख्य आरोपी अतीक अहमद था। अतीक अहमद के भाई अशरफ को हरा विधायक बने राजू पाल की सरेराह हत्या कर दी गई थी। राजू पाल उस समय खुद क्वालिस गाड़ी चला रहे थे उनके साथ उनके मित्र की पत्नी भी थीं। उनकी क्वालिस के पीछे उनके समर्थकों की गाड़ी चल रही थी। उसी समय करीब दो दर्जन हमलावरों ने राजू पाल की गाड़ी पर गोलियों की बौछार कर दी थी। जब समर्थक राजू पाल को एक टेंपो में डालकर अस्पताल ले जा रहे थे तो हमलावरों ने इस टेंपो का पीछा कर उस पर भी गोलियां चलाई थीं।

माना जाता है कि राजू पाल की हत्या के बाद से ही अतीक को मिलने वाला राजनीतिक संरक्षण घटने लगा था। इसी के बाद से उसे चुनावों में लगातार हार मिली और अंततः वह खुद भी सलाखों के पीछे पहुंच गया। अतीक और उसके भाई अशरफ पर गोलियां चलाने वाले तीनों हमलावर पुलिस की गिरफ्त में हैं और इस मामले की न्यायिक जांच शुरू हो गई है। अभी ये स्पष्ट नहीं है कि इन तीनों युवकों ने अतीक की हत्या किस वजह से की। मगर ये माना जा रहा है कि कमजोर पड़ते अतीक को मारकर कोई विरोधी गैंग अपना वर्चस्व कायम करने की कोशिश कर सकता है।

'सरकार भी मुझसे डरती है'

खुद को माफिया बताकर सोशल मीडिया पर वीडियो किया अपलोड, फिर पुलिस ने थाने में उठक-बैठक करवाई

रायपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। रायपुर के युवाओं में सोशल मीडिया पर खुद को डॉन और माफ़िया की तरह दिखाने का एक ट्रेंड चल पड़ा है। रिवॉल्वर की तरह नजर आने वाली लाइटर लेकर तो कभी कट्टा लेकर युवक वीडियो बनाते हैं । सोशल मीडिया पर भड़काऊ बातें करते हैं। स्थिति यह है कि इस प्लेटफॉर्म पर इन युवकों के अलग-अलग गैंग बन चुके हैं और वीडियोज के जरिए एक दूसरे को धमकियां देते हैं।

अब रायपुर की पुलिस ने ऐसे ही गुर्गों के खिलाफ अभियान शुरू किया है । इन्हें पकड़कर थाने लाया जा रहा है और बाद में इनके थाने में माफी मांगते हुए वीडियो को सोशल मीडिया पर अपलोड किया जा रहा है। पुलिस भड़काऊ पोस्ट और हथियारों के साथ सार्वजनिक किए जाने वाले इन युवकों के द्वारा डाले गए वीडियो को डिलीट भी करवा रही है।

पुलिस ने इस मामले में 3 लोगों को पकड़ा है। एक ने सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड किया था। जिसमें वह यह कहता

दिख रहा है कि उससे पुलिस डरती है वह किसी को लेटा न दे इस वजह से सरकार भी उससे डरती है। यह वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने युवक को पकड़कर थाने ले आई।

इसके बाद कान पकड़ कर उठक बैठक करते हुए इस बदमाश का एक नया वीडियो पुलिस ने अपलोड किया। वीडियो के पहले पार्ट में तो यह पूरे रौब में पिस्टल जैसी दिखने वाली लाइटर के साथ है और वीडियो के दूसरे हिस्से में कान पकड़कर माफी मांगता नजर आ रहा है।

दो और लड़कों को पुलिस ने इसी तरह पकड़ा और उनसे माफी मंगवाया। इन युवकों ने इंस्टाग्राम पर बंदूक और चाकू के साथ कुछ वीडियो अपलोड किए थे। इनसे हथियार के बारे में पूछताछ की जा रही है। इन युवकों ने भी पुलिस हिरासत में माफी मांगी।

20 से ज्यादा बदमाशों पर कार्रवाई

रायपुर डॉन 302, छत्तीसगढ़ माफिया, सोनू भाई डॉन, काला सोनू, रायपुर माफिया राज, इस तरह नाम से इंस्टाग्राम पर कई सोशल मीडिया अकाउंट्स है। जिनमें रायपुर के अपराधी किस्म के युवक अक्सर आपत्तिजनक वीडियो पोस्ट करते हैं। जिनमें गालियां होती हैं। अश्लील कंटेंट होता है और हथियारों के साथ शो बाजी की जाती है। पिछले 15 दिनों में रायपुर पुलिस ने ऐसे ही 20 युवकों के खिलाफ कार्रवाई की है ।

इनमें कुछ नाबालिग भी थे तो परिजनों को इनके बारे में जानकारी देकर समझाइश देकर छोड़ा गया है । रायपुर पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान फिलहाल जारी रहेगा। इसी तरह खुद को माफिया और डॉन बताकर सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करने वालों पर सख्ती बरती जाएगी।

कोरोना के 476 नए केस मिले

रायपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश में 5,620 सैम्पलों की जांच की गई, जिनमें 476 नए पॉजिटिव केस मिले हैं। इस तरह एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 2,222 हो गई है। राज्य में पॉजिटिविटी दर 8.47 प्रतिशत है। बढ़ते कोरोना संक्रमण और स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों की समीक्षा बैठक आज विभागीय मंत्री टीएस सिंहदेव लेने वाले हैं। प्रदेश में सबसे ज्यादा संक्रमित 53 मरीज रायपुर जिले में मिले हैं। राजनांदगांव में नए मरीजों की संख्या 50 है। सरगुजा जिले में 36, दुर्ग से 33, बिलासपुर जिले में 31, बेमेतरा से भी 31, कोरबा में 28 नए मरीज मिले। कांकेर जिले से मरीजों की संख्या 27 है। सूरजपुर से 25, धमतरी जिले में 21, बलौदा बाजार से 20, बालोद जिले से भी 20 मरीज मिले हैं। महासमुंद से 19, कोरिया से 17, रायगढ़ जिले से 14, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले से भी 14, गरियाबंद जिले से 7, जांजगीर से 7, बीजापुर से 6 दंतेवाड़ा से 5, बलरामपुर से 3, कबीरधाम से 3 और नारायणपुर जिले से भी 3 मरीज मिले हैं। इसके अलावा बस्तर जिले से 2 और जशपुर जिले में1 मरीज की पुष्टि हुई है।

पारिवारिक विवाद में हुई थी बीजेपी नेता की हत्या

पत्नी, बेटी, 2 बेटे और बहू हिरासत में लिए गए, सड़क किनारे मिला था शव

मुंगेली, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंगेली जिले में भाजपा नेता शत्रुघ्न साहू की हत्या के मामले में पत्नी, बेटी, 2 बेटे और बहू समेत 5 लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। जानकारी मिल रही है कि पकड़े गए सभी संदिग्धों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पारिवारिक विवाद में घटना को अंजाम दिया जाना बताया जा रहा है। पुलिस इस मामले में जल्द ही बड़ा खुलासा करने वाली है, तभी पता चल सकेगा कि आखिर हत्या की मुख्य वजह क्या थी। सोमवार की सुबह चिल्फी थाना क्षेत्र के गोल्हापारा गांव में भाजपा नेता और गोंड़खाम्ही मंडल के पिछड़ा वर्ग मोर्चा के महामंत्री शत्रुघ्न साहू की खून से लथपथ लाश सड़क किनारे संदिग्ध हालत में मिली थी। मृतक रविवार की शाम को घर से घूमने जाने की बात कहकर निकला था, जिसके बाद वो घर वापस नहीं लौटा। दूसरे दिन भाजपा नेता की लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई

थी। पुलिस इस मामले में मर्ग कायम कर जांच में जुट गई थी। भाजपा नेता शत्रुघ्न साहू आपराधिक प्रवृत्ति का था। उसके खिलाफ चिल्फी थाने में लगभग आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। जिसके चलते पुलिस सभी पहलुओं पर अपनी जांच कर रही थी। इस दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि घटना के दिन यानि 16 अप्रैल को मृतक का अपनी पत्नी और बेटी-बेटों के साथ विवाद हुआ था। जिसके बाद पुलिस को परिवार पर शक था। पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके बच्चों से पूछताछ की, जिसमें उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपियों ने बताया कि पूरी घटना को देर रात घर में अंजाम देने के बाद मृतक की लाश को घर से 3 किमी दूर गोल्हापारा में ले जाकर सड़क के किनारे फेंक दिया, ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके।

इस साल 4 बीजेपी नेताओं की मौत, 3 को नक्सलियों ने मारा

16 जनवरी 2023 को बस्तर के भाजपा नेता और पूर्व सरपंच बुधराम करटाम की संदिग्ध हालत में मौत हुई थी। घर से कुछ दूरी पर ही बीजेपी नेता का शव मिला घा। भाजपा ने इसे हत्या बताया था। 5 फरवरी 2023 को बीजापुर जिले के आवापल्ली इलाके के एक अंदरूनी गांव में मंडल अध्यक्ष नीलकंठ कक्केम को माओवादियों ने मारा था।

10 फरवरी 2023 को नारायणपुर के छोटे डोंगर में बीजेपी के जिला उपाध्यक्ष सागर साहू की गोली मारकर हत्या की गई। 11 फरवरी की शाम दंतेवाड़ा में रामधर की हत्या की गई। रामधर को माओवादियों ने मार दिया था। रामधर मंडल कार्यसमिति का सदस्य था।

सूरजपुर जिले में एक बीजेपी नेता की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। बीजेपी के प्रतापपुर ब्लॉक के उपाध्यक्ष हिरदल राजवाड़े की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या की गई थी।

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में भाजपा किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष शिवचरण काशी (60) की हत्या कर दी गई थी। उनकी सिरकटी लाश विशालपुर के रेडी पहरी चौक के पास जंगल में मिली थी। वे तीन दिन से लापता था। परिजनों ने कपड़ों और धड़ के आधार पर शव की शिनाख्त की थी।

ईडी पर आमलोगों का भरोसा बढ़ा

रांची, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से बीते कुछ महीने से मनी लांड्रिंग और लैंड स्कैम से जुड़े मामले में ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। जिसके बाद से ईडी को लेकर आमलोगों का भरोसा बढ़ा है। अब लोग पुलिस के पास शिकायत लेकर जाने की बजाय ईडी को परेशानी बताने में सहज महसूस कर रहे हैं। ईडी के प्रति आम लोगों का भरोसा बढ़ा है। जिस तरह से रांची जमीन घोटाले में शामिल बड़े अधिकारियों से लेकर छोटे कर्मचारियों तक का खुलासा ईडी ने किया। इसका असर यह हुआ कि लोग पुलिस को छोड़ ईडी ऑफिस में शिकायत करने पहुंचने लगे हैं। ईडी अधिकारियों को लोगों ने स्पष्ट कहा कि पुलिस उनकी मदद नहीं करती है।

जमीन घोटला मामले में ईडी इन दिनों सात लोगों से पूछताछ कर रही है। इसी क्रम में सोमवार को हिनू स्थित ईडी कार्यालय में दर्जनों लोग पहुंचे। ये लोग बूटी मोड़, ओरमांझी, बरियातू, कांके रोड और खेलगांव इलाके के थे।

झारखंड के इन तीन जिलों में खनन पूरी तरह बंद

अवैध खनन को लेकर दायर की गयी थी याचिका अब तक सरकार ने पेश नहीं की जांच रिपोर्ट

रांची, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में पलामू, गढ़वा और लातेहार में सभी तरह के खनन पर रोक लगा दी गयी है। झारखंड हाईकोर्ट ने यह आदेश दिया है। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा और जस्टिस आनंद सेन की अदालत ने यह फैसला सुनाया है।

अधिकारियों के भ्रष्टाचार और मिलीभगत से हो रहे अवैध माइनिंग की जांच की मांग को लेकर हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गयी थी। इसी याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। सभी पक्षों की दलील सुनते हुए हाईकोर्ट ने माइनिंग पर तत्काल 26 अप्रैल तक के लिए रोक लगा दी है। अदालत ने रजिस्ट्रार जनरल को यह निर्देश दिया है फैक्स के माध्यम से तीनों जिला के डीसी को यह जानकारी भेज दी जाए और राज्य सरकार इस बीच अपना जवाब कोर्ट के सामने रखे।

कोर्ट ने इस मामले में 14 मार्च को भी सुनवाई की थी और राज्य सरकार को इन जिलों मे हो रहे अवैध खनन की जांच के लिए एक कमेटी गठिक करने का आदेश दिया था।

सरकार ने 31 मार्च को एक कमेटी का गठन कर जांच करने का निर्देश दिया। कोर्ट में आज इस मामले में पेशी के दौरान जांच की स्थिति पर सवाल किया राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए इस मामले में जांच के लिए समय की मांग की गयी। याचिकाकर्ता के वकील ने हाईकोर्ट से अपील करते हुए कहा कि इस मामले में पहले ही बहुत समय दिया जा चुका है। सरकार को किसी भी तरह के समय ना देने की गुहार लगाई।

याचिकाकर्ता के वकील ने यह भी बताया कि कैसे इन इलाकों मे अवैध खनन लगातार जारी है। बिना नंबरों की गाड़ी से ढुलाई हो रहा है। लाखों करोड़ों रुपए का हेरफेर हो रहा है।

अधिकारी, नेता इस अवैध खनन का संरक्षण कर रहे हैं। राज्य में इन तीन जिलों पर खनन पूरी तरह बंद करने का आदेश दिया गया है। संताल परगना के साहिबगंज जिले में 1000 करोड़ रुपये का अवैध खनन और परिवहन हुआ है।

झारखंड में अवैध खनन के आंकड़ा का अंदाजा इसी से लगााय जा सकता है कि साहिबगंज में नियमों का उल्लंघन कर स्टोन चिप्स और बोल्डर का खनन कर पड़ोसी राज्यों और दूसरे देशों में भेजा जाता था । ईडी का आरोप है कि इस इलाके में एक हजार करोड़ रुपए का अवैध खनन हुआ। ध्यान रहे कि इसी मामले में पंकज मिश्रा जेल में बंद है और हेमंत सोरेन से भी पूछताछ की गयी है।

ग्रामीणों को नक्सलियों ने किया आगाह

इलाके में बिछे हैं बारूदी सुरंग, बुबी ट्रैप माइन और स्पाइक होल, पुलिसिया कार्रवाई बंद होते ही हटाएंगे

रांची, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कोल्हान के जंगलों में आए दिन हो रहे आईईडी ब्लास्ट से ग्रामीणों को क्षति हो रही है। मौतें भी हो रही हैं। दरअसल इस इलाके में पुलिस की ओर से माओवादियों को हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस जंगल में न घुस सकें इसके लिए माओवादियों की ओर से जंगल के रास्ते बारूदी सुरंग आदि बिछाए गए हैं। आज दक्षिणी जोनल कमेटी भाकपा (माओवादी) ने प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। इस विज्ञप्ति में उन्होंने ग्रामीणों को सलाह दी है। 10 बिंदुओं में दिए गए सलाह में साफ तौर पर लिखा है कि पुलिसिया दमन अभियान जारी है। जंगल पहाड़ों और रास्ता - घाट में पुलिस को टारगेट करने के लिए बारूदी सुरंग, बुबी ट्रैप माइन तथा

स्पाइक होल लगाए गए हैं। पुलिसिया अभियान खत्म होने के बाद इन चीजों को हटा लिया जाएगा।

गाड़ी मालिक व ड्राइवर भी पूर्व सूचना को वैसा ही अवश्य पालन करें यानी रोड- रास्ता में गाड़ी चलाने का समय-सारणी पर ध्यान दें। बीच-बीच में हॉर्न बजाते चलें। आपको भी यह मालूम है ही कि थोड़ी सी भूल बड़ी दुर्घटना होती है।

इस पुलिसिया दमन अभियान के कारण आप तमाम ग्रामीण वनोपज सहित अन्य आवश्यक चीजों को संग्रह करने के लिए जंगल पहाड़ नहीं जा पाने से आपकी आर्थिक स्रोत बंद होने व जान-माल तक के तमाम तरह की नुकसान होती है। आपकी इस समस्या व परेशानी को हम समझ रहे हैं और इसे हम अपने तरीके से हर संभव हल करने का प्रयास कर रहे हैं। आगे भी प्रयास करते रहेंगे।

कोल्हान में चल रहे लड़ाई व संघर्ष से उत्पन्न तमाम समस्या व परेशानी का जिम्मेवार तथा पहलकदमी हमारे हाथ में नहीं है वह लूट और युद्ध में उन्माद शोषक-शासक वर्गों और उसके पुलिस-प्रशासन के हाथों में है। इसलिए वही उसका जिम्मेवार हैं तथा उसी पर निर्भर करता है।

'परमाणु हथियार तैनात करने की धमकी को नहीं करेंगे बर्दाश्त'

जी7 का रूस को लेकर सख्त रुख

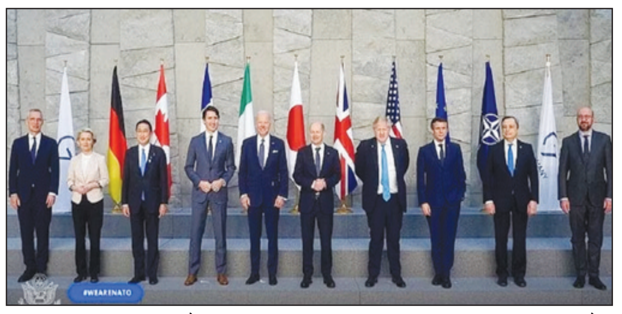

जापान, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। नागानो के करुइजावा में जी7 के विदेश मंत्रियों के बीच बैठक चल रही है। इस दौरान सभी ने बेलारूस में रूस के हथियार तैनात करने की घोषणा की निंदा की। जी7 समूह ने कहा कि किसी भी तरह की धमकी को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बैठक में जी 7 के मंत्रियों ने यह भी फैसला लिया कि रूस पर सख्ती करने के लिए प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ अन्य देशों को भी इस पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहेंगे। इसके लिए वे समन्वय को मजबूत करेंगे। इसपर सभी ने सहमति जताई।

बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करेगा रूस

गौरतलब है, रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को शुरू हुए एक साल से अधिक हो गया है। फिलहाल इसका अंत दिखाई नहीं दे रहा है। इस बीच, कई बार रूस की तरफ से परमाणु हमले की चेतावनी भी दी जा चुकी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में एलान किया था कि यूक्रेन से सटे बेलारूस में रूस के परमाणु हथियार तैनात किए जाएंगे।

राष्ट्रपति पुतिन ने यूरोप का जिक्र करते हुए कहा था कि अमेरिका ने यूरोप में कई जगहों पर अपने परमाणु हथियार रखे हैं, उसकी तुलना में उनका ये कदम परमाणु निरस्त्रीकरण समझौतों का उल्लंघन नहीं होगा। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि इस हथियारों का कंट्रोल रूस बेलारूस के हाथों में नहीं देगा।

पुतिन ने रूसी सरकारी टेलीविजन से कहा था कि बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लूकाशेन्को लंबे वक्त से कहते रहे हैं कि रूस को अपने परमाणु हथियार रखे बेलारूस में भी रखने चाहिए। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई अजीब बात नहीं है। दशकों से अमेरिका ऐसा करता आ रहा है। वो अपने सहयोगी देशों की जमीन पर रणनीतिक तौर पर अहम हथियार तैनात करना रहा है।'

पुतिन ने और क्या कहा?

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि रूस इस साल एक जुलाई तक बेलारूस में टैक्टिकल वीपन्स के भंडारण के लिए बनाई जा रहा स्टोरेज यूनिट का काम पूरा कर लेगा। उन्होंने आगे बताया कि रूस ने पहले ही परमाणु मिसाइलें लॉन्च करने के लिए जरूरी कुछ इस्कंदर मिसाइल सिस्टम बेलारूस भेज दिए हैं। 1990 के दशक के मध्य के बाद ये पहली बार है जब रूस अपने परमाणु हथियार अपने देश से बाहर अपने किसी मित्र देश में तैनात कर रहा है। 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद रूस के हथियार नए स्वतंत्र हुए चार देशों में रह गए थे- रूस, यूक्रेन, बेलारूस और कजाकस्तान। इन सभी हथियारों को साल 1996 तक रूस लाने का काम पूरा कर लिया गया था।

अमेरिका और यूक्रेन ने क्या कहा?

बेलारूस में परमाणु हथियार तैनात करने के पुतिन की इस घोषणा के बाद अमेरिका का भी बयान सामने आया है। अमेरिका ने कहा है कि उसे यकीन है कि रूस परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के बारे में विचार नहीं कर रहा। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा, 'हमें कोई वजह नहीं मिलती कि हम रणनीतिक तौर पर अहम अपने हथियारों को लेकर अपनी स्ट्रेटेजी न बदलें।' मंत्रालय ने ये आगे कहा, 'नेटो सैन्य गठबंधन में शामिल देशों की रक्षा के लिए हम प्रतिबद्ध हैं।'

18 देशों ने यूक्रेन की मदद को बढ़ाया हाथ

बता दें कि इस हफ्ते की शुरुआत में ही 18 देशों ने यूक्रेन की मदद को हाथ बढ़ाया है। इन देशों ने यूक्रेन को अगले साल कम से कम दस लाख तोपों के गोलों की आपूर्ति करने का भरोसा दिलाया है। इसके लिए समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने हाल ही में एक जापानी अखबार को इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने कहा है कि देश के पूर्वी हिस्से में रूस पर जवाबी हमला यूक्रेन तब तक नहीं करेगा जब तक मित्र देशों से गोला-बारूद नहीं आ जाता।

रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़ी बातें

रूसी सेना ने बाखमुट को तीन तरफ से घेर लिया है और लगातार हमले कर रहा है। मुख्य शहर पूरी तरह से बर्बाद हो चुका है। हालांकि, यूक्रेनी सेना भी मजबूती से जवाब दे रही है। यही कारण है कि तमाम कोशिशों के बावजूद रूस ने अब तक बाखमुट पर कब्जा नहीं किया है। रूसी हमले बाखमुट में दो लोगों की मौत हुई है। रूसी हमलों में खेरसान में दो लोग मारे गए हैं और छह घायल हुए हैं। यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना के साथ लड़ रहे पांच हजार से ज्यादा पूर्व अपराधियों की सजा रूस की सरकार ने माफ कर दी है। यह जानकारी सशस्त्र संगठन वैगनर ग्रुप के संस्थापक येवगेनी प्रिगोजिन ने दी है।

अश्वेत किशोर ने बजा दी गलत घर की घंटी

85 साल के बुजुर्ग ने गोलियों से छलनी कर दिया

वॉशिंगटन, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के मिजूरी में नस्लभेद का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 85 साल के बुजुर्ग ने अश्वेत किशोर को सिर्फ इसलिए गोली मार दी, क्योंकि उसने भटकने के बाद उनके घर की घंटी बजा दी थी। बताया गया है कि गोली लगने के बाद 16 साल के राल्फ पॉल यार्ल की हालत नाजुक है। मिजूरी में अभियोजन पक्ष ने 85 साल के श्वेत व्यक्ति एंड्रयू लेस्टर पर फर्स्ट डिग्री असॉल्स (हिंसा) और हथियारों का इस्तेमाल कर आपराधिक घटना को अंजाम देने का मामला दर्ज किया है। बताया गया है कि राल्फ पिछले हफ्ते जब अपने जुड़वां भाई को लेने के लिए अपने मित्र का घर ढूंढ रहा था, तब उसने गलती से बुजुर्ग के घर की घंटी बजा दी। इसके बाद बुजुर्ग बंदूक लेकर बाहर आया और उसने राल्फ को दो गोलियां मार दीं। इस मामले पर विवाद तब शुरू हुआ, जब पुलिस ने 24 घंटे कस्टडी में रखने के बाद बिना कोई मामला दर्ज किए बुजुर्ग को रिहा कर दिया।

पाकिस्तान के कार्यवाहक राजदूत की हत्या की कोशिश

चार महीने बाद वापस लौटे

काबुल, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में पाकिस्तान के कार्यवाहक राजदूत उबैदुर रहमान निजामनी चार महीने से अधिक समय के बाद सोमवार को काबुल लौट आए हैं। कहा जा रहा है कि यह फैसला दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि पाकिस्तानी प्रभारी उबैदुर रहमान निजामानी के लौटने की जानकारी विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने दी है। कहा जा रहा है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी और कार्यवाहक अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी के बीच फोन पर बातचीत के बाद निजामनी की वापसी हुई। वहीं मुत्तकी अगले महीने इस्लामाबाद दौरे पर जा सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तानी दूत को वापस भेजने का फैसला फोन पर बातचीत के दौरान किया गया था। गौरतलब है, दो दिसंबर को अफगानिस्तान के काबुल में पाकिस्तानी दूतावास पर हमला हुआ था। इस हमले में अफगानिस्तान में पाकिस्तान के कार्यवाहक राजदूत उबैदुर रहमान निजामनी को निशाना बनाया गया था। हालांकि वह बाल-बाल बच गए, लेकिन उनके पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी के पैरों में गोलियां लग गई थीं।

पाकिस्तान ने हमले के बाद अपने राजनयिक को वापस बुला लिया था और तालिबान से अपने दूतावास की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की थी। वहीं इस हमले के लिए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकवादी समूह को जिम्मेदार ठहराया गया था।

सेना-पैरामिलिट्री की जंग में फंसे 31 भारतीय

कर्नाटक के आदिवासी जड़ी-बूटी बेचने गए थे कांग्रेस का आरोप- सरकार उन्हें छुड़ा नहीं रही

खार्तूम, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। सूडान में मिलिट्री और पैरामिलिट्री के बीच जारी लड़ाई में कर्नाटक के 31 आदिवासी फंस गए हैं। सभी लोग सूडानी शहर अल-फशेर में रह रहे हैं। ये लोग आयुर्वेदिक सामान बेचने के लिए सूडान गए थे। इनमें से 19 लोग कर्नाटक के हुनसूर, 7 शिवामोगा और 5 लोग चन्नागिरी के रहने वाले हैं।

इन्हीं में से एक एस. प्रभू ने इंडियन एक्सप्रेस से फोन पर बात की। उसने बताया कि हम पिछले 4-5 दिनों से एक किराए के मकान में फंसे हुए हैं। हमारे पास खाना या पीने के लिए कुछ भी नहीं है। बाहर से लगातार धमाकों की आवाज आ रही है। यहां कोई हमारी मदद करने को तैयार नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने मोदी सरकार पर कन्नड़ विरोधी होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा- सूडान में फंसे भारतीयों के लिए सरकार कुछ नहीं कर रही है। उन्हें उनकी किस्मत के भरोसे छोड़ दिया गया है। वहीं, सूडान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 200 हो गई है।

सोमवार को आरएसएफ के लड़ाकों ने अमेरिकी दूतावास के काफिले और ईयू के ऐंबैस्डर पर भी हमला कर दिया। इसकी जानकारी अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि काफिले की गाड़ियों पर अमेरिका का झंडा लगा हुआ था। साथ ही उसकी लाइसेंस प्लेट भी दूतावास की थी। फिर भी हमला किया गया। ब्लिंकन ने बताया कि वो हमले की जांच कर रहे हैं।

ईयू के ऐंबैस्डर को गनपॉइंट पर लूटा

सूडान में सिर्फ अमेरिकी काफिले पर ही नहीं बल्कि आरएसएफ और सेना के बीच की लड़ाई में ईयू के ऐंबैस्डर एडन ओ हारा पर भी हमला हुआ। दरअसल, आरएसएफ के कुछ लड़ाके दरवाजा तोड़कर ओ हारा के घर घुस गए।

उन्हें गनपॉइंट पर रखकर उनसे सारे पैसे लूट लिए। हालांकि, इस हमले उन्हें मामूली चोट आई। ओ हारा ने हमलावरों की पहचान उनकी यूनिफॉर्म से की। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक खार्तूम की गलियों में लगातार इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। दोनों गुट टैंक, आर्टिलरी और खतरनाक हथियारों से लड़ रहे हैं।

सूडान में लड़ रहे दोनों गुटों को अलग-अलग देशों का समर्थन है। अलजजीरा के मुताबिक आर्मी को मिस्र का साथ है, जबकि पैरामिलिट्री ग्रुप को यूएई और सऊदी अरब से मदद मिलती रही है। हालांकि, सभी देशों ने दोनों गुटों से लड़ाई रोकने की अपील की है। डार्फर इलाके में हुआ विद्रोह सबसे जानलेवा विद्रोह में शामिल है। 2003 से 2008 के बीच इस लड़ाई में 3 लाख लोगों की जान गई। वहीं, 20 लाख से ज्यादा लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा था। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने 2009 में इस मामले में सूडान के तानाशाह ओमार हसन अल बशीर पर मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार के आरोप लगाए थे।

एक बार फिर फिजी की धरती कांपी

आया 6 .3 तीव्रता का जोरदार भूकंप

अंकारा, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। तुर्की और सीरिया के बाद अब फिजी की धरती कांपने की खबर आई है। हालांकि अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार फिजी में मंगलवार को 6.3 तीव्रता का भूकंप आया है।

बता दें, फिजी दक्षिण प्रशांत का एक देश है। यह 300 से अधिक द्वीपों का एक द्वीपसमूह है। एनसीएस ने बताया कि भूकंप सुबह 10 बजे के करीब आया था। इसका केंद्र धरती के नीचे 569 किलोमीटर की गहराई में है। फिलहाल अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एक सप्ताह के भीतर यह दूसरा भूकंप है।

इससे पहले, गुरुवार को फिजी में रिक्टर पैमाने पर 4.3 तीव्रता का भूकंप आया था, संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने सूचित किया था। वहीं, इससे पहले तुर्की और सीरिया में 6 फरवरी को भीषण भूकंप से तबाही मची थी। इसमें 50 हजार से अधिक लोगों की मौत हुई थी।

खतरनाक हुई लड़ाई, ईयू के राजदूत पर हमला!

अमेरिकी विदेश मंत्री ने की युद्ध विराम की अपील

वाशिंगटन, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। सूडान में तख्तापलट के लिए मिलिट्री और बागी पैरामिलिट्री रेपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच हिंसा जारी है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस लड़ाई में 180 से अधिक लोगों की जानें जा चुकी हैं। वहीं सूडान में यूरोपीय संघ के राजदूत पर भी हमला किया गया। इस बीच, अमेरिका के विदेश विभाग के प्रमुख उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने बताया कि इस हिंसा को रुकवाने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री ने सूडान के जनरलों से बात की है। उन्होंने युद्धविराम का आह्वान किया है।

वेदांत पटेल ने कहा कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सूडानी सशस्त्र बलों के कमांडर जनरल अब्देल फतह अल बुरहान और रैपिड सपोर्ट फोर्स के कमांडर जनरल मोहम्मद हमदान डागालो के साथ बात की। उन्होंने हिंसा में आम लोगों की जा रही जान पर चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्री ने लड़ाई से प्रभावित लोगों को मानवीय सहायता भेजने की अनुमति मांगी है। साथ ही सूडानी परिवारों के पुनर्मिलन पर भी चर्चा की। इतना ही नहीं ब्लिंकन ने दोनों कमांडरों से खार्तूम में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह सुनिश्चित करने को कहा कि वे सभी लोग सुरक्षित हैं।

गौरतलब है, सूडान में तख्तापलट के लिए मिलिट्री और बागी पैरामिलिट्री रेपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के बीच हिंसा जारी है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार इस लड़ाई में 180 से अधिक लोगों की जानें जा चुकी हैं। वहीं करीब 1800 लोग घायल हुए हैं। इतना ही नहीं, सूडान में यूरोपीय संघ के राजदूत ऐडन ओ'हारा पर भी हमला किया गया। हालांकि अभी इस बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं सामने आई है। आयरिश विदेश मंत्री माइकल मार्टिन ने बताया कि खार्तूम में यूरोपीय संघ के राजदूत ऐडन ओ'हारा पर सोमवार को उनके घर में हमला किया गया है। वहीं उन्होंने इस हमले को राजनयिकों की सुरक्षा के दायित्वों का घोर उल्लंघन बताया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राजदूत को कितनी चोटें आई हैं इसका विवरण उन्होंने नहीं दिया है।

गौरतलब है, सूडान पर नियंत्रण को लेकर देश की सेना तथा एक शक्तिशाली अर्द्धसैनिक बल के बीच सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी संघर्ष जारी रहा था। सूडान में संयुक्त राष्ट्र महासचिव के विशेष प्रतिनिधि वोल्कर पर्थेस ने बताया कि इस संघर्ष में अब तक 180 लोग मारे जा चुके हैं। वहीं 1800 से अधिक नागरिक और लड़ाके घायल हुए हैं।

बंद करनी पड़ रही चीन की कंपनियां

पुलिस को आतंकी हमले की आशंका, पाकिस्तानियों को डर- उनकी जमीन कब्जा रहा चीन

कराची, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची में पुलिस ने चीन के नागरिकों के कुछ बिजनेस को बंद कर दिया है। इनमें एक रेस्टोरेंट, एक सुपरमार्केट और मरीन-प्रोडक्ट कंपनी (समुद्री उत्पाद बेचने वाली कंपनी) शामिल है। ये कदम चीनी नागरिकों पर संभावित हमले को देखते हुए उठाया गया है। पाकिस्तान को डर है कि चीनी नागरिकों पर हो रहे आतंकी हमलों से दोनों देशों के रिश्तों में दरार आ सकती है।

वहीं पाकिस्तान के लोगों में चीन विरोधी भावना बढ़ती जा रही है। पाकिस्तानियों को शक है कि वित्तीय मदद, नए बिजनेस और माइनिंग ऑपरेशन्स की आड़ में चीन धीरे-धीरे उनकी जमीन पर कब्जा कर रहा है।

पाकिस्तान में सक्रिय कई आतंकवादी संगठन भी चीनी नागरिकों और चीनी-पाकिस्तान इकॉनॉमिक कॉरिडॉर (सीपीईसी) से जुड़ी प्रोजेक्ट को लगातार निशाना बना रहे हैं।

पिछले महीने चीनी ऐंबैसी ने पाकिस्तान में अपने कॉन्सुलर सेक्शन को बंद कर दिया था। चीन ने पाकिस्तान में बिगड़ती सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए ये फैसला लिया था। साथी उसने अपने नागरिकों को सतर्क रहने की भी सलाह दी थी। चीन की तरफ से लगातार अपीलों और चेतावनियों के बावजूद पाकिस्तानी अधिकारियों ने चीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए कुछ खास कदम नहीं उठाए।

चीन पर लोन माफ करने का दबाव बना रहा पाकिस्तान

वहीं कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान ऐसा इसलिए कर रहा है क्योंकि वो बीजिंग पर लोन माफ करने के लिए दबाव बनाना चाहता है। पाकिस्तान को डर है कि अगर चीन ने लोन माफ नहीं किया तो वो डिफॉल्ट घोषित हो सकता है। वहीं बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के पास फिलहाल इतने पैसे नहीं हैं कि वो चीनी नागरिकों की रक्षा के लिए अलग से एक मिलिट्री यूनिट को फाइनेंस करे।

चीन कई बार चिंता जता चुका

चीन लगातार पाकिस्तान में रह रहे अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठा चुका है। जनवरी में चीन के विदेश मंत्री किन गैंग ने पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो से इस बारे में बात की थी। उन्होंने चीनी नागरिकों पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जताई थी और पाकिस्तान की तरफ से कड़ी कार्रवाई की मांग की थी।

आतंकी हमले में मारे गए थे 10 चीनी इंजीनियर

पाकिस्तान में चीन के नागरिकों पर हमले नई बात नहीं है। पिछले साल ग्वादर के दासू प्रोजेक्ट पर जा रहे चीनी इंजीनियरों की एक बस पर हमला हुआ था। इसमें 10 चीनी इंजीनियर मारे गए थे। पेशावर में पिछले ही साल कई चीनी नागरिकों पर हमले हुए थे। इनमें से एक डॉक्टर कपल था। हमले में इस कपल के साथ ही उनके पेरेंट्स भी मारे गए थे।

न्यूयॉर्क में चल रहा था चीन का सीक्रेट पुलिस स्टेशन

एफबीआई बोला- इसके जरिए जिनपिंग के विरोधियों को धमकाते थे, दो चीनी नागरिक गिरफ्तार

मैनहैटन, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में रहने वाले 2 चीनी नागरिकों को एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। इन पर मैनहैटन में चीन का सीक्रेट पुलिस स्टेशन चलाने का आरोप है। इसके जरिए वो अमेरिका में चीन सरकार की आलोचना करने वाले चीनी नागरिकों और प्रवासियों को धमकाया करते थे। अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने बताया कि 61 साल के लू जियानवांग और 59 साल के चेन जिनपिंग अमेरिका को बिना बताए चीनी सरकार के एजेंट के तौर पर काम कर रहे थे।

सोमवार को ब्रुकलिन फेडरल कोर्ट में पेशी के बाद दोनों आरोपियों को बॉन्ड पर रिहा कर दिया गया। हालांकि, अगर उन पर लगे आरोप सही साबित होते हैं तो दोनों चीनी नागरिकों को 25 साल जेल की सजा सुनाई जा सकती है। बीबीसी के मुताबिक, ब्रिटेन और नीदरलैंड्स सहित दुनियाभर के 53 देशों में चीन ऐसे 102 पुलिस स्टेशन चला रहा है। मार्च में कनाडा ने भी 2 संदिग्ध पुलिस चौकियों की जांच करने की घोषणा की थी। इसके अलावा अमेरिका ने चीनी नेशनल पुलिस के 40 अधिकारियों पर भी चार्ज लगाए गए हैं। आरोप है कि ये लोग फेक सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए चीनी नागरिकों को डराते थे और चीनी सरकार का प्रचार करते थे। वहीं अमेरिका में मौजूद चीनी ऐंबैसी के प्रवक्ता ल्यू पेंग्यू ने कहा- अमेरिका अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए अमेरिका चीनी नागरिकों पर मनगढ़ंत आरोप लगा रहा है। उनका मकसद चीन की छवि खराब करना है। इससे पहले चीन की सरकार ने कहा था कि दूसरे देशों में ऐसे कुछ सेंटर्स हैं जिन्हें चीनी नागरिकों ने खुद शुरू किया है। इनका मकसद दूसरे देशों में रह रहे चीन के नागरिकों के लिए डॉक्यूमेंट्स रिन्यू करने का प्रोसेस आसान बनाना और उन्हें बाकी सुविधाएं देना है। इसमें चीन के अधिकारियों या पुलिसकर्मियों का कोई दखल नहीं है। मामले की जांच कर रहे यूएस अटॉर्नी ब्रियोन पीस ने कहा- अमेरिका में एक सीक्रेट पुलिस स्टेशन बनाकर चीनी सरकार ने हमारे देश की संप्रभुता का उल्लंघन करने की कोशिश की है। जांच अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी मैनहैटन के चाइनाटाउन में एक नॉनप्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन चलाते थे, जिसे उन्होंने पिछले साल अक्टूबर में बंद कर दिया था। आरोपियों ने दावा किया था कि अपने बिजनेस के जरिए वो चीनी नागरिकों के लिए ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज रिन्यू करवाने का काम करते थे। हालांकि, जांच में पता चला कि बिजनेस की आड़ में वो खुफिया तौर पर चीनी सरकार के लिए काम कर रहे थे।

2022 में स्पेन की एक रिपोर्ट में सामने आया था कि चीन दूसरे देशों में अपने सर्विस स्टेशन चला रहा है। ये ज्यादातर छोटे लोकल बिजनेस और रेस्टोरेंट की आड़ में चलाए जा रहे हैं। इनके जरिए चीनी पुलिस वहां से भागे नागरिकों पर वापस चीन लौटने का दबाव बनाती है। ह्यूमन राइट्स ने भी इन सर्विस स्टेशन्स पर दूसरे देशों में रह रहे चीनी नागरिकों को डराने-धमकाने का आरोप लगाया है।

पाकिस्तान में चीनी नागरिक पर ईशनिंदा का आरोप

इस्लामाबाद, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में अब एक चीन के नागरिक पर ईशनिंदा का आरोप लगा है। गुस्साए लोगों ने कोहिस्तान में चीनी नागरिकों के रिहायशी कैम्प को घेर लिया। ऐन मौके पर पुलिस पहुंची और चीन के सभी नागरिकों को बमुश्किल बचाया।

जिस शख्स पर ईशनिंदा का आरोप लगा है उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। 3 दिसंबर 2021 को सियालकोट में श्रीलंका के एक फैक्ट्री मैनेजर को भीड़ ने पीट-पीटकर अधमरा कर दिया था। बाद में उसे फैक्ट्री से खींचकर लाया गया और जिंदा जला दिया गया। उस वक्त इमरान खान प्रधानमंत्री थे। पाकिस्तान सरकार की तरफ से जारी डेटा के मुताबिक- 1947 से अब तक 89 लोग ईशनिंदा के आरोप में मारे गए हैं। इनमें 6 विदेशी और ज्यादातर अल्पसंख्यक हैं।

पाकिस्तान के अखबार 'द डॉन' के मुताबिक- घटना रविवार रात की है। कोहिस्तान के दासू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर बड़ी तादाद में चीनी इंजीनियर और टेक्नीशियन काम कर रहे थे। यहां सभी मजदूर पाकिस्तानी हैं। इनमें दो ट्रक ड्राइवर हैं। इनके नाम गुलिस्तान और यासिर हैं।

इन दोनों ने ही पाकिस्तानी मजदूरों को बताया कि चीन के एक अफसर ने ईशनिंदा की है। इसके बाद ये लोग भड़क उठे। भीड़ चीनी नागरिकों के रिहायशी कैम्प में पहुंची और वहां हमला कर दिया। इसी दौरान पुलिस फोर्स पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद चीनी नागरिकों को बचाकर थाने ले आई।

एफआईआर के मुताबिक- ईशनिंदा कानून की धारा 295-सी के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी चीनी नागरिकों को किसी महफूज जगह ले जाया गया है। इलाके में भारी तनाव है। सोमवार को भी यहां बड़ी तादाद में लोग पहुंचे और काराकोरम हाईवे जाम कर दिया।

अजीत डोभाल से मिले रूस के डिप्टी पीएम

मास्को, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। रूस के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर डेनिस वेलेंटिनोविच मांटुरोव ने सोमवार को नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर अजीत डोभाल से मुलाकात की। दो दिन के दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे डेनिस मंगलवार को बेहद अहम इंटरगवर्नमेंट कमीशन की मीटिंग में हिस्सा लेंगे। रूसी डिप्टी पीएम का यह दौरा भारत से ट्रेड रिलेशन को लेकर खास है। दरअसल, रूस दो मुद्दों पर फोकस कर रहा है। पहला- दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस बनाया जाए। दूसरा- रुपए में ट्रेड शुरू करने को लेकर कोई आसान रास्ता निकाला जाए।

सोमवार को मांटुरोव ने अजीत डोभाल से मुलाकात की। इस दौरान स्ट्रैटेजिक रिलेशन शुरू करने पर फोकस रहा। रूस और यूक्रेन जंग के दौरान भारत ने रूस से काफी क्रूड ऑयल खरीदा और इसको लेकर अमेरिका ने नाराजगी दर्ज कराई थी। इसके बावजूद भारत ने न तो तेल खरीदना बंद किया और न ही यूक्रेन पर रूसी हमले की निंदा की।

दोनों देशों के बीच बाइलैट्रल रिलेशन को लेकर भी कुछ मुद्दे हैं। इनमें से ज्यादातर ट्रेड और डिफेंस से जुड़े हैं। भारत कई बार रूस-यूक्रेन जंग को खत्म करने पर जोर दे चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति से कहा था- यह दौर जंग का नहीं है।

पायलट की सभा में मंत्री गुढ़ा का हाईकमान को चैलेंज

बोले- मां का दूध पिया है तो सचिन पर कार्रवाई कीजिए; छठी का दूध याद आ जाएगा

जयपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। सैनिक कल्याण राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कांग्रेस हाईकमान और प्रदेश प्रभारी को चेतावनी दी है। मंत्री ने कहा- 'मैं चैलेंज देना चाहता हूं, मां का दूध पिया है तो सचिन पायलट के खिलाफ अनुशासन की कार्रवाई करके बताइए। छठी का दूध याद आ जाएगा।'

गुढ़ा सोमवार को झुंझुनूं के खेतड़ी में टीबा गांव में शहीद की प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के बाद हुई सभा में बोल रहे थे। सभा में पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट भी मौजूद थे।

गुढ़ा ने कहा कि मुझे लोग कहते हैं कि मुख्यमंत्री तुम्हें जेल भेज देंगे। जेल का लाइसेंस रिन्यू करने का टाइम आ गया है। राजस्थान की 36 कौम और सभी जाति के नौजवान पायलट के साथ खड़े हैं। जी जान देने के लिए तैयार हैं। जिस दिन जरूरत पड़ेगी।

करोड़ों लोग गद्दार, नाकारा, निकम्मा जैसी भाषा नहीं सुनेंगे

गुढ़ा ने कहा- मुख्यमंत्री की 63 साल की उम्र थी तब भी सरकार नहीं बना पाए। 100 के 21 बना दिए थे। अब हमारे मुख्यमंत्री 73 साल के हो गए हैं। 2013 में जवानी कुछ बची हुई थी। अब 73 के हो गए हैं। अब प्रचंड बहुमत आएगा। समाचार समाप्ति की तरफ जा रहे हैं। करोड़ों लोग यह भाषा नहीं सुन सकते, ये गद्दार, नाकारा निकम्मा। ये नहीं सुन सकते। हमारे धैर्य की परीक्षा नहीं ली जए। ये नौजवान बर्दाश्त करने वाला नहीं है। गुढ़ा तो कभी भी अनुशासनहीनता की कार्रवाई के लिए तैयार है, कभी कर देना। मेरे खिलाफ झूठे मुकदमे किए गए।

सोलंकी बोले- पायलट के चेहरे के बिना सरकार नहीं आएगी

पायलट समर्थक विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने कहा कि पायलट का चेहरा आगे नहीं किया तो सरकार आना मुश्किल है। जिन नेताओं ने हमें यहां तक पहुंचाया है। उनकी हम शहादत नहीं होने देंगे। यह पायलट की ताकत थी। यह पायलट का ही चेहरा था। इसकी वजह से कांग्रेस की सरकार आई। आने वाले समय में भी अगर पायलट का चेहरा रहा तो ही कांग्रेस की सरकार रिपीट करेगी।

अगर इस चेहरे में थोड़ी सी भी मायूसी दिखी तो मुझे लगता है सरकार नहीं आएगी। जो मंत्री गुढ़ा ने कहा वह बात सही हो जाए। हम नहीं चाहते, जो गुढ़ा ने बात कही वह सही हो। कार्यकर्ता कांग्रेस की सरकार लाना चाहते हैं। कांग्रेसी कार्यकर्ता चाहते हैं। इसके चेहरे पर यह सरकार आई थी, उस चेहरे को चमकाना बहुत जरूरी है।

मंत्रियों के पास पावर नहीं है

सोलंकी ने कहा कि शहीद की वीरांगना आज भी नौकरी के लिए तड़प रही है। मंत्री राजेंद्र गुढ़ा सही कहते हैं कि मंत्रियों को पावर नहीं है। मंत्रियों को पावर दिए जाने चाहिए। मंत्रियों के पावर अभी भी हाथ में नहीं है। गुढ़ा बार-बार कहते हैं। शेखावाटी के लोग सेना में सबसे ज्यादा बलिदान देते हैं। सरकार इनके प्रपोजल को खारिज करती है तो उन लोगों से हमें लड़ाई भी लड़नी है। जो देश के लिए शहीद होते हैं, हमें उनकी इज्जत करनी चाहिए।

सोलंकी ने कहा कि सरकार ने जो घोषणा की उसे पूरा किया जाना चाहिए। जहां सरकार घोषणा करती है, जहां नौकरी देने की बात करती है। उसे पूरा नहीं किया जाता। हमारे झुंझुनूं की शहीद की वीरांगना को नौकरी नहीं मिल रही। मंत्री राजेंद्र गुढ़ा बैठे हैं, सरकार से अप्रूव करवाओ। सचिन पायलट की वजह से आज चार-चार दलित मंत्री कैबिनेट में हैं। पायलट की आपकी आवाज की वजह से पहली बार चार-चार दलित कैबिनेट मंत्री बने हैं।

पायलट के आरोपों पर गहलोत का जवाब

डेढ़ साल सरकार में थे सचिन, तब क्यों नहीं उठाए मुद्दे; आलाकमान को भेजा जवाब

जयपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के अनशन पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पहली बार खुलकर अपनी राय रखी है। इस मामले पर उन्होंने कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के जरिए आलाकमान को जवाब भेजा है और पायलट पर गुमराह करने का आरोप लगाते हुए हमला बोला है।

पायलट का कहना था कि पिछली वसुंधरा सरकार के समय हुए 45 हजार करोड़ के खान घोटाले सहित अन्य भ्रष्टाचार की जांच सीएम अशोक गहलोत ने नहीं कराई। इसे लेकर उन्होंने 11 अप्रैल को अनशन भी किया था। इस पूरे मामले में गहलोत अब तक चुप्पी साधे रहे।

पायलट को या तो जानकारी नहीं, या जनता को गुमराह कर रहे हैं

गहलोत ने अपने जवाब में कहा- पायलट अनशन पर क्यों बैठे, यह समझ से परे है। जिन मुद्दों की वे बात कर रहे हैं, उन सभी पर सरकार कार्रवाई कर चुकी है। या तो पायलट को जानकारी नहीं है या फिर वो जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। डेढ़ साल तक सरकार में रहते हुए कभी पायलट ने ये मुद्दे नहीं उठाए। साढ़े चार साल तक इन आरोपों पर चुप रहे।

खान घोटाले पर 91 कार्रवाई हुई

खनन आवंटन तो कांग्रेस के दबाव में भाजपा सरकार के दौरान ही रद्द कर दिए थे। तब कई लीजधारक हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट गए। कोर्ट ने 20 फरवरी 2020 को आदेश दिए कि 3 वरिष्ठ अधिकारियों की समिति बनाकर समीक्षा की जाए। इस समिति ने भी आवंटन निरस्त करने की अनुशंसा की। लोकायुक्त जांच और सिफारिश के बाद 55 अफसर-कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर 91 कार्रवाई की गईं।

वसुंधरा सरकार के कई फैसले कई निरस्त किए

2009 में पूर्ववर्ती सरकार के कामों की जांच के लिए माथुर आयोग बनाया। हाई कोर्ट ने इसे भंग कर दिया। केस लोकायुक्त को भेजे। 2013 से 2018 के कार्यकाल के आखिरी 6 माह में लिए गए फैसलों की समीक्षा के लिए मंत्रियों की उपसमिति बनाई, जिसकी समीक्षा के बाद कई फैसले निरस्त किए।

पिछली वसुंधरा सरकार ने 5 अगस्त 2018 से 30 सितंबर 2018 तक सरकारी खर्च से राजस्थान गौरव यात्रा निकाली।

मैं विरोध करता हूं तो धुआं निकाल देता हूं : पायलट

सचिन पायलट सोमवार को झुंझुनूं के टीबा गांव पहुंचे। यहां उन्होंने CM गहलोत और पूर्व सीएम वसुंधरा राजे पर निशाना साधा। कहा- जनता से किए वादे पूरे नहीं हुए हैं। ऐसे में चुनाव के वक्त किस मुंह से वोट मांगने जाएंगे? मैं विरोध करता हूं तो ऐसा करता हूं कि धुआं निकाल देता हूं।

मंत्री जोशी पर आत्महत्या के लिए उकसाने की एफआईआर दर्ज

पीड़ित परिवार का आरोप- खुद की जमीन पर घर नहीं बनाने दिया; धरने पर बैठे

जयपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में युवक के सुसाइड मामले में देर रात कैबिनेट मंत्री महेश जोशी समेत 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। एफआईआर मृतक राम प्रसाद मीणा (43) के भाई महावीर मीणा की शिकायत पर दर्ज की गई है।

डीसीपी नॉर्थ शशि डोगरा ने कहा- मृतक के भाई महावीर ने बताया कि उसके भाई ने मरने से पहले उसे बताया था कि मंदिर संचालक देवेन्द्र शर्मा, ललीत शर्मा, राकेश टांक, मुंजी टाक व उनका साथी देव अवस्थी, लालचन्द देवनानी, हिमांशु देवनानी और हवामहल विधायक व कैबिनेट मंत्री महेश जोशी उसे बहुत परेशान कर रखा है। जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। बोल रहे हैं- तुम इस जमीन को खाली कर दो। हमारे से बुरा कोई नहीं होगा।

महावीर ने कहा- इन लोगों ने मेरे परिवार के लोगों को जाति सूचक गाली भी दी। कहा- तुम्हारा मंदिर के पास में रहने का कोई अधिकार नहीं है, जबकि हमने इस जमीन का पट्टा 2017 में नगर निगम से लिया हुआ है। इसके बावजूद हमारी जमीन पर मकान का निर्माण करने पर नगर निगम का गार्ड आ जाता है। कभी नगर निगम की गाड़ी आ जाती है। कई बार बात करने के बावजूद हमें परेशान कर रहे हैं।

विजिलेंस अधिकारी नील कमल मीणा बोलो जोशी ने बोला हुआ है

पुलिस को दी शिकायत में महावीर ने कहा- हम लोग नगर निगम अधिकारी नील कमल मीणा के पास गए थे। उन्हें दस्तावेज दिखाए तो उन्होंने कहा कि मेरे ऊपर महेश जोशी मंत्री का दबाव है। इसका काम रोका जाए। इसके बाद हमारा पूरा परिवार 13 अप्रैल को सिविल लाईंस स्थित महेश जोशी के घर गया। महेश जोशी मंत्री ने वहां हमें धमकाया।

24 घंटे से घर में रखा शव

मृतक राम प्रसाद मीणा का शव पिछले 24 घंटे से घर पर ही रखा है। मृतक के परिजनों ने उस कमरे को ताला लगा रखा है, जिसमें राम प्रसाद ने सुसाइड किया। वे फिलहाल वहीं धरने पर बैठे हैं। वहीं, आरोपियों पर जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

मंगलवार दिन में पहुंची निगम की टीम से भिड़े लोग

मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हेरीटेज निगम के अफसरों को फटकार लगाते हुए एक आरोपी देवेन्द्र शर्मा के होटल पर कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं। जो मृतक की जमीन के पास ही है। बताया जा रहा इसका निर्माण अवैध रूप से चल रहा था। निगम के अधिकारियों ने होटल तो बनने दिया, लेकिन रामप्रसाद मीणा का घर नहीं बनने दिया। इस पर होटल पर एक्शन हो रहा है।

सीएम के आदेश के बाद आज दोपहर 12 बजे विजिलेंस की टीम बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंची। इस दौरान लोगों का निगम के अधिकारियों के खिलाफ गुस्सा बढ़ गया। इसके बाद गुस्साए लोगों ने विजिलेंस ऑफिसर नीलकमल मीणा के साथ हाथापाई कर दी। लोगों का गुस्सा देख कर निगम के अधिकारी भी पीछे हट गए।

सुसाइड करने वाला राम प्रसाद चांदी की टकसाल, काले हनुमान मंदिर के पास रहता था। यहां से 200 मीटर दूर ही उसकी जमीन है। इस जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। मृतक खुद की जमीन पर मकान बनाना चाहता था।

आरोप है कि महेश जोशी सहित कई लोग उन्हें मकान बनाने के लिए बार-बार रोकते थे। जमीन के सभी डॉक्युमेंट होने के बाद भी उसके घर के बाहर गार्ड लगा दिए थे ताकि काम नहीं करा सके। इसे लेकर राम प्रसाद की दादी शनिवार को महेश जोशी से मिली, लेकिन उन्होंने कोई मदद नहीं की। इससे परेशान होकर राम प्रसाद ने सोमवार सुबह फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया।

सुसाइड से पहले वीडियो भी बनाया

राम प्रसाद ने मरने से पहले एक वीडियो भी बनाया। वीडियो में उसने कहा कि उसकी जमीन के सभी डॉक्युमेंट होने के बाद भी उसे मकान नहीं बनाने दिया जा रहा है।

गिरधारी जी मंदिर के देवेंद्र शर्मा, ललित शर्मा, होटल रॉयल शेरटन के मालिक मुंजी टांक, देवा अवस्थी, लालचंद देवनानी और कैबिनेट मंत्री महेश जोशी ने परेशान कर रखा है। इसके चलते मैं सुसाइड करने जा रहा हूं।

इन लोगों की वजह से मेरी मां गुलाबी देवी और पत्नी सुमन मीणा बीमार रहती है। हर जगह शिकायत देने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। सांसद किरोड़ी लाल मीणा से निवेदन करता हूं की मेरे परिवार को इंसाफ दिलाए।

एफआईआर में मंत्री का नाम फाइल जाएगी पुलिस मुख्यालय

सुभाष चौक थाना सीआई रामफूल ने बताया- देर रात परिवार की ओर से दी गई शिकायत पर एफआईआर दर्ज की है। एफआईआर में 8 लोग नामजद हैं। चूंकि रिपोर्ट में राज्य सरकार से मंत्री का नाम है इसलिए PHQ व उच्चाधिकारियों की जांच के लिए सीआईडी (सीबी) को भिजवाई जावेगी।

कांग्रेस विधायकों से फीडबैक में पूछे सवालों पर विवाद

बीजेपी बोली- क्या राहुल गांधी की पार्टी मोहब्बत की दुकान अब धर्म-जाति देखकर खोलेगी?

जयपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस विधायकों के वन टू वन फीडबैक में 13 सवालों की लिस्ट पर अब सियासी विवाद हो गया है। विधायकों से पहला ही सवाल धार्मिक और जातिगत समीकरणों पर होने को लेकर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी के नेशनल आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने ट्वीट करके विधायकों से धार्मिक समीकरण पूछने पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस विधायकों को 13 सवाल पूछे गए थे।

मालवीय ने लिखा- राजस्थान में कांग्रेस ने अपने विधायकों से फीडबैक लेने के लिए वन टू वन संवाद में 13 सवालों का एक फॉर्म बांटा। पहला सवाल ही क्षेत्र में जातिगत और धार्मिक समीकरण से जुड़ा था। क्या चुनावी प्रदेश में राहुल गांधी की पार्टी मोहब्बत की दुकान अब धर्म और जाति देख कर खोलेगी?

अमित मालवीय के ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर इसे लेकर वार-पलटवार का दौर शुरू हो गया। कई यूजर्स ने जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के इंटरव्यू में कई मुद्दों पर सवाल पूछने शुरू कर दिए। बीजेपी विरोधी यूजर्स ने मालवीय पर सवाल उठाए। बीजेपी समर्थक यूजर्स ने सवालों पर मीम बनाकर शेयर कर दिए। विधायकों से पूछे सवाल पर राहुल गांधी और कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा।

कांग्रेस की फीडबैक बैठकों में विधायकों को 13 सवाल का प्रोफार्मा दिया जा रहा है। इसमें पहला सवाल है कि आपके क्षेत्र के जातिगत और धार्मिक समीकरण क्या है? अमित मालवीय ने इसी सवाल पर कांग्रेस को घेरने का प्रयास किया। 13 सवालों के प्रोफार्मा में सरकार की प्रभावशाली योजनाओं और नए जिलों पर भी सुझाव पूछे गए हैं।

कोटा और भरतपुर संभाग के विधायकों से फीडबैक

कांग्रेस वॉर रूम में 17 अप्रैल को जोधपुर और अजमेर संभाग के विधायकों से फीडबैक लिया गया था। मंगलवार को उदयपुर, कोटा और भरतपुर संभाग के विधायकों से फीडबैक है। आज उदयपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमंद, कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड़, भरतपुर, धौलपुर, करौली और सवाईमाधोपुर जिलों के विधायकों को बुलाया है।

अजमेर के अनुराग 6 हजार मीटर की ऊंचाई से गिरे

पहाड़ों के बीच दरार में लापता, नेपाल की माउंट अन्नपूर्णा चोटी पर हादसा

अजमेर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल स्थित दुनिया की दसवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट अन्नपूर्णा से अजमेर के पर्वतारोही अनुराग मालू लापता हो गए हैं। वह 6 हजार मीटर की ऊंचाई से दरार में नीचे गिर गए, फिलहाल उनका कोई पता नहीं चल रहा। पर्वतारोही अभियान आयोजक अधिकारी मिंगमा शेरपा व उनके पिता ने घटना की पुष्टि की है।

सेवन समिट ट्रेक्स के अध्यक्ष मिंगमा शेरपा के अनुसार- राजस्थान के किशनगढ़ के अनुराग मालू (34) सोमवार सुबह कैंप-3 से उतरते समय लगभग लापता हो गए। वे पहाड़ों के बीच की दरार में गिरे हैं। मालू ने पिछले साल ही

नेपाल स्थित माउंट अमा डबलाम पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की थी। वे माउंट एवरेस्ट, अन्नपूर्णा और ल्होत्से पर चढ़ने की योजना बना रहे थे। मालू कर्मवीर चक्र से भी सम्मानित हो चुके हैं। वह भारत से अंटार्कटिक यूथ एंबेसडर बने थे। मालू पर्वतारोहण के लिए प्रसिद्ध पर्वतारोही बछेंद्री पाल के स्टूडेंट हैं। शेरपा ने कहा- लापता पर्वतारोही की तलाश की जा रही है, लेकिन उनकी स्थिति के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है।

माउंट अन्नपूर्णा पर्वतारोहियों के लिए सबसे खतरनाक पर्वतों में से एक माना जाता है। मालू इस पर्वत पर चढ़ाई करने के लिए पहुंचे थे। उनको भारत से 2041 तक अंटार्कटिक यूथ का एंबेसडर बनाया गया था। किशनगढ़ के मायाबाजार के पास निवासी अनुराग के पिता ओमप्रकाश मालू ने बताया- अनुराग 24 मार्च को पर्वतारोहण के लिए रवाना हुआ। किशनगढ़ से जयपुर और जयपुर से दिल्ली होते हुए काठमांडू गए थे।

संजीवनी मामले में गहलोत सरकार को फटकार

हाईकोर्ट ने कहा- आपने कोर्ट का मजाक बना रखा है; कभी कुछ कहते हैं, कभी कुछ

जोधपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने संजीवनी सोसायटी केस में राजस्थान सरकार के प्रार्थना पत्र को तत्काल सुनने से इनकार कर दिया। अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल जोशी के अनुरोध को ठुकराते हुए न्यायाधीश कुलदीप माथुर ने कहा - आपने क्या कोर्ट का मजाक बना रखा है। कभी कुछ आकर बोलते हैं, कभी कुछ। फिर यह प्रार्थना पत्र आगे बढ़ाते हैं। आज नहीं, कल लगा दो, कल नहीं तो परसों लगा दो, यह कोई तरीका नहीं है। कोर्ट अपने हिसाब से चलता है।

13 अप्रैल को राजस्थान हाईकोर्ट ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की याचिका पर सुनवाई करते हुए संजीवनी सोसायटी केस में उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी। उस दिन हाईकोर्ट में राजस्थान सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि याचिकाकर्ता एसओजी की ओर से दर्ज किसी भी मामले में आरोपी नहीं है। जब उनके खिलाफ मामला ही नहीं है तो गिरफ्तारी का अंदेशा गलत है।

इसके अगले दिन 14 अप्रैल को राजस्थान सरकार ने एक प्रार्थना पत्र हाईकोर्ट में लगाया कि हमने जो वक्तव्य दिया था, वह हमसे गलत

राजस्थान हाईकोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

चला गया है, क्योंकि वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे, जबकि आईओ कोर्ट में थे। इसलिए हम वरिष्ठ अधिवक्ता को बता नहीं पाए कि गजेंद्र सिंह शेखावत आरोपी हैं।

राजस्थान सरकार के प्रार्थना पत्र पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के अधिवक्ता आदित्य विक्रम सिंह ने बताया कि ऐसा नहीं है कि राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिवक्ता हाईकोर्ट में सही से बता नहीं पाए हों, क्योंकि उस दिन हाईकोर्ट में आईओ भी थे, एएजी भी थे और उनके बाकी अधिवक्ता भी थे। किसी ने भी उस वक्तव्य को सुधारा नहीं।

शेखावत के अधिवक्ता सिंह ने बताया कि राजस्थान सरकार के एएजी अनिल जोशी ने इस विषय का सोमवार को हाईकोर्ट में न्यायाधीश कुलदीप माथुर के सामने उल्लेख किया। वरिष्ठ अधिवक्ता सिंधवी ने न्यायाधीश माथुर से कहा कि मुझसे गलत वक्तव्य चला गया, क्योंकि मैं दिल्ली में बैठा था। इस पर न्यायाधीश माथुर ने कहा कि जो प्रार्थना पत्र आपने फाइल किया है, वह सामान्य प्रक्रिया में कोर्ट के समक्ष आ जाएगा। हम किसी प्रार्थना पत्र को रोकते नहीं हैं। आप अपने प्रार्थना पत्र को आने दीजिए। हम उसको देख लेंगे। इसको सामान्य प्रक्रिया के तहत ही कोर्ट में लगने दीजिए।

अधिवक्ता सिंह ने बताया कि इस पर हाईकोर्ट में मौजूद एएजी अनिल जोशी ने कहा कि यह गलत वक्तव्य चला गया।

तेज रफ्तार बाइक्स में आमने-सामने की टक्कर, तीन की मौत

बीकानेर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार में बाइक चला रहे तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा सोमवार देर रात श्रीडूंगरगढ़ में दो बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। घायल युवकों को गंभीर हालत में पीबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। रात करीब 10 बजे से एक बजे के बीच तीन युवकों ने दम तोड़ दिया।

दरअसल, श्रीडूंगरगढ़ के गांव लखासर के युवक नारायण सिंह और तख्तसिंह श्रीडूंगरगढ़ से लखासर की ओर जा रहे थे। वहीं, सामने से कोलायत तहसील के गांव गिरजसर निवासी मोतीराम नाई और उसका बेटा डूंगरराम नाई श्रीडूंगरगढ़ की ओर आ रहे थे। रात करीब 9.30 बजे हाइवे पर हेमासर फांटे के पास दोनों बाइक में की आमने सामने की टक्कर हो गई। दोनों बाइक पर चार लोग सवार थे। चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। रास्ते से गुजर रहे लोगों ने इन्हें अस्पताल पहुंचाया। एम्बुलेंस ने घायलों को श्रीडूंगरगढ़ चिकित्सालय पहुंचाया। यहां पहुंचने पर रात करीब 10 बजे नारायण सिंह को डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया।

जयपुर ले जाते वक्त दम तोड़ा

बाकी तीनों घायलों को बीकानेर ट्रोमा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। बीकानेर ट्रोमा सेंटर पहुंचने से पहले रात करीब 12 बजे मोतीराम नाई ने भी दम तोड़ दिया। वहीं, ट्रोमा सेंटर में तख्तसिंह की हालत गंभीर हो गई। उसे जयपुर रेफर किया गया।

2 दिन बारिश-आंधी का अलर्ट: 12 जिलों में हो सकती है बरसात; 50कि.मी गति से हवा चलेगी

जयपुर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर बारिश होने के साथ ही आंधी चल सकती है। मौसम विभाग ने 12 से ज्यादा जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। बारिश-आंधी से गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिल सकती है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण मौसम में ये बदलाव आएगा। मौसम केन्द्र जयपुर के मुताबिक आज देर शाम श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, चूरू, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, नागौर, झुंझुनूं जिलों में बारिश हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस दौरान तेज हवा चलने की संभावना है। कई जिलों में हवा की स्पीड 40 या 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है। इन जिलों में वर्तमान में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर बना हुआ है। ऐसे में संभावना है कि मौसम के इस बदलाव से यहां तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ सकती है। इससे लोगों को तेज गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है।

मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक उत्तर भारत के जम्मू-कश्मीर, गिलगिट एरिया में दो बैक-टू-बैक वेस्टर्न डिस्टरबेंस आए हैं। दूसरा सिस्टम आज शाम से एक्टिव होगा। इसकी तीव्रता पहले के मुकाबले थोड़ी ज्यादा है। इसके अलावा पंजाब की सीमा के पास पाकिस्तान क्षेत्र एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बन रहा है। इस सर्कुलेशन के कारण एक ट्रफ लाइन पंजाब, हरियाणा, राजस्थान होते हुए मध्य प्रदेश से बनेगी।

अनाज के अवैध प्रवेश को रोकने के लिए सख्त कदम उठाएं : डीजीपी

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार ने आज कहा कि चूंकि राज्य में यासंगी चावल की खरीद शुरू हो गई है, इसलिए राज्य में सीमावर्ती राज्यों से अनाज के अवैध प्रवेश को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाने चाहिए। यासंगी धान की खरीद शुरू होने के साथ सीमावर्ती राज्यों से धान की तस्करी को रोकने के लिए पुलिस आयुक्तों, एसपी, सतर्कता अधिकारियों, नागरिक आपूर्ति अधिकारियों और आबकारी अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में नागरिक आपूर्ति आयुक्त अनिल कुमार, आबकारी आयुक्त सरफराज अहमद, कानून व्यवस्था के अतिरिक्त महानिदेशक संजय कुमार जैन, आईजी चंद्रशेखर रेड्डी, शाह नवाज कासिम और अन्य ने भाग लिया। इस मौके पर बोलते हुए डीजीपी अंजनी कुमार ने कहा कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है, जो अधिकतम समर्थन मूल्य पर यासंगी धान खरीद रहा है। उन्होंने कहा कि इस पृष्ठभूमि में सीमावर्ती राज्यों से राज्य में चावल के अनाज के अवैध आगमन की संभावना है। तेलंगाना में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और छत्तीसगढ़ के साथ अपनी सीमा साझा करने वाले 17 जिले हैं, जिसके लिए 50 क्षेत्रों में विशेष चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि छह जिले महाराष्ट्र से, चार कर्नाटक से, पांच आंध्र प्रदेश से और दो जिले छत्तीसगढ़ राज्य से लगते हैं। डीजीपी ने कहा कि इन 17 सीमावर्ती जिलों में अतिरिक्त कलेक्टर, एसपी, राजस्व और नागरिक आपूर्ति अधिकारी संयुक्त रूप से चेक पोस्ट स्थापित करने की योजना बनाएं. उन्होंने कहा कि राज्य में धान के संग्रह में काफी वृद्धि हुई है और वर्तमान में 161 लाख मीट्रिक टन अनाज एकत्र किया जा रहा है। हालांकि, एकत्र किए गए धान की मिलिंग क्षमता की कमी के कारण, कुछ मिलरों ने पुलिस अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे मिलों में अनाज के स्टॉक की लगातार जांच करें क्योंकि इससे उन्हें अन्य अवैध मार्गों पर ले जाने की संभावना है। इस संबंध में वे पूर्व में दर्ज मामलों पर मिलरों पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। एडिशनल डीजी संजय कुमार जैन ने कहा कि अन्य राज्यों से अनाज की ढुलाई को रोकने के लिए सीमाओं पर तुरंत चेक पोस्ट स्थापित की जाएं और संबंधित चेक पोस्ट अधिकारियों का विवरण भेजा जाए. वर्तमान में, राज्य में सात सतर्कता विभाग हैं। सतर्कता अधिकारियों ने कहा है कि निरीक्षण गहनता से किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर गैर-ड्यूटी वाली शराब दूसरे राज्यों से आती है, तो इसका असर हमारे राज्य के खजाने पर पड़ेगा। नागरिक आपूर्ति आयुक्त अनिल कुमार ने कहा कि चेक पोस्टों से ही नहीं बल्कि अन्य रास्तों से भी अवैध रूप से अनाज की आवक की आशंका है. इसलिए जरूरत इस बात की है कि अनाज की अवैध आवक को रोका जाए। उन्होंने कहा कि कुछ मिलर एक रुपये का पीडीएस चावल नौ रुपये में खरीदते हैं और उसे 35 रुपये में बेचते हैं।

निदेशक मद्य निषेध और उत्पाद सरफराज अहमद ने कहा कि महाराष्ट्र से तेलंगाना में देशी शराब के अवैध परिवहन की संभावना है और कहा कि इसे रोकने के लिए आबकारी और पुलिस विभागों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ड्यूटी फ्री शराब की खेप को रोका जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मध्यम और प्रमुख शराब ज्यादातर अवैध रूप से गोवा और कर्नाटक से तेलंगाना में लाई जा रही हैं और इसे रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से परिवहन व अन्य वाहनों की व्यापक जांच की जाए। सरफराज अहमद ने बताया कि जिलों में एसपी व आबकारी अधिकारी संयुक्त रूप से बैठक कर कार्य योजना तैयार करें। महबूबाबाद, भूपालपल्ली, नगर कुरनूल, सूर्यापेट और कोठागुडेम जिलों में गुडंबा के मामले सामने आ रहे हैं।

जन सेवा संघ के शिष्टमंडल ने एनएमडीसी के महाप्रबंधक से मुलाकात की

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के महासचिव सुधीर जायसवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार तेलंगाना के एक विख्यात संगठन जन सेवा संघ के शिष्टमंडल के प्रमुख श्री डी डी तिवारी एवं वरिष्ठ तथा अनुभवी सदस्य श्री आर पी सिंह ने हैदराबाद स्थित एनएमडीसी के कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के महाप्रबंधक पी. श्याम से मुलाकात की एवं उन्हें जन सेवा संघ, प्रिजन वर्ल्ड तथा अभिप्राय की कार्य पद्धति के विषय में जानकारी प्रदान किया।

इसी संदर्भ में श्री पी श्याम ने इन तीनों संस्थाओं की प्रशंसा करते हुए अपने विभाग की ओर से आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया जिससे सेवाभावी उपरोक्त तीनों संस्थाओं की निर्बाध गतिशीलता जारी रहे। इसके निमित्त श्री डी डी तिवारी एवं श्री आर पी सिंह ने उनका आभार व्यक्त किया ।

बीसी गुरुकुल स्कूल टीएसयूटीएफ में ग्रीष्मकालीन शिविर समाप्त करें

कुमरम भीम आसिफाबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीएस यूटीएफ गुरुकुल स्टेट सब कमेटी के आह्वान पर आज राज्य भर के सभी बीसी गुरुकुल स्कूलों में लंच ब्रेक के दौरान काली पट्टी के साथ विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर टीएस यूटीएफ जिला अध्यक्ष शांति कुमारी ने एकजुटता के साथ कहा कि कागजनगर में मध्याह्न भोजन अवकाश कार्यक्रम के दौरान काली पट्टी लगाकर प्रदेश भर के महात्मा ज्योतिबापुले गुरुकुल स्कूल में 18 दिनों तक आयोजित होने वाले समर कैंप में शिक्षकों की मर्जी को लिया और निरस्त करने की मांग की अन्यथा इससे अधिक दसवीं कक्षा के 50 प्रतिशत छात्रों ने अधिकारियों के आदेशानुसार पाठ्यक्रम पूरा कर लिया है। इसके अलावा स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी या भवनों या संकीर्ण कक्षाओं में अपर्याप्त सुविधाओं के कारण कई समस्याएं हैं। ग्रीष्मकाल में छात्रों के लिए छोटी कक्षाओं में शिविर आयोजित करने के लिए शिक्षक 18 दिनों के शिविरों में भाग लेने के लिए अन्य क्षेत्रों में जाते हैं, यह एक बहुत ही शर्मनाक स्थिति है जिसमें महिला शिक्षक अपने छोटे बच्चों के साथ सूर्य की गर्मी का सामना नहीं कर पाती हैं, पहले से ही गुरुकुल में स्कूल में सुबह % बजे से रात 10 बजे तक वे घंटों तक अपनी ड्यूटी करते रहे हैं और काम के भारी दबाव के बावजूद वे साल भर त्योहारों की छुट्टियों और छुट्टी की ड्यूटी बिना किसी छुट्टी के करते रहे हैं, कम से कम गर्मियों में यह अच्छा होगा अगर वे अपने साथ समय परिवारों के साथ बिता सकें । वर्ष के दौरान उन्होंने काम के भारी दबाव के बारे में सोचे बिना छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दिशा में काम किया है, इसलिए कम से कम वे अपने परिवारों के साथ अपनी गर्मी की छुट्टियां बिताने में सक्षम हों, इसलिए उन्हें इच्छुक शिक्षकों को शिविरों में आवंटित करना चाहिए और उन्हें अर्जित अवकाश दें। इस अवसर पर जिला सचिव महिपाल एवं मंडल प्रभारी हेमावनी, नन्दा, सोनीलाल, आणंद एवं गुरुकुल के कर्मचारियों ने इस विरोध कार्यक्रम में भाग लिया।

संत निरंकारी मिशन द्वारा विश्वव्यापी रक्तदान श्रृंखलाओं का आयोजन

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मानवता के मसीहा बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में दिनांक 24 अप्रैल का दिन संपूर्ण निरंकारी जगत द्वारा देश एवं दूर देशों में रक्तदान शिविरों के आयोजन से 'मानव एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मानव कल्याणार्थ हेतु संत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा भारतवर्ष में स्थापित निरंकारी मिशन की लगभग सभी ब्रांचों सहित देश की राजधानी दिल्ली में रक्तदान शिविर जैसे महाअभियान का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सभी रक्तदाता स्वैच्छापूर्वक सम्मिलित होकर पूरे जोश एवं उत्साह से रक्तदान करेंगे। जैसा कि सर्वविदित ही है कि युगप्रवर्तक बाबा गुरबचन सिंह जी ने सत्य के बोध द्वारा मानव जीवन को सभी प्रकार के भ्रमों से मुक्त करवाया; साथ ही समाज उत्थान हेतु अनेक कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित किया

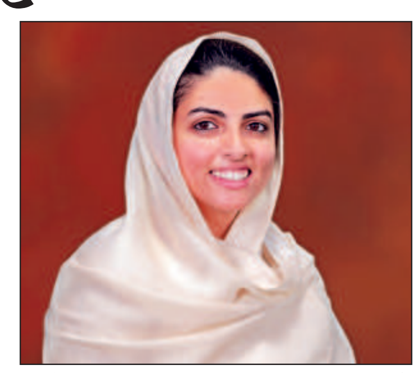

जिनमें सादा शादियां, नशा मुक्ति एवं युवाओं को खेलो के प्रति प्रेरित किया। समाज में व्याप्त कुरितियों के उस दौर के उपरांत बाबा हरदेव सिंह जी के प्रेरक संदेश 'रक्त नाड़ियों में बहे, न कि नालियों में' द्वारा सभी श्रद्धालुओ को एक नई सकारात्मक दिशा मिली। उसी प्रेरक संदेश को प्रत्येक निरंकारी भक्त मानवता के उपकार हेतु निरंतर उसे जीवन्त रूप में अपनाकर लोककल्याणार्थ हेतु अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे है। संत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय श्री जोगिन्दर सुखीजा जी ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह महा अभियान भारत में स्थापित संत निरंकारी मिशन के 99 ज़ोन की लगभग सभी ब्रांचों में आयोजित किया जायेगा। इन सभी रक्तदान शिविरों में रक्तदान से पूर्व की जाने वाली जाँच एवं स्वच्छता की ओर विशेष रूप से ध्यान दिया जायेगा। साथ ही रक्तदाताओं हेतु जलपान की समुचित प्रबंध व्यवस्था भी की जा रही है। रक्तदान शिविरों में रक्त संग्रहित करने हेतु इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी और सरकारी अस्पतालों से योग्य एवं प्रशिक्षित टीम आयेंगी। निश्चित रूप में लोक कल्याण हेतु चलाया जा रहा यह महा अभियान निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की सेवा प्रदत्त सिखलाइयो को दर्शाते हुए एकत्व एवं मानवता का दिव्य संदेश प्रेषित कर रहा है जिससे निरंकारी जगत का हर प्राणी प्रेरणा प्राप्त कर अपने जीवन को कृतार्थ कर रहा है।

पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा डॉ. अहिल्या मिश्र का सम्मान

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल, कांदास्वामी लेन, हनुमान टेकड़ी, सुल्तान बाजार में महिलाओं की शिक्षा का निरंतर प्रयास करने वाली तथा महान लेखक का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। गौरतलब है कि यह सम्मान कार्यक्रम डॉ. मिश्र को हाल ही में केंद्र सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति के गैर सरकारी सदस्य के रूप में मनोनीत किये जाने पर आयोजित किया गया। श्रुतिकांत भारती, मंत्री, पंडित गंगाराम स्मारक मंच ने पण्डित गंगाराम जी के विषय में संक्षिप्त जानकारी दी तथा डॉ अहिल्या मिश्र का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने बताया कि पण्डित जी बाल्यावस्था में आर्य समाज के संपर्क में आने से ही उन्होंने हिंदी अपनाई और जीवन पर्यंत हिंदी के लिए जिए। दक्षिण भारत में पहले महाविद्यालय की स्थापना हिंदी महाविद्यालय के रूप में भी पंडित जी का काफी महत्व योगदान रहा, जिसके वो संस्थापक मंत्री रहे और सफलतापूर्वक कॉलेज की स्थापना हुई। इस अवसर पर विभा भारती के अलावा कई हिंदी सेवियों की उपस्थिति रही।

मिलरों से खरीदी जाएगी गुणवत्तापूर्ण चावल : धर्मा रेड्डी

तिरुपति, हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ईओ एवी धर्मा रेड्डी ने कहा कि भक्तों को अधिक गुणात्मक और स्वादिष्ट अन्नप्रसादम प्रदान करने के नेक इरादे के साथ, टीटीडी सीधे राइस मिलर्स से चावल खरीदने पर विचार कर रहा है। मंगलवार को तिरुपति के श्री पद्मावती रेस्ट हाउस में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राइस मिलर्स एसोसिएशन के साथ समीक्षा बैठक हुई। इस अवसर पर बोलते हुए, ईओ ने कहा, टीटीडी ने अपने अन्नप्रसादम के लिए 2013 से 2019 तक एपी और टीएस राइस मिलर्स से मासोरा चावल खरीदा।

हालांकि, 2019 में टीटीडी बोर्ड ने टेंडर के जरिए चावल खरीदने का फैसला किया है। इससे व्यापारी मिलरों से चावल खरीद कर टीटीडी को सप्लाई कर रहे हैं। लेकिन सीधे मिलर्स से चावल खरीदकर अधिक गुणवत्ता वाले उत्पाद खरीदे जा सकते हैं। इसलिए हम उसी पर विचार कर रहे है। टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी के निर्देश पर हमने अब दोनों तेलुगु राज्यों के राइस मिलर्स के साथ समीक्षा बैठक की है। राइस मिलर्स एक सप्ताह के भीतर चावल की आपूर्ति करने पर सहमत हुए हैं। हाल ही में, भक्तों ने अन्नप्रसादम में परोसे जाने वाले चावल की गुणवत्ता के बारे में शिकायत की है। अभी हम व्यापारियों से टेंडर के जरिए 38 रुपये प्रति किलो चावल खरीद रहे हैं। गो अधिता उत्पादों को खरीदने के लिए टीटीडी ने एपी मार्कफेड और आरवाईएसएस के साथ भी समझौता किया है।

हिन्दी महाविद्यालय प्रबंध समिति के नूतन पदाधिकारियों का स्वागत संपन्न

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय में नूतन पदाधिकारियों के परिचय के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, मानद मंत्री शील कुमार जैन, संयुक्त मंत्री सुरेश चंद्र लाहोटी, कोषाध्यक्ष एस.बी. काबरा तथा प्रदीप दत्त उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने सभी उपस्थित अतिथियों का अभिवादन करते हुए नव निर्वाचित अध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा को शॉल तथा पौधा प्रदान कर उनका स्वागत किया। नूतन मानद मंत्री श्री शील कुमार जैन को भी शौल तथा पौधा प्रदान कर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष श्री शर्मा ने महाविद्यालय के उत्तरोत्तर विकास हेतु तत्परता से कार्य करने का संकल्प लिया।

मानद मंत्री शील कुमार जैन ने महाविद्यालय के चतुर्दिक विकास हेतु अपना परामर्श दिया एवं सभी से सहयोग का आग्रह किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्राध्यापकों ने अपने विचार रखे जिनमें मुख्य रूप से उप-प्राचार्य अश्विनी सनपूरकर, डॉ. श्रीदेवी, डॉ. रजनी धारी, श्रीमती नीता कुलकर्णी, कु. लहरी, श्रीमती अर्चना पांडेय, श्रीमती हरिता, श्रीमती पायल, श्रीमती शारदा देवी तथा श्रीमती श्रीवाणी प्रमुख थे। सभी ने नूतन पदाधिकारियों के समक्ष अपने हृदयोद्गार प्रकट किए। कार्यक्रम में सभी गैर शिक्षण स्टॉफ भी उपस्थित थे। सभी ने नूतन पदाधिकारियों को शुभकामना संदेश देते हुए सहयोग का आश्वासन दिया। एमसी गुप्ता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुदीप, डायरेक्टर डॉ. महेश चंद्रा तथा उनके संपूर्ण विभाग ने नूतन पदाधिकारिों को शुभकामनाएँ प्रदान की। कार्यक्रम का सफल संचालन, संयोजन तथा नेतृत्व प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. महेश चंद्र ने किया।

राजस्थानी मारु सेन समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा आयोजित श्री सेन महाराज के 723वें जन्मोत्सव में बतौर अतिथि भाग लिये राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सेन का सम्मान करते हुए पारसमल सोलंकी, कैलाश राठौड़, सुरेश सेन व अन्य।

कादम्बिनी क्लब हैदराबाद की 369वीं मासिक गोष्ठी एवं पुस्तक लोकार्पण संपन्न

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के तत्वावधान में मदन देवी क़ीमती सभागार रामकोट में क्लब की 369वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन प्रो. ऋषभदेव शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अवसर पर प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि प्रो शुभदा वांजपे, क्लब अध्यक्षा डॉ अहिल्या मिश्र, मूल लेखक कर्नल वीआरके प्रसाद, हिन्दी अनुसृजनकर्ता गुडला परमेश्वर और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ ऋषभदेव शर्मा मंचासीन हुए। मंचासीन अतिथियों के कर कमलों से दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात् शुभ्रा महंतो ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। उपस्थित साहित्य सृजन कर्ताओं का स्वागत करते हुए डॉ अहिल्या मिश्र ने कहा कि संस्था धीरे धीरे तीसरे दशक की ओर बढ़ रही है। और निरंतर अपनी निरन्तरता बनाए रखते हुए हिन्दी साहित्य सेवा में सभी के साथ को पाकर आगे बढ़ रही है। डॉ. प्रसाद और व श्रीमती कनक दुर्गा प्रसाद द्वारा मंचासीन अतिथियों का शॉल द्वारा सम्मान किया गया। डॉ. संगीता शर्मा ने डॉ वी आर के प्रसाद का और भगवती अग्रवाल ने गुडला परमेश्वर का परिचय दिया। तत्पश्चात करतल ध्वनि के साथ जीवन एक पाठशाला है का विमोचन सम्पन्न हुआ। क्लब की ओर से डॉ. प्रसाद एवं जी परमेश्वर का सम्मान किया गया। सत्र का संचालन मीना मुथा ने किया और आभार संगोष्ठी संयोजक प्रवीण प्रणव ने दिया।

सीबीआई को मिली भास्कर रेड्डी व उदय कुमार रेड्डी की छह दिन की हिरासत

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद वाईएस विवेकानंद रेड्डी की सनसनीखेज हत्या मामले की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को दो आरोपियों वाईएस भास्कर रेड्डी और उदय कुमार की छह दिन की हिरासत मिल गई है। नामपल्ली की एक विशेष सीबीआई अदालत ने दोनों आरोपियों को सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश पारित किया। सीबीआई के वकील की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने यह आदेश पारित किया। वकील ने कहा कि विवेकानंद रेड्डी की हत्या से एक महीने पहले भास्कर रेड्डी ने साजिश रची थी। उन्होंने यह भी कहा कि हत्या की योजना को अंजाम देने के लिए 40 करोड़ रुपये तैयार रखे गए थे। उन्होंने कहा कि 40 करोड़ रुपये में से 4 करोड़ रुपये अलग-अलग हाथों में बदले। वकील ने अदालत को बताया कि भास्कर रेड्डी मामले में गवाहों को प्रभावित करने की स्थिति में थे और उन्होंने कहा कि उन्हें आरोपी को अपनी सामाजिक स्थिति का दुरुपयोग करने से रोकने के लिए गिरफ्तार करना पड़ा। वकील ने कहा कि भास्कर रेड्डी से पूछताछ से मामले के बारे में कई तथ्य सामने आएंगे और अदालत से उनके पक्ष में आदेश पारित करने का आग्रह किया।

एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन की ओर से स्कूल बस सौंपी गई

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन की ओर से एलके शमसुंदर, ज़ोनल मैनेजर, एलआईसी ऑफ इंडिया ने आज करुणाश्री सेवा समिति, चंद्रायनगुट्टा को स्कूल बस सौंपी। यह स्कूल बस वहां पर रहने वाले अनाथ बच्चों को प्रतिदिन विभिन्न स्कूलों में ले जाने के लिए है। इस अवसर पर लालकृष्ण शमसुंदर ने सभा को संबोधित किया और सूचित किया कि सामुदायिक विकास पहलों को औपचारिक रूप देने के लिए एलआईसी गोल्डन जुबली फाउंडेशन का गठन वर्ष 2006 में किया गया था। फाउंडेशन ने आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के लिए अस्पतालों, स्कूल भवनों और कक्षाओं, पुस्तकालयों, कंप्यूटर केंद्रों, वृद्धाश्रमों, छात्रावास भवनों के निर्माण, अलग-अलग के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों जैसी परियोजनाओं का समर्थन किया है-विकलांग व्यक्ति, आजीविका सृजन आदि के लिए महिलाओं का सशक्तिकरण, ताकि देश के विभिन्न हिस्सों में जरूरतमंद व्यक्तियों को ढांचागत सुविधाएं प्रदान की जा सकें। राजीब बिस्वास, सीनियर डीएम, के सत्यमूर्ति अध्यक्ष,वेंकटेश्वर राव, सचिव और आर सत्यनारायण, कोषाध्यक्ष ने भी संबोधित किया।

हैदराबाद सबसे अच्छा कॉस्मोपॉलिटन शहर : केटीआर

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि हैदराबाद भारत का सबसे अच्छा महानगरीय शहर है और विभिन्न संस्कृतियों और धर्मों के लोग इस शहर को अपना घर मानकर एक साथ रह रहे हैं। मंत्री केटी रामाराव मंगलवार को यहां नॉलेज सिटी में सिस्को की नई इकाई का उद्घाटन करने के बाद एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। केटीआर ने कहा कि पिछले नौ वर्षों के दौरान, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कर्मचारियों की संख्या तेलंगाना में 3.25 लाख से बढ़कर 10 लाख हो गई थी और शहर सभी क्षेत्रों के लिए पहली पसंद है। जल्द ही यहां 18 एकड़ जमीन में दुनिया का सबसे बड़ा इनोवेशन कैंपस बनने जा रहा है। इसमें एनीमेशन, गेमिंग और मल्टीमीडिया के लिए एक केंद्र शामिल है। यह कहते हुए कि हैदराबाद में शिक्षा, शैक्षणिक और नवाचार अंत पर एक सुंदर पारिस्थितिकी तंत्र है, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार एक सख्त कानून व्यवस्था बनाए रख रही है और शहर में नफरत और हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

दमरे ने 62 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें शुरू करने की घोषणा की

सिकंदराबाद-दानापुर साप्ताहिक स्पेशल 7 मई से चलेगी

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में अतिरिक्त भीड़ को क्लियर करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे सिकंदराबाद-दानापुर, नांदेड़-इरोड और संबलपुर-कोयम्बटूर के बीच 62 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें चलाएगा। आज यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 03226 सिकंदराबाद-दानापुर साप्ताहिक स्पेशल 7 मई से 2 जुलाई तक रविवार को सिकंदराबाद से सुबह 10 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को शाम 7 बजे दानापुर पहुंचेगी, कुल नौ सेवाएं होंगी।

इसी तरह, ट्रेन संख्या 03225 दानापुर-सिकंदराबाद साप्ताहिक स्पेशल 4 मई से 29 जून तक दानापुर से गुरुवार को रात 8.50 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को भोर में 4.40 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी, कुल नौ सेवाएं होंगी। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में काजीपेट, पेड्डापल्ली, रामागुंडम, बेलमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, नागपुर, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छेवकी, पंडित डीडी उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशनों पर रुकेंगी। ट्रेन नंबर 07189 नांदेड़-इरोड साप्ताहिक स्पेशल 21 अप्रैल से 30 जून तक शुक्रवार को नांदेड़ से 14.20 बजे रवाना होगी और शनिवार को 1400 बजे इरोड पहुंचेगी, कुल 11 सेवाएं देगी। ट्रेन नंबर 07190 इरोड-नांदेड़ साप्ताहिक स्पेशल 23 अप्रैल से 2 जुलाई तक रविवार को भोर में 5.15 बजे इरोड से रवाना होगी और सोमवार को सुबह 7 .30 बजे नांदेड़ पहुंचेगी, कुल ग्यारह सेवाएं देगी। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में मुदखेड, धर्माबाद, बसर, निजामाबाद, कामारेड्डी, सिकंदराबाद, नलगोंडा, मिर्यालगुडा, पिदुगुराल्ला, गुंटूर, तेनाली, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडुर, रेनिगुंटा, काटपाडी, जोलारपेट्टई और सेलम स्टेशनों पर रुकेंगी। ट्रेन नंबर 08311 संबलपुर-कोयम्बटूर साप्ताहिक स्पेशल 19 अप्रैल से 28 जून तक बुधवार को सुबह 10.55 बजे संबलपुर से रवाना होगी और गुरुवार को रात 9.40 बजे कोयम्बटूर पहुंचेगी, कुल ग्यारह सेवाएं देगी। ट्रेन नंबर 08312 कोयंबटूर-संबलपुर साप्ताहिक स्पेशल 21 अप्रैल से 30 जून तक शुक्रवार को दोपहर 12.00 बजे कोयम्बटूर से रवाना होगी और शनिवार को 21.15 बजे संबलपुर पहुंचेगी, कुल ग्यारह सेवाएं देगी। ये विशेष ट्रेनें बरगढ़ रोड, बलांगीर, टिटलागढ़, केसिंगा, मुनिगुडा, रायगड़ा, पार्वतीपुरम, बोब्बिली, विजयनगरम, कोट्टावलसा, दुव्वाडा, अनाकापल्ली, सामलकोट, राजमुंदरी, निदादावोलु, भीमावरम जंक्शन, कैकलुरु, गुडीवाड़ा, विजयवाड़ा, तेनाली, चिराला, दोनों दिशाओं में ओंगोल, नेल्लोर, गुडुर, पेरुम्बुर, अरक्कोणम, काटपाडी, जोलारपेट्टई, सलेम, इरोड और तिरुपुर स्टेशन से गुजरेगी। इन सभी विशेष ट्रेनों में एसी II टियर, एसी III टियर, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं।

सीजेरियन के दौरान पेट में छोड़ा कपड़ा, दर्द से परेशान रही महिला

16 महीने बाद पता चलने पर दोबारा ऑपरेशन करके निकाला

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वेमुलावाड़ा की रहने वाली एक महिला के पेट से डॉक्टरों ने सर्जरी करके रूमाल निकाला। पीड़ित नव्या श्री ने साल भर पहले जगतियाल के सरकारी जिला अस्पताल में सीजेरियन के जरिए एक बच्चे को जन्म दिया था। इसके बाद से लगातार महिला को पेट दर्द की परेशानी रहने लगी। जब उसने प्राइवेट अस्पताल में सीटी स्कैन करवाया तो उसके पेट में कपड़ा नजर आया। जिसे सर्जरी करके निकाल दिया गया है। नव्या श्री ने अपनी सर्जरी के वीडियो और फोटो मीडिया से शेयर किए हैं।

मिली खबर के मुताबिक वेमुलावाड़ा की रहने वाली नव्याश्री 28 दिसंबर 2021 को जगतियाल के जिला अस्पताल में भर्ती हुई। एक दिन बाद नव्या ने सी-सेक्शन सर्जरी के जरिए एक बच्चे को जन्म दिया। लेकिन सर्जरी के बाद उसे डाइजेशन, टॉयलेट में परेशानी और लगातार पेट दर्द रहने लगा। सालभर लगातार इससे जूझने के बाद नव्या श्री ने प्राइवेट हॉस्पिटल में जांच करवाई।

सीटी स्कैन में दिखा ट्यूमर, निकला कपड़ा

नव्या ने मीडिया से बताया कि एक साल से मुझे पेट में दर्द हो रहा था। जब मैंने सीटी स्कैन करवाया, तो डॉक्टरों ने ट्यूमर जैसी सूजन पाई। मुझे सर्जरी कराने के लिए कहा गया। ऑपरेशन के बाद उन्होंने मेरे पेट से कपड़ा निकाला। इसी के चलते पेट में संक्रमण हुआ था। नव्या ने सर्जरी के विजुअल्स और कपड़ा भी शेयर किया है।

उधर, जगतियाल अस्पताल के प्रभारी डॉ. शशिकांत ने कहा कि हमें इस मामले की जानकारी नहीं है। हमें इसके बारे में मीडिया से पता चला। शिकायतकर्ता ने हमसे संपर्क नहीं किया है। नव्या श्री डिलीवरी के लिए अस्पताल आई थीं, लेकिन, सर्जरी के बाद उसने किसी भी परेशानी की सूचना नहीं दी। तेलंगाना स्टेट मेडिकल काउंसिल ने पिछले दिनों दो डॉक्टरों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। डॉ. करन एम पाटिल ने एक मरीज के बाएं पैर की बजाय दाहिने पैर का ऑपरेशन कर दिया था। वहीं दूसरे केस में एक प्राइवेट डॉक्टर का 3 महीने का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया गया। जिसने डेंगू के मरीज को इलाज के लिए बेहतर हॉस्पिटल रेफर नहीं किया था।

चेन्नई रोमांचक मैच के टॉप मोमेंट्स

पहले ओवर में बोल्ड हुए विराट, दुबे ने 111 मीटर लंबा छक्का लगाया

बेंगलुरु, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को हरा दिया। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में सीएसके ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 226 रन बनाए। जवाब में बेंगलुरु टारगेट से 8 रन पीछे रह गई। महेंद्र सिंह धोनी ने पावरप्ले में आसान सा कैच छोड़ने के बाद ग्लेन मैक्सवेल और फाफ डु प्लेसिस के 2 अहम कैच पकड़े।

शिवम दुबे ने स्टेडियम की छत पर 111 मीटर लंबा छक्का लगाया। अनुष्का शर्मा मैच देखने पहुंचीं और हर्षल पटेल ने 20वें ओवर में 2 बीमर फेंकीं। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे।

1. शिवम दुबे ने छत पर मारा छक्का

चेन्नई सुपर किंग्स ने टॉस हारकर पहले बैटिंग की। 10वें ओवर में अजिंक्य रहाणे के आउट हो जाने के बाद शिवम दुबे क्रीज पर आए। उन्होंने 2 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 27 गेंदों में 52 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 2 छक्के स्टेडियम की छत पर भी मारे। एक 101 और दूसरा 111 मीटर लंबा था। जो इस आईपीएल सीजन का सबसे लंबा छक्का रहा।

दुबे ने 13वें ओवर में हर्षल पटेल की बॉल पर 111 और 11वें ओवर में ग्लेन मैक्सवेल को 101 मीटर लंबा छक्का लगाया। उन्होंने डेवोन कॉन्वे के साथ 80 रन की पार्टनरशिप भी की।

2. हर्षल पटेल ने 2 बीमर फेंकीं, ओवर डिसमिस हुआ

बेंगलुरु के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने पहली पारी के 20वें ओवर में 2 नो-बॉल फेंकीं, दोनों ही कमर से ऊपर रहीं। टी-20 के एक ही ओवर में कमर से ऊपर 2 नो-बॉल फेंकने पर गेंदबाज का ओवर डिसमिस कर दिया जाता था।

हर्षल को भी 2 गेंदें फेंकने के बाद ही हटा दिया गया। इसके बाद ग्लेन मैक्सवेल ने उनका ओवर पूरा किया। उन्होंने 4 गेंदों पर 9 ही रन दिए और एक विकेट भी लिया।

3. पहले ही ओवर में बोल्ड हुए कोहली

227 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी बेंगलुरु को विराट कोहली ने अच्छी शुरुआत दिलाई। उन्होंने 3 गेंदों पर एक चौके की मदद से 6 रन बना लिए। वह शानदार फॉर्म में लग रहे थे, लेकिन चौथी गेंद उनके बैट से लगने के बाद स्टंप्स से जा लगी। स्टंप्स से गेंद लगते ही गिल्लियां गिर गईं, जिस कारण इन-फॉर्म कोहली 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

20 साल के आकाश सिंह ने उन्हें आउट किया। उन्होंने मैच में कोई और विकेट नहीं लिया और 3 ओवर में 35 रन देकर अपना स्पेल खत्म किया।

4. रहाणे का बेहतरीन बचाव

दूसरी पारी के 9वें ओवर में पांचवीं बॉल रवींद्र जडेजा ने गुड लेंथ फेंकी। ग्लेन मैक्सवेल ने बड़ा शॉट खेला, बॉल लॉन्ग ऑन की ओर जा रही थी। यहां अजिंक्य रहाणे ने हवा में उछलकर अपनी टीम के लिए अहम 5 रन बचा लिए।

मैक्सवेल इस बॉल से पहले 43 रन पर बैटिंग कर रहे थे, उन्होंने 76 रन की पारी खेली, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके।

5. तीक्षणा ने कॉट & बोल्ड छोड़ा

चेन्नई सुपर किंग्स ने मैच में 4 कैच छोड़े। शुरुआत स्पिनर महीश तीक्षणा ने की, उन्होंने पहले ही महिपाल लोमरोर का आसान सा कैच मिड-ऑफ पर छोड़ दिया। अगले ही ओवर में महेंद्र सिंह धोनी ने भी फाफ डु प्लेसिस का आसान सा कैच छोड़ा।

11वें ओवर की चौथी बॉल पर तीक्षणा ने अपनी ही गेंद पर डु प्लेसिस का कैच भी छोड़ा। आखिरी ओवरों में ऋतुराज गायकवाड ने भी दिनेश कार्तिक का कैच छोड़ा।

6. धोनी ने 2 शानदार कैच पकड़े

मैच में 4 कैच छोड़ने के बाद भी चेन्नई जीत गई, क्योंकि धोनी, गायकवाड और रवींद्र जडेजा ने अहम मौकों पर कैच पकड़े। धोनी ने 12वें ओवर में ग्लेन मैक्सवेल और 14वें ओवर में फाफ डु प्लेसिस के अहम कैच पकड़े। दोनों ही बैटर्स सेट थे और अगर टिके रहते तो टीम को जीत दिला कर ही मानते।

बेंगलुरु का एम चिन्नास्वामी स्टेडियम वैसे तो आरसीबी का होम ग्राउंड है, लेकिन 20वें ओवर में धोनी के बैटिंग पर आते ही स्टेडियम 'धोनी...धोनी...' के नारों से गूंज उठा। धोनी ने मैच में एक ही गेंद खेली, जिस पर एक रन बना।

7. अनुष्का शर्मा पहुंचीं मैच देखने

बॉलीवुड एक्ट्रेस और क्रिकेटर विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा इन दिनों बेंगलुरु में आरसीबी के सभी मैच देखने पहुंचती हैं। चेन्नई के खिलाफ भी वह टीम को सपोर्ट करने स्टेडियम पहुंचीं। इससे पहले वह लखनऊ और दिल्ली के खिलाफ मैच में भी टीम को सपोर्ट करने स्टेडियम पहुंची थीं।

कोहली पर मैच फीस का 10% फाइन लगा

सीएसके के खिलाफ आईपीएल के नियमों का किया उल्लंघन

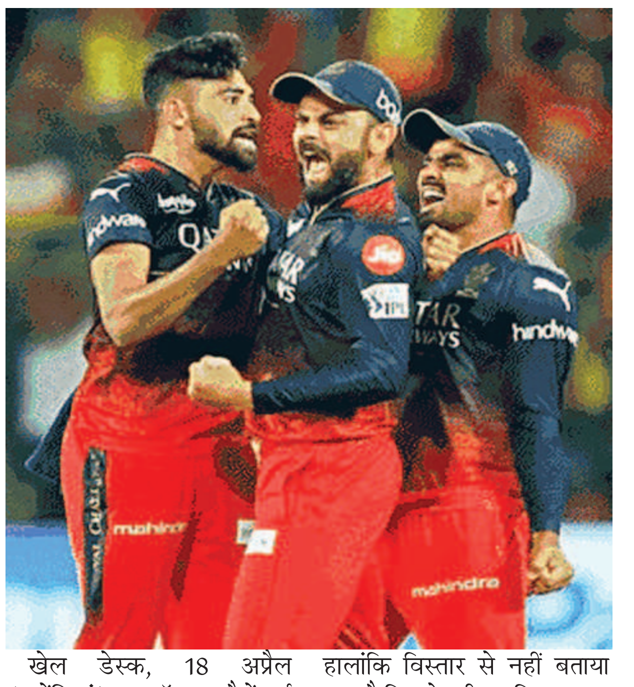

खेल डेस्क, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पर मैच फीस का 10% जुर्माना लगाया गया है। कोहली पर इंडियन प्रीमियर लीग आचार संहिता के उल्लंघन के लिए यह जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल के बयान में कहा गया है कि कोहली ने आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत नियमों का उल्लंघन किया है। बयान में हालांकि विस्तार से नहीं बताया गया है कि कोहली पर किस घटना के लिए जुर्माना लगाया गया है।

लेकिन माना जा रहा है कि कोहली ने चेन्नई के मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाज शिवम दुबे के आउट होने पर अति उत्साह (एग्रेसिव सेलिब्रेशन) में जश्न मनाया था और संभवतः इसे आचार संहिता का उल्लंघन माना गया। दुबे ने 27 गेंदों पर 52 रन बनाए थे, जिससे चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 226 रन का विशाल स्कोर बनाया था।

कोहली ने अपनी गलती स्वीकारी

आईपीएल ने बयान में कहा कि कोहली ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत लेवल 1 के गलती को स्वीकार किया है। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन में मैच रेफरी का फैसला अंतिम होता है।

चेन्नई ने बेंगलुरु को 8 रन से हराया

सोमवार को बेंगलुरु के होम ग्राउंड एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने आरसीबी को आठ रन से हराया। मैच में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी चेन्नई ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 226 रन बनाए। जवाब में बेंगलुरु 8 विकेट पर 218 रन ही बना सकी। चेन्नई के मथीशा पथिराना ने आखिरी ओवर में 19 रन डिफेंड किए। उन्होंने ओवर में 10 ही रन दिए और एक विकेट भी ले लिया। CSK से डेवोन कॉन्वे ने 83 और शिवम दुबे ने 52 रन बनाए। वहीं बेंगलुरु से ग्लेन मैक्सवेल ने 76 और फाफ डु प्लेसिस ने 62 रन बनाए।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी की मेजबानी करेगा चेन्नई

पाकिस्तान और चीन ने अब तक हामी नहीं भरी है

खेल डेस्क, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए तीन बार के विजेता पाकिस्तान और चीन ने अब तक हामी नहीं भरी है। आयोजकों का कहना है कि पाकिस्तान और चीन टूर्नामेंट में खेलने के बारे में 25 अप्रैल तक बताएंगे।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी चेन्नई करने जा रहा है। तीन से 12 अगस्त को होने वाले इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारत पहली बार करेगा। यह लंबे समय बाद है जब ओडिशा की बजाय देश के अन्य किसी स्थान पर अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। टूर्नामेंट मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए तीन बार के विजेता पाकिस्तान और चीन ने अब तक हामी नहीं भरी है। आयोजकों का कहना है कि पाकिस्तान और चीन टूर्नामेंट में खेलने के बारे में 25 अप्रैल तक बताएंगे। आयोजकों ने कहा कि अगर पाकिस्तान की टीम इस टूर्नामेंट में खेलती है तो उसके लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि चेन्नई में इस टूर्नामेंट के आयोजन से इस क्षेत्र में हॉकी को पुनर्जीवन मिलेगा।

भारत तीन बार जीत चुका है टूर्नामेंट

चेन्नई ने अंतिम बार 2007 में एशिया कप के रूप में अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। तब भारत ने फाइनल में कोरिया को 7-2 से हराकर यह टूर्नामेंट जीता था। भारत इस टूर्नामेंट को 2011 और 2016 में जीत चुका है। 2018 में वह पाकिस्तान के साथ संयुक्त विजेता रहा था। अब तक सात बार यह टूर्नामेंट हो चुका है, जिसमें तीन बार पाकिस्तान जीता है। 2021 में ढाका में हुए इस टूर्नामेंट को कोरिया ने जीता था।

विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों के लिए 19 मुक्केबाज ताशकंद रवाना, शिव थापा करेंगे अगुवाई

खेल डेस्क, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता को दो लाख डॉलर जबकि रजत पदक विजेता को एक लाख डॉलर और कांस्य पदक विजेता को 50 हजार डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

भारत की 19 सदस्यीय पुरुष मुक्केबाजी टीम 30 अप्रैल से 14 मई तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले अभ्यास शिविर के लिए सोमवार को ताशकंद रवाना हो गई।

छह बार के एशियाई चैंपियनशिप के पदक विजेता शिव थापा और 2019 में एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता दीपक भोरिया विश्व चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे।

विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता को दो लाख डॉलर जबकि रजत पदक विजेता को एक लाख डॉलर और कांस्य पदक विजेता को 50 हजार डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी।

विश्व चैंपियनशिप में भारत के 13 मुक्केबाज भाग लेंगे लेकिन कई देशों में होने वाले अभ्यास शिविर के लिए छह अन्य मुक्केबाजों को भी टीम में शामिल किया गया है। इनमें 2018 के एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल भी शामिल हैं। ताशकंद में होने वाली चैंपियनशिप के लिए अभी तक 104 देशों के 640 मुक्केबाज पंजीकरण करा चुके हैं।

भारतीय तीरंदाजी टीम के कोच होंगे कोरिया के बेक वूंग की, ओलंपिक की कराएंगे तैयारी

खेल डेस्क, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। बेक वूंग की रीकर्व तीरंदाजों को प्रशिक्षित करेंगे। वह अंताल्या (तुर्किये) में शुरु हो रहे विश्व कप स्टेज-1 में भी टीम के प्रशिक्षक होंगे। बेक वूंग अभी तक साई सोनीपत स्थित तीरंदाजी के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस से जुड़े हुए थे।

भारतीय तीरंदाजों को पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए नया विदेशी कोच मिलने जा रहा है। लंदन ओलंपिक में कोरियाई महिला टीम और व्यक्तिगत महिला का स्वर्ण पदक दिलाने वाले बेक वूंग की को एशियाई खेलों तक नए कोच होंगे। इसके बाद उनका अनुबंध पेरिस ओलंपिक तक के लिए बढ़ाया जाएगा।

बेक वूंग की रीकर्व तीरंदाजों को प्रशिक्षित करेंगे। वह अंताल्या (तुर्किये) में शुरु हो रहे विश्व कप स्टेज-1 में भी टीम के प्रशिक्षक होंगे। बेक वूंग अभी तक साई सोनीपत स्थित तीरंदाजी के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस से जुड़े हुए थे। 2014 के एशियाई खेलों के बाद से यह पहली बार जब रीकर्व तीरंदाजों को विदेशी कोच मिला है। यहीं नहीं भारतीय तीरंदाजी संघ ने दो बार के विश्वकप विजेता इटली के सर्गियो पगानी को कंपाउंड तीरंदाजों के लिए अनुबंधित किया है। पगानी 2018 से कंपाउंड तीरंदाजों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने 2018 के एशियाई खेलों से पहले तीरंदाजों को प्रशिक्षित किया था। वह भी टीम के साथ विश्वकप के लिए गए हैं।

पांच साल से नहीं बढ़ी महिला क्रिकेटर्स की कॉन्ट्रैक्ट राशि

ग्रेड ए के 1 पुरुष को 5 करोड़, महिलाओं का कुल करार 5.1 करोड़ का

मुंबई, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। बीसीसीआई दुनिया का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड है। इसका मुजाहिरा उसने रविवार को पेश किया, जब उसने घरेलू टूर्नामेंट की प्राइज मनी बढ़ाई। हालांकि, कुछ मामलों में अभी भी उसका भेदभाव नजर आ रहा है। मसलन, भारतीय क्रिकेटर्स को दिया जाने वाला सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट। पुरुष और महिला क्रिकेटर्स का जो सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट है, उसमें अंतर कुएं का नहीं बल्कि खाई जितना है।

पुरुषों को करोड़ों में राशि मिलती है, जबकि महिलाओं को लाखों में। न सिर्फ राशि में भेदभाव है, बल्कि कॉन्ट्रैक्ट देने में भी बोर्ड का दोहरा मापदंड है। बीसीसीआई पुरुष क्रिकेटर्स को 26 मार्च को कॉन्ट्रैक्ट दे चुका है, लेकिन महिला क्रिकेटर्स अभी तक इंतजार ही कर रही हैं। दूसरे देश के बोर्ड में ऐसा नहीं होता।

ऑस्ट्रेलिया ने इस महीने की शुरुआत में अपनी दोनों टीमों को कॉन्ट्रैक्ट दिए। बीसीसीआई ने 2018 के बाद महिला क्रिकेटर्स के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की राशि भी नहीं बढ़ाई है। पूर्व इंटरनेशनल क्रिकेटर अरुंधति रॉय का कहना है कि बीसीसीआई अब महिला और पुरुष खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं समान देने के लिए सकारात्मक रूप से काम कर रहा है।

महिला क्रिकेट में 19 खिलाड़ियों से करार

बोर्ड पुरुष वर्ग में 26 खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट देता है, जबकि महिला वर्ग में सिर्फ 19 को। पुरुष टीम में ए+, ए, बी और सी ग्रेड हैं। महिला टीम में ए, बी, सी ग्रेड है। पुरुषों को ए+ में 7 करोड़, ए में 5 करोड़, बी में 3 करोड़, सी में एक करोड़ मिलते हैं। महिला में ग्रेड ए में 50 लाख, बी में 30, सी में 10 लाख है।

पुरुषों का सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट 82 करोड़ का

पुरुषों में कॉन्ट्रैक्ट पर 82 करोड़ खर्च होते हैं, जबकि महिला वर्ग में कॉन्ट्रैक्ट पर सिर्फ 5.1 करोड़ खर्च होते हैं। यानी, पुरुष क्रिकेट से करीब 16 गुना कम। ग्रेड ए के एक पुरुष क्रिकेटर को जितनी राशि मिलती है, उससे थोड़ी ही ज्यादा राशि में पूरी महिला क्रिकेटर्स का कॉन्ट्रैक्ट बन जाता है।

महिलाओं को 2015 में मिला था करार

2015 में महिला क्रिकेटर्स को कॉन्ट्रैक्ट मिला। तब ग्रेड ए में 15 लाख और बी में 10 लाख मिलते थे। तब पुरुष क्रिकेटर्स को ए ग्रेड में एक करोड़, बी में 50 लाख व सी में 30 लाख मिलते थे। 2018 में महिला वर्ग में ग्रेड सी शामिल हुआ। ग्रेड ए में 50 लाख, बी में 30, सी में 10 लाख राशि मिले।

न्यूजीलैंड ने टी-20 सीरीज में वापसी की

पाकिस्तान ने आखिरी 9 गेंद में 3 विकेट खोकर बनाए सिर्फ 10 रन, 4 रन से हारा

लाहौर, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच पांच टी-20 मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला गया। शुरुआती दो मैचों को गंवाने के बाद न्यूजीलैंड ने तीसरे मुकाबले में वापसी की और पाकिस्तान को 4 रन से हराया। मैच में पाक टीम का पलड़ा भारी था और उसे जीत के लिए आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे, पर जेम्स नीशम ने 2 विकेट लेकर बाजी पलट दी। पाकिस्तान ने आखिरी 9 गेंदों में सिर्फ 10 रन बनाए और 3 विकेट खो दिए। इस जीत के बाद

न्यूजीलैंड ने सीरीज में 1-2 से वापसी कर ली है।

न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 163 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान सभी विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी।

न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड ने पहला विकेट 20 रन पर ही गंवा दिए। ओपनर चैड बोवेस 9 गेंदों का सामना कर 7 रन बनाकर आउट हो गए। लाथम ने कप्तानी पारी खेलते हुए 49 गेंदों में 64 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 2 छक्के भी जड़े। लाथम के अलावा डैरिल मिचेल ने भी 33 रनों की पारी खेली। बाबर-रिजवान एक बार फिर फेल हो गए। पहले टी-20 में दोनों ने जल्दी विकेट गवां दिया था, हालांकि पाकिस्तान को इस मैच में जीत मिली थी। वहीं दूसरे टी-20 में दोनों ने वापसी की थी। बाबर ने नाबाद 101 रन और रिजवान ने 50 रन की पारी खेली। वहीं तीसरे टी-20 में दोनों ने महज 17 रन के स्कोर पर अपना विकेट गवां चुके थे।

इस साल ज्यादा टूर्नामेंट्स में भाग लेंगे नीरज चोपड़ा

तुर्की में बोले- एशियाई खेलों में लूंगा भाग, किसी भी तरह की चोट से बचना चाहता हूं

पानीपत, 18 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के स्टार ओलिंपियन एथलीट नीरज चोपड़ा इन दिनों तुर्किए के ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में अपने तकनीकी कौशल में सुधार करने का अभ्यास कर रहे हैं। 2023 में अपने प्रतिस्पर्धी कैलेंडर की शुरुआत से पहले, टोक्यो ओलिंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा इस बात पर ध्यान दे रहे हैं कि वह हर गुजरते इवेंट और साल के साथ अपने प्रदर्शन को बेहतर करना चाहते हैं।

डायमंड लीग 5 मई को दोहा में टी-ऑफ करने के लिए तैयार है,

जिसमें सर्वश्रेष्ठ ट्रैक और फील्ड एथलीट अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कतार जा रहे हैं। डायमंड लीग में प्रतिस्पर्धा करने के लिए दोहा की यात्रा करने से पहले, जो 2023 का पहला प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट होगा। नीरज ने बताया कि कैसे वह दोहा में सर्वश्रेष्ठ के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने की तैयारी कर रहे हैं। मेरी तैयारी अच्छी चल रही है। हम हाल ही में दक्षिण अफ्रीका में थे, जहां हम ताकत और कंडीशनिंग पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। अब हम अपने तकनीकी कौशल में सुधार करने के लिए ग्लोरिया स्पोर्ट्स एरिना में हैं, ताकि मैं प्रतिस्पर्धा करने के लिए शीर्ष स्थिति में हूं। नीरज ने रविवार, 16 अप्रैल को एक आभासी मीडिया बातचीत में यह बात कही। इस साल हमारे पास इस साल के अंत में अक्टूबर में एशियाई खेलों के साथ एक व्यस्त प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम है, इसलिए मैं इस साल प्रतिस्पर्धा शुरू करने से पहले जितना हो सके तकनीकी रूप से सुधार करना चाहता हूं। कोच और फिजियो के साथ-साथ हम अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम की योजना बना रहे हैं।

सभी जिला सरकारी अस्पतालों में कीमोथैरेपी जल्द : हरीश राव

चौटुप्पल में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल की आधारशिला

यदाद्री-भोंगिर, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने मंगलवार को कहा कि राज्य के सभी जिला सरकारी अस्पतालों में जल्द ही कैंसर रोगियों के लिए कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

चौटुप्पल में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल की आधारशिला रखते हुए, जिसे 36 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से लिया गया था, हरीश राव ने कहा कि कैंसर रोगियों को उपचार के हिस्से के रूप में कीमोथेरेपी के 30 से 40 सिटिंग की आवश्यकता होती है। उन्हें कीमोथेरेपी के लिए हैदराबाद और अन्य शहरों के अस्पतालों में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो गरीब रोगियों के लिए वहनीय नहीं था। उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने जल्द ही राज्य के सभी जिला सरकारी अस्पतालों में कीमोथेरेपी सेवाएं शुरू करने का फैसला किया है। यह कहते हुए कि राज्य सरकार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भी गरीब लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, उन्होंने कहा कि 500 बस्ती दवाखाना गांवों में पल्ले दवाकानाओं के अलावा ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की सीमा में काम कर रहे हैं। सरकारी अस्पतालों में संस्थागत प्रसव पिछले नौ वर्षों में 30 प्रतिशत से बढ़कर 64 प्रतिशत हो गया है, जो सरकारी अस्पतालों में जनता के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। यह घोषणा करते हुए कि अप्रैल के अंत तक सभी 33 जिलों में केसीआर पोषण किट योजना शुरू की जाएगी, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नौ जिलों में सकारात्मक परिणाम के आधार पर निर्णय लिया था, जिसमें योजना को पायलट परियोजना के रूप में लागू किया गया था। यह कहते हुए कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद चिकित्सा शिक्षा में एक बड़ा परिवर्तन देखा गया, राव ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में राज्य में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 20 से बढ़कर 55 हो गई है। सूर्यापेट और नलगोंडा के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्नातकोत्तर सीटें भी उपलब्ध कराई गईं।

राज्य सरकार ने सूर्यापेट और नलगोंडा ज़िलों के लिए एक नर्सिंग कॉलेज और पैरा-मेडिकल कॉलेज को भी मंज़ूरी दी है। उन्होंने कहा कि यदाद्री-भोंगिर जिले में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज भी स्थापित किया जाएगा। यह कहते हुए कि हैदराबाद में गांधी, उस्मानिया अस्पतालों और निम्स को छोड़कर, पूर्ववर्ती आंध्र प्रदेश में कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में कोई सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित नहीं किया था, हरीश राव ने कहा कि राज्य में जल्द ही 10,000 सुपर स्पेशियलिटी बेड उपलब्ध होंगे। इसमें वारंगल मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में 2,000 बिस्तर, हैदराबाद के चार हिस्सों में स्थापित किए जाने वाले चार सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में 4,000 बिस्तर और निम्स अस्पताल के उन्नयन के हिस्से के रूप में 3,800 बिस्तर शामिल हैं, ये सभी एक वर्ष में उपलब्ध होंगे। वारंगल मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में चिकित्सा सेवाएं इस साल के अंत तक भी शुरू हो जाएंगी। उपचुनाव के दौरान मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा किए गए वादे को पूरा करते हुए मुनुगोड विधानसभा क्षेत्र में 100 बिस्तरों वाला अस्पताल बनाने की बात कहते हुए, उन्होंने कहा कि छोटुप्पल को अस्पताल स्थापित करने के लिए चुना गया था, जिसमें रोगियों को उपचार प्रदान करने की आवश्यकता को ध्यान में रखा गया था। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क हादसों में क्षेत्र व घायलों की जल्द से जल्द जान बचाई जा सके। उन्होंने कहा कि चौटुप्पल में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल में एक क्रिटिकल केयर यूनिट भी स्थापित की जाएगी। ऊर्जा मंत्री जी जगदीश रेड्डी, मुनुगोडे विधायक के प्रभाकर रेड्डी, राज्यसभा सदस्य बदुगुला लिंगैया यादव, जिला परिषद अध्यक्ष अलीमिनेती संदीप रेड्डी और चौटुप्पल नगरपालिका अध्यक्ष राजू उपस्थित थे।

जहरीली बीयर पीने से युवक की मौत, चाचा ने पीने के लिए किया था मजबूर

मंचेरियल, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक 22 वर्षीय युवक की कथित तौर पर एक बीयर पीने के बाद मौत हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। कहा जाता है कि उसके चाचा ने जहर दिया है। मुद्दनगुला अनिल द्वारा रिकॉर्ड किए गए एक सेल्फी वीडियो के अनुसार, जब उसका इलाज चल रहा था, उसके चाचा ने उसे एक सुनसान जगह पर ले जाकर बीयर पीने के लिए मजबूर किया, जिसके बाद वह होश खो बैठा।

पुलिस के मुताबिक, घटना सोमवार को लक्सेटिपेट मंडल के मोडेला गांव में हुई। करीमनगर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान बच्चे की मौत के साथ, उसकी मां के भाई, राजमौली को गिरफ्तार कर लिया गया। लक्सेटिपेट इंस्पेक्टर कृष्णा रेड्डी ने कहा कि दंडेपल्ली मंडल के गुडेम गांव के दिहाड़ी मजदूर अनिल का राजामौली की बेटी कावेरी के साथ प्रेम संबंध था। वीडियो में अनिल का कहना है कि कावेरी ने उन्हें बताया था कि राजामौली ने कुछ महीने पहले उन्हें अनिल से बात न करने की चेतावनी दी थी। कहा जाता है कि राजमौली ने दोनों के रिश्ते को जारी रखने के लिए शिकायत की थी, कहा जाता है कि वह अनिल को पार्टी करने के बहाने एक एकांत स्थान पर ले गया, और कथित तौर पर कीटनाशक के साथ उसे एक बीयर की पेशकश की। अनिल का कहना है कि उसने मौके पर कीटनाशक की खाली बोतल देखी, जिसके बाद राजामौली ने बीयर नहीं पीने पर जान से मारने की धमकी दी। राहगीरों ने बाद में अनिल को बेहोश पाया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया। अनिल के पिता शंकर की शिकायत के आधार पर पुलिस ने शुरू में भारतीय दंड संहिता की धारा 307 (हत्या का प्रयास) के

तहत मामला दर्ज किया है। व्हाट्सएप ग्रुप्स पर वीडियो सामने आने के बाद उन्होंने धारा को 302 (हत्या) में बदल दिया। आगे की जांच जारी है।

भटके हुए चित्तीदार हिरण को बचाया गया

मंचेरियल, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंदमरी शहर में भटके हुए एक चित्तीदार हिरण को बचाया गया और मंगलवार को हिरण पुनर्वास पार्क में छोड़ा गया। वयस्क नर धब्बेदार हिरण कॉलोनी में भटक गया था और फिर कोयला बेल्ट शहर में जिला परिषद माध्यमिक विद्यालय के परिसर में प्रवेश कर गया। कुछ स्थानीय लोगों ने वन विभाग के अधिकारियों को सतर्क किया, जिन्होंने जाल बिछाकर हिरण को पकड़ लिया और बाद में उसे मंदमरी मंडल के बोक्कलगुट्टा गांव में एक हिरण पुनर्वास पार्क में छोड़ दिया। मंदामारी के उप वन रेंज अधिकारी पी संतोष ने कहा कि हिरण गलती से पास के जंगल से मंडामारी में आ गया है।

इको इंडिया और एनएचएम ने स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए साझेदारी की

विजयवाड़ा, हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इको इंडिया और एनएचएम आंध्र प्रदेश ने स्वास्थ्य पेशेवरों की क्षमता निर्माण बढ़ाने और राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए हाथ मिलाया है। पूरे भारत में हेल्थकेयर वर्कफोर्स की क्षमता निर्माण के लिए काम करने वाले एक गैर-लाभकारी ट्रस्ट, इको इंडिया द्वारा दो दिवसीय इको इंडिया इमर्शन प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।

प्रशिक्षण आंध्र प्रदेश की स्वास्थ्य प्रणाली को और मजबूत करने के लिए क्षमता निर्माण के इको के 'ऑल टीच ऑल लर्न' मॉडल को लागू करने पर राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों को अवगत कराने पर केंद्रित था। विसर्जन प्रशिक्षण का उद्घाटन मुख्य अतिथि एम. तिरुमाला कृष्ण बाबू, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण, एपी, के साथ जे. निवास, आयुक्त, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और मिशन निदेशक, एनएचएम आंध्र प्रदेश द्वारा किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, तिरुमाला कृष्ण बाबू ने स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों के प्रशिक्षण और पेशेवर विकास के लिए यह अवसर प्रदान करने में उनकी साझेदारी और समर्थन के लिए ईसीएचओ इंडिया को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इको मॉडल एक सिद्ध और अभिनव दृष्टिकोण है जो सहयोगी शिक्षा को बढ़ावा देता है और हमें अधिक दक्षता के साथ जटिल स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम बनाता है। तिरुमाला कृष्ण बाबू ने यह भी कहा कि पीएचसी और सीएचसी सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, अगर इन केंद्रों पर देखभाल करने वाले डॉक्टरों और स्टाफ नर्सों को आपातकालीन उपचार प्रोटोकॉल में प्रशिक्षित किया जाता है और एक ट्रॉमा रोगी को कैसे स्थिर किया जाए। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से इस अवसर का पूरा लाभ उठाने और ठोस क्षमता निर्माण योजनाएं विकसित करने का आह्वान किया, जो स्वास्थ्य सेवा के प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित करें।

जे. निवास ने कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के मद्देनजर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य में क्षमता निर्माण के ईसीएचओ मॉडल की प्रभावशीलता को रेखांकित किया, जो स्वास्थ्य पेशेवरों को सूचना तक आसान और कुशल पहुंच, निरंतर सीखने के अवसर, प्रतिक्रिया और सीखने और संलग्न होने के लिए प्रेरणा प्रदान करता है। ईसीएचओ इंडिया के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट डॉ. संदीप भल्ला ने राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए एनएचएम एपी के साथ काम करने की इको इंडिया की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जो सभी निवासियों को समान, सस्ती और त्वरित स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर सके।

भारत गौरव ट्रेन के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया के साथ दो तेलुगू राज्यों से एक और यात्रा

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के दो तेलुगु राज्यों से दूसरी भारत गौरव पर्यटक ट्रेन आज सिकंदराबाद स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू कर दी है। सौ प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ पहली और दूसरी दोनों यात्राओं को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। दोनों तेलुगु राज्यों के तीर्थयात्रियों द्वारा प्राप्त समर्थन के साथ, अन्य 3 यात्राओं की घोषणा की गई है। इस गर्मी के मौसम की अलग-अलग तारीखों अप्रैल और मई 2023 में एक ही यात्रा कार्यक्रम के साथ ट्रेनें अपनी यात्रा शुरू करेंगी। "पुण्य क्षेत्र यात्रा/गंगा पुष्करालु यात्रा: पुरी-काशी-अयोध्या" नाम की इस ट्रेन का संचालन भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) द्वारा किया जा रहा है। आईआरसीटीसी ट्रेन से यात्रा करने वाले तीर्थयात्री पर्यटक यात्रियों के लिए एंड-टू-एंड सेवाएं प्रदान कर रहा है। इसमें सभी यात्रा

सुविधाएं (रेल और सड़क परिवहन दोनों सहित), आवास सुविधा, खानपान व्यवस्था (सुबह की चाय, नाश्ता, दोपहर का भोजन और रात का खाना - ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड दोनों), पेशेवर और मैत्रीपूर्ण टूर एस्कॉर्ट्स की सेवाएं, सुरक्षा शामिल हैं। इस दौरे में आठ रातों/नौ दिनों की अवधि में पुरी, कोणार्क, गया, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक स्थानों का दौरा शामिल है। रेल यात्रियों की मांगों को पूरा करने के लिए ट्रेन में एसी और गैर-एसी दोनों प्रकार के कोच शामिल हैं। जबकि दूसरी यात्रा आज शुरू हुई है, इस ट्रेन की तीसरी यात्रा 29 अप्रैल को शुरू होगी, चौथी यात्रा 13 मई को और पांचवीं यात्रा 27 मई को शुरू होगी। दो तेलुगु राज्यों में फैले सभी 9 स्टॉपिंग स्टेशनों (सिकंदराबाद सहित) से इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आगे आए हैं। दूसरी, तीसरी और चौथी ट्रिप के लिए सभी क्लास के लिए सभी सीटें बुक हो चुकी हैं और पांचवी ट्रिप के लिए 2 टियर एसी की सभी सीटें बुक हो चुकी हैं और 3 टियर एसी में लगभग 50 फीसदी सीटें बुक हो चुकी हैं। और II शयनयान डिब्बे जिनमें शेष सीटें तेजी से भरी जा रही हैं। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को मिली शानदार प्रतिक्रिया पर संतोष व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि ट्रेन तीर्थयात्रियों को व्यक्तिगत यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाने की परेशानी के बिना सांस्कृतिक रूप से प्रमुख स्थानों पर जाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। उन्होंने पर्यटक संचालकों से "भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन" की अवधारणा का उपयोग करने की भी अपील की, जिसके माध्यम से रेलवे कोचों के मालिक या पट्टे पर थीम आधारित पर्यटन आयोजित किए जा सकते हैं।

खम्मम पुलिस थानों में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना

खम्मम, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम पुलिस आयुक्त विष्णु एस वारियर ने कहा कि महिलाओं को स्वतंत्र रूप से और निडर होकर पुलिस से संपर्क करने में सक्षम बनाने पर ध्यान देने के लिए, जिले के पुलिस स्टेशनों में महिला हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग ने महिला सुरक्षा विंग के तहत महिला हेल्प डेस्क स्थापित करने की पहल की है। पुलिस आयुक्त कार्यालय में महिला हेल्प डेस्क का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि हेल्प डेस्क महिलाओं की सुरक्षा में और योगदान देगी। वारियर ने कहा कि पुलिस के बारे में गलतफहमियों को दूर करने के लिए जिले के 26 थानों में महिला कर्मचारियों के साथ महिला हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। कर्मचारियों को महिलाओं के प्रति संवेदनशील और मित्रवत व्यवहार करने का प्रशिक्षण दिया गया। नई सुविधा एक ऐसा वातावरण तैयार करेगी जिसमें महिलाओं को सम्मान के साथ संबोधित किया जा सके, ताकि वे अपनी समस्याओं को निडर होकर साझा कर सकें। उन्होंने यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि सहायता डेस्क संकट में महिलाओं के लिए कानूनी सहायता, परामर्श, आश्रय और पुनर्वास की सुविधा प्रदान कर सकते हैं।

क्रिकेट सट्टा लगाते चार धरे गए

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में राजेंद्रनगर, मैलारदेवपल्ली और मोइनाबाद में विभिन्न फार्महाउस और लॉज पर छापा मारा और चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच आईपीएल क्रिकेट मैचके लिए ऑनलाइन सट्टेबाजी आयोजित करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 60 लाख रुपये नकद, चार मोबाइल फोन, दो लैपटॉप और अन्य सामग्री बरामद की है।

कुएं से आवारा कुत्तों को बचाने के लिए पशु बचावकर्मियों ने 160 किमी की यात्रा की

संगारेड्डी, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अमीनपुर स्थित एनिमल वॉरियर्स कंज़र्वेशन सोसाइटी (एडब्ल्यूसीएस) के स्वयंसेवकों ने मंगलवार को 160 किलोमीटर की यात्रा करके एक आवारा कुत्ते को बचाने के लिए 160 किलोमीटर की यात्रा की, जो सिरिकोंडा मंडल के मेलाराम गांव में लगभग 60 फीट गहरा और स्थित एक परित्यक्त खुले कृषि कुएं में गिर गया था। एडब्ल्यूसीएस के स्वयंसेवकों के अनुसार दो दिन पहले कुत्ता इलाके में घूमते हुए कुएं में गिर गया था। कुत्ते के रोने की आवाज सुनकर ग्रामीणों ने एडब्ल्यूसीएस हेल्पलाइन-96978 87888 पर फोन किया। स्वयंसेवक संजीव दास और रोमेन दास मंगलवार सुबह मैलाराम के लिए रवाना हुए। तीन घंटे की लंबी यात्रा के बाद, वे उस स्थान पर पहुँचे और कुत्ते को कुएँ में भूखा पाया। फिर उन्होंने पानी की रस्सी से बंधी बाल्टी नीचे उतारी और पानी पीने के बाद कुत्ते के चारों ओर रस्सी बांधकर उसे ऊपर खींच लिया। इसके बाद संजीव और रोमेन ने कुत्ते को खाना खिलाया और गांव में छोड़ दिया।

ड्राइवर को 4 साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न के आरोप में 20 साल की सजा

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक फास्ट-ट्रैक अदालत ने मंगलवार को हैदराबाद के एक निजी स्कूलके ड्राइवर को चार साल की एक छात्रा का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 20 साल की जेल की सजा सुनाई। अदालत ने बीमाना रजनी कुमार (34) को दोषी ठहराया और सजा सुनाई। हालांकि, इसने स्कूल की प्रिंसिपल एस. माधवी को बरी कर दिया। प्रधानाचार्य के ड्राइवर के रूप में कार्यरत कुमार को पिछले साल 19 अक्टूबर को एलकेजी की छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बंजारा हिल्समें डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल को भी लापरवाही के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। घटना का पता तब चला जब पीड़िता के माता-पिता ने उसके व्यवहार में बदलाव देखा।

पूछताछ करने पर उसने बताया कि रजनी कुमार पिछले तीन महीने से उसका यौन शोषण कर रहा था। वह उसे क्लासरूम से डिजिटल क्लासरूम में ले जाता था। किसी समय आरोपी उसे स्कूल के अंदर के कमरे में ले गया, उसके कपड़े उतरवाए और उसके साथ दुष्कर्म किया। मारपीट की खबर सुनते ही पीड़िता के माता-पिता और अन्य परिजन स्कूल पहुंचे और चालक की पिटाई कर दी। उसे बाद में पुलिस द्वारा गिरफ़्तार कर लिया गया। कुमार पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 ए और बी के तहत मामला दर्ज किया गया था और धारा 6 को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के 5 मीटर के साथ पढ़ा गया था। पीड़िता के परिजनों व अन्य लोगों के विरोध के बाद पुलिस ने लापरवाही के आरोप में प्रधानाध्यापक को भी गिरफ्तार कर लिया था। इस घटना के बाद,तेलंगाना सरकारने निजी स्कूल की मान्यता रद्द कर दी थी। चूंकि इस घटना से आक्रोश फैल गया था, सरकार ने स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों की सिफारिश करने के लिए एक समिति भी गठित की थी।

बंदरों ने छत से गिराया बोल्डर तीन वर्षीय मासूम की मौत

सिद्दीपेट, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, सोमवार को एक तीन साल के बच्चे की उसके घर की टिन की छत पर रखा एक बोल्डर लुढ़क कर उसके सिर पर गिरने से मौत हो गई। अक्कानापेट के कटुकुरी गांव के निवासियों के अनुसार, बंदरों के झुंड छत पर खेल रहे थे और कूद रहे थे, जिसके कारण बोल्डर नीचे गिर गया था। ग्रामीणों ने कहा कि राजिता और श्रीकांत का बेटा देवुनुरी अभिनव अपने घर के बाहर खेल रहा था, जब बंदर छत पर थे। सिर पर बोल्डर गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अभिनव को छह महीने पहले जानलेवा चोट लगी थी, जब वह एक चाकू पर गिर गया था जो उसके गले में घुस गया था। उसके माता-पिता ने 5 लाख रुपये की सर्जरी के बाद उसे बचाने में कामयाबी हासिल की थी। वह इस घटना से लगभग पूरी तरह उबर चुका था, तभी सोमवार की यह दर्दनाक घटना घटी।

ग्रामीणों ने शिकायत की कि वे लंबे समय से बंदरों के कारण कई तरह से पीड़ित थे और अब इससे एक युवा की जान चली गई है।

कांग्रेस ने बेरोजगारी और टीएसपीएससी के पेपर लीक होने पर आंदोलन का नारा दिया

हैदराबाद, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी ने राज्य में बेरोजगारी और टीएसपीएससी के पेपर लीक होने के मुद्दे पर आंदोलन शुरू करने का फैसला किया है। इसके तहत 4 या 5 मई को सरूरनगर मैदान में एक विशाल सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रियंका गांधी मुख्य अतिथि होंगी। टीपीसीसी के अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को गांधी भवन में मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 21 अप्रैल को नलगोंडा में महात्मा गांधी विश्वविद्यालय में बेरोजगारी विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा, जो कि टीपीसीसी द्वारा बेरोजगारी और टीएसपीएससी पेपर लीक के मुद्दे पर की गई गतिविधियों के तहत किया जाएगा। बाद में 24 अप्रैल को खम्मम में और 26 अप्रैल को आदिलाबाद में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि 4 या 5 मई को हम सरूर नगर में बेरोजगारों की समस्याओं को लेकर एक विशाल जनसभा करेंगे। हम एलबी नगर में श्रीकांत चारी की प्रतिमा का सम्मान करेंगे और एक रैली में कार्यक्रम स्थल पर जाएंगे। इस बैठक में प्रियंका गांधी मुख्य अतिथि होंगी। हम बताने जा रहे हैं कि केंद्र और राज्य की सत्ता में वापसी के बाद कांग्रेस पार्टी युवाओं के साथ क्या करने जा रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि कर्नाटक चुनाव प्रचार में हिस्सा लेने के बाद प्रियंका गांधी हैदराबाद पहुंचेंगी। सभी बेरोजगारों और छात्र संघों को विरोध में भाग लेना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा, युवाओं को धोखा दिया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री केसीआर देश के युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने में बुरी तरह विफल रहे हैं।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि नरेंद्र मोदी हर साल दो करोड़ नौकरियां देने का वादा करके सत्ता में आए हैं, लेकिन मोदी ने अपना वादा निभाने के बजाय बेरोजगारों को धोखा दिया। उन्होंने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री ने 27 जुलाई 2022 को संसद में उनके सवाल का जवाब दिया था कि जब नौकरियों के लिए 22 करोड़ 6 लाख आवेदन आए तो 7,22,311 को नौकरी दी गई।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने संसद के पटल पर बेरोजगारों को ठगने की बात स्वीकार की है। उन्होंने सीएम केसीआर की आलोचना की, जिन्होंने कहा कि वह प्रति घर एक नौकरी देंगे और बंदी ने कहा कि एक ही दिन में दो लाख नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी ही थी जिसने सार्वजनिक क्षेत्र से लेकर संसद तक बेरोजगारों के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि बंदी संजय का बेरोजगारी मार्च मोदी के घर के पास निकाला जाना चाहिए। रेवंत रेड्डी ने कहा कि हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण 9 मई से जोगुलम्बा जिले से आयोजित किया जाएगा।

सड़क हादसे में महिला की मौत, पति घायल

संगारेड्डी, 18 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चौटाकूर मंडल के सुल्तानपुर गांव में मंगलवार को एनएच-161 पर हुए सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गयी, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया. दोनों मोपेड बाइक पर जा रहे थे तभी एक तेज रफ्तार लॉरी ने बाइक को टक्कर मार दी। जबकि सी. अक्षिता रेड्डी (27) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति श्रीनिवास रेड्डी को कई चोटें आईं। दोनों पेड्डा शंकरमपेट मंडल के मूसापेट गांव में अपने पैतृक स्थान से संगारेड्डी जा रहे थे जब दुर्घटना हुई। दंपति के दो बच्चे हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.